एक सच्चा चिन्ह जिसे अनदेखा किया गया

... आज सुबह प्रभु यीशु के नाम में, और बहुत प्रार्थना करने के बाद। और आज सुबह, मैं जल्दी नहीं उठा। मुझे एक प्रकार से उठने में देर हो गई थी, और अभी–अभी, मैं समझता हूं, हर कोई जानता है कि ऐसा क्यों हुआ।

2 मैं उस दिन को सुबह घर आया, या उस रात को, और मेरा पड़ोसी वह और उसकी छोटी बेटी के साथ आंगन में खड़ा था। उसकी पत्नी अस्पताल के प्रसूति विभाग में नर्स है। उसके हाथ में एक—एक छोटी–सी छड़ी थी, लगभग *इतनी* लम्बी, उस पर कुछ—कुछ छोटा सा अनुलेखन था, एक रिबन लगा हुआ था और उस पर चीज लिखी हुई थी, "दादाजी ब्रंहम, 11 अक्टूबर को लगभग 3:43 या 4:43 बजे।" और नीचे बड़े कोष्ठक में लिखा था, "आप जितना सोचते हैं, उससे ज़्यादा बूढ़े हो चुके हैं।" इसलिए अब तो मुझे सुबह थोड़ा और आराम करने का मेरे पास वैध रूप से अधिकार है। यह सही है, भाई राइट, जब आप—जब आप दादा बन जाते है?

3 और इसलिए बहन किड, मैं समझता हूं, तब, एक प्रकार से मुझे क्षमा करना, आज सुबह, क्योंकि जब आप ओहियो से आयी तो मैं उठ नई पाया। लेकिन सच में, दादा बनने के बाद मुझे लगता है जैसे मैं दस साल और बूढ़ा हो गया हूँ। लेकिन, जैसा कि आप सभी जानते हैं कि मेरा एक छोटा पोता वहां पर है, लगभग सात या आठ पाउंड का, कुछ ऐसा ही, सबसे कुरूप छोटा बालक जो मैंने कभी देखा था। कहा, "वह बिल्कुल अपने दादाजी जैसा दिखता है।" इसलिए... और मैं बस देख रहा था कि वह कहां गया, बिली कहां गया।

4 तो, कल रात, मेरे सारे फोन ख़त्म करने के बाद, जब मैं हॉल से नीचे आ रहा था, मैंने जॉर्जिया और आस–पास के निष्ठावान मित्रों के एक समूह से भेंट की, और हम सभी वहाँ उन छोटे बच्चों को देख रहे थे। और वे बहुत प्यारे हैं। अब, वे बस... मुझे हमेशा कुछ ऐसा महसूस होता था, "बिली, तुम डरते हो कि तुम उन्हें गिरा दोगे, तुम जानते हो। वे बहुत ही छोटे हैं।" और

मैं विश्वास करता हूं कि यह बहन बीलर ने कहा था... मैं अक्सर सोचता था... वह भी यही सोचती थी, लेकिन, बाद में, उसने पाया कि वे इतनी आसानी से नहीं गिरते। तो, मुझे लगता है कि यही सही है।

5 कल दोपहर को मुझे यहाँ हमारी कलीसिया की एक बहन के घर जाने का सौभाग्य मिला, उसकी बेटी के घर; और मैं सोचता हूं कि वह भी यहीं कलीसिया में है, जहां उन्होंने भाई नेविल के लिए एक छोटा सा जन्मदिन का रात्रि भोज आयोजित किया था। और कल उन्होंने एक और मील का पत्थर पार किया। और इसलिए हम भाई नेविल से कहते हैं, "जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं," हम में से हर एक जन, क्योंकि वह एक बहुत ही अच्छा भाई है। और, निश्चय ही, उसने अभी–अभी पच्चीस को पार किया है, जरा सा, फिर मेरी तरह ही। और इसलिए हमने पच्चीस को दूसरी बार पार कर लिया है। यही... अब यह बूढ़ा व्यक्ति होने जा रहा है, जब आप उस उम्र को दूसरी बार पार करने जा रहे हैं, आप जानते हैं।

6 मुझे याद है उस सुबह फ्रेंकी वेबर यहां आए हुए थे। और वो यहां हमारे पड़ोस में रहते थे; उसकी बेटी अब वहां रहती है। वह फ्लोरिडा में है। और फ्रेंकी और मैं एक साथ स्कूल जाते थे। और फ्रैंकी ने अपने जन्मदिन के अवसर पर एक भेंट अर्पित की। और तब मैं लगभग तीन या चार वर्षों से प्रचार कर रहा था। मैंने फ्रेंकी की प्रभु यीशु की ओर अगुवाई की। और उसने एक चौथाई में प्रवेश किया। मैं सोचता हूं कि मैं बाईस वर्ष का था। और उसने एक चौथाई में प्रवेश किया। मैंने सोचा, "ओह, प्रभु, क्या आपका मुझे बताने का मतलब हैं कि फ्रेंकी वेबर पच्चीस वर्ष का हो गया है? व्यूह! ओह, मुझे उस समय का डर है जब मैं पच्चीस वर्ष का हो जाऊंगा।" अब मैं जल्द ही तब उसमें तीन बार पच्चीस में प्रवेश करने की तैयारी कर रहा हूं। तो यह—यह बस समय बीतने में देर नहीं लगती।

7 जब मैं यहां पर देखता हूं और भाई और बहन किड को उनके अस्सी के आसपास वर्ष की उम्र में भी मजबूत स्थिति में देखता हूं, मैं सोचता हूं, "प्रभु यीशु, बावन वर्ष की उम्र में मेरी शिकायत के लिए क्षमा करें।" और वे... आप अस्सी वर्ष के हैं, और भाई किड इक्यासी वर्ष के हैं। क्या यह सही है? इक्यासी वर्ष के। और वे अब भी सेवकाई में है। और मैं आपको बताता हूं, इससे हमें हिम्मत मिलती है, क्या ऐसा नहीं है? निश्चय ही मिलती है। निश्चय ही प्रभु हमारे लिए भला है।

8 अब, यहाँ सुबह की मीटिंग होने पर मुझे बस एक ही बुरी बात का डर है, और वह है... यह एक ख़राब बात है, ऐसा कहना एक बहुत ही शर्म सा लगता है। लेकिन मेरे बहुत सारे मित्र हैं जो सभाओं के—के लिए बहुत दूर–दूर से आते है।

मैं यहां इवांस को नहीं देखता, लेकिन वे यहां कहीं तो हैं, मुझे लगता है। वे कभी एक भी मौका नहीं छोड़ते। और आप जानते हैं कि हर रविवार को प्रचार सुनने के लिए वे कितने मील गाड़ी चलाकर आते हैं? तेरह सौ मील। वे कलीसिया आने–जाने में हर सप्ताह कम–से–कम साठ से सत्तर डॉलर खर्च करने पड़ते हैं, यह सही है, जब वे अपने पूरे परिवार के साथ यहाँ आते हैं, और रास्ते में तो इतना खर्च हो ही जाता है।

9 अब, केवल इतना ही नहीं, लेकिन यहाँ अलबामा से एक छोटा सा भाई है, जो हर सप्ताह लगभग इतनी ही दूरी से गाड़ी चलाकर आता है। भाई... ओह, प्रभु! भाई "वेल्ट"? [एक भाई कहता है, "वेस्ट।"—सम्पा।] वेस्ट। मैं... वह मुझे एक लड़के की तरह ही दिखता है। वह—वह एक पिता है, उसके कई बच्चे है। लेकिन वो हमेशा मुझे याद दिलाते है, वो बहुत ही युवा दिखते है, वह और उसकी पत्नी। भाई वेस्ट।

10 भाई और बहन पाल्मर वहां पीछे बैठे हुए हैं, जो वहां नीचे दूर जॉर्जिया के मैकोन से आते है।

और—और बहन अनग्रेन, वे आमतौर पर यहां मेम्फिस, टेनेसी से आती है। क्या वे आज सुबह यहां पर हैं? मैं—मैं... वे आमतौर पर रहते हैं। बहन अनग्रेन और—और मेम्फिस का झुण्ड, जो टेनेसी से आते है, दूर, जी हां, वहां बहुत ही पीछे।

और वहां कुछ और भी है। मैं तो बस... नाम लेने के लिए इनकी संख्या बहुत ही हैं। इनमें से कुछ, वहां दूर दक्षिणी केंटकी में भी है। कुछ, वहां दूर शिकागो के आसपास से है। और कुछ शिकागो से हैं, और शिकागो के ऊपर, आसपास से है।

11 रविवार को, मुझे पता चला कि एक व्यक्ति कैलिफोर्निया से यहाँ आया है, और उसके पास बस रुकने के लिए थोड़ा सा समय था; मुझसे मिलना चाहता था। निश्चय ही, मैं सभा के बाद व्यस्त हो गया था। और वो व्यक्ति मुझसे मिले बिना ही वापस चला गया।

एक और व्यक्ति कहीं तो, इलिनॉयस से आया था। यदि वह व्यक्ति आज सुबह यहां पर है, तो वे सबसे अच्छे स्वादिष्ट सेब थे जो मैंने कभी खाए है। और वह मेरे लिए एक झाड़ी के सेब लेकर आया था।

और वहां जॉर्जिया के भाइयों में से एक, मैं सोचता हूं कि ऐसा ही था, या कहीं से तो, अखरोट का एक बड़ा पैकेट लाया, लगभग *इतने* बड़े, कागजी छिलके। और, ओह, मैं सचमुच उन्हें बड़े मज़े से खा सकता हूं!

12 ठीक इस समय, मैं निश्चय ही, मैं इन दिनों मनभावन भोजन नहीं खा रहा हूँ, मेरी माँ के चले जाने के बाद से मैंने नहीं खाया है। मैं एक—एक नए दर्शन के लिए प्रभु से मांग रहा हूं। बस नरम चीजें खा रहा हूं, और जैसे कि मैं... थोड़ा सा जितना मैं खा सकता हूं; मैंने बीस पाउंड वजन कम कर लिया है। जो कि... अब, मैं उपवास नहीं कर रहा हूं। मैं नहीं... नहीं। केवल भोजन न करना ही प्रभु के लिए कोई अर्पण नहीं होता है। आप प्रभु को अपना सर्वश्रेष्ठ देना चाहते हैं जो आपके पास है। ना ही...

13 मैंने भाई समनर को देखा और उनके साथियों को भी वहां पीछे देखा। अभी बहुत सारे लोग है। मैं...

जैसे, पिछले रविवार को, मैं उन लोगों का उल्लेख कर रहा था जो—जो अपनी माँ के साथ बैठे थे, और इत्यादि। और एक सच्ची विश्वासयोग्य बहन भी वहां पर थी। मैं उस महिला का नाम लेना भूल गया। अब, यदि वह आज सुबह यहां है, तो मैं क्षमा चाहता हूं। उनमें से एक बहन बीलर थी, और दूसरी बहन और भाई स्टेफी थे। और बहुत सारे! मैं...

14 आप सभी मुझे इतनी अच्छी तरह से जानते हैं कि आप जानते हैं कि जब मैं किसी नाम या व्यक्ति को अनदेखा करता हूं तो मेरा यह मतलब नहीं होता है। वे सभी कितने वफादार थे! और कभी-कभी बस यहाँ बैठे हुए, मैं किसी ऐसे व्यक्ति का उल्लेख कर देता हूं जो बस मेरे मन में अचानक आ जाता है। लेकिन मैं... उसके लिए, मेरा मतलब पूरा झुण्ड होता है, हर एक जन, देखो, यह बहुत ही अच्छा है। और फिर, हर कोई, हमारे प्रति बहुत प्यारा, और दयालु है। और निश्चित रूप से इसकी सराहना करते हैं।

15 और अब, आज सुबह, हम फिर से परमेश्वर के वचन के पास जाने की कोशिश करेंगे। अब, मैं इस बयान को देना चाहता हूं, जिससे कि यह वास्तव में स्पष्ट हो जाए, कि मैं—मैं किसी भी सभा में ऐसे ही खुद को दिखाने के लिए नहीं आता हूं। मैं वहां ऐसे यह कहने के लिए नहीं आता

हूं, "ठीक है, मैं शायद प्रभु से प्रार्थना करना चाहता हूं ताकि मुझे एक—एक संदेश दे जो बस लोगों को वास्तव में अच्छा महसूस करने को लगाये और चिल्लाने को लगाये।" हमारे यहाँ ऐसे बहुत से सन्देश थे, लेकिन, और हम इसकी सराहना करते हैं। यह ठीक है। समझे? यह अद्भुत है। समझे? लेकिन मैं जो जानना चाहता हूं, वह यह है, "प्रभु, आप मेरे विचारों को किसी चीज में निर्देशित करे, जिससे लोगों के लिए एक सहायता हो, जो उन्हें परमेश्वर के समीप ले जाए, जो—जो—जो उनके लिए कुछ तो करे, कि—कि, इतना ही नहीं कि उन्हें आत्मिक रूप से विकसित करे, लेकिन उन्हें परमेश्वर के ज्ञान और चेतावनी में विकसित करें, ताकि वे जान सके कि शत्रु आएगा तो कैसे खड़ा होना है।"

16 मैं एक बहन से बात कर रहा था, जो इस सप्ताह यहां पर आई हुई थी, बहन पाल्मर। उसने कहा, मैं जानना चाहती थी कि मैं अब तक इस देश में कैसे रही। यह, आप बस यहाँ पर आते हैं, और, हाँ, हर बार जब मैं घाटी से होकर निकालता हूँ, जैसे ही मैं शहर के अंदर जाता हूँ मैं बीमार हो जाता हूँ। यहाँ इस घाटी का असर सेहत के लिए सचमुच ख़राब पड़ता है। हम यह जानते हैं। लेकिन परमेश्वर के पास यहाँ पर बहुत से बच्चे हैं। और इसलिए इन दिनों में से एक...

17 मैं अब प्रभु से मांग रहा हूं, कि परमेश्वर की ओर से एक सच्चे सीधे संदेश को पा सकूं। समझे? और मैं, परमेश्वर की सहायता से, मुझे बस लक्ष्य को थामे रहना है, जब तक वह नही आता है, अर्थात जब तक कि वह मुझे कोई बात को नहीं बताता। क्योंकि मैं महसूस करता हूं कि वहां ऐसा होना चाहिए... यहां कुछ तो ऐसा है जो यहां पर घटित होने जा रहा है, और मैं जानना चाहता हूं कि यह क्या है। मैं सीधे परमेश्वर से जानना चाहता हूं, ताकि मैं कह सकूं कि यह **यहोवा यों कहता है**। समझे? और तब—तब आप कर सकते हैं, आप, लोग, तब आप जान जायेंगे कि यह—यह मैं नहीं हूं। इसलिए, मैं ऐसा करने की कोशिश करना चाहता हूं, कि, या, पहले उसी से सुनूं।

18 क्योंकि, यदि वह अपने वचनों को एक व्यक्ति में—में डालता है, तो फिर, उसके बाद अब वो व्यक्ति नहीं है; यह तो वो है। तब यदि वह व्यक्ति इसे अपने आप में इसे कह रहा है, तो किसी भी तरह से इसका कोई मतलब नहीं होगा। लेकिन यदि वह, प्रभु का वचन, व्यक्ति में है, तो यह

सामने आएगा, और उसके बाद यह—यह बिल्कुल सही होगा। यही है जो हमें बाईबल में कार्यादेश दिया गया था, मैं समझता हूं, व्यवस्थाविवरण के 20वें अध्याय में, इसमें कहा गया था, हां, "देखो, और यदि कोई प्रभु के नाम में बोलता है, और यह पूरा नहीं होता है, तो उस व्यक्ति पर कोई ध्यान ना देना।" देखा? "लेकिन यदि वे इसे बोलते हैं और यह पूरा हो जाता है, तब बेहतर है कि आप इसे सुने," देखो, "क्योंकि यह परमेश्वर की ओर से आ रहा है।"

19 इसी तरह से परमेश्वर ने किया है। उसने अपना नियमित योजना को यहां बाईबल में रखा है। हम जानते हैं कि इसे कैसे पढ़ना है। लेकिन वहां कुछ चीजें ऐसी हैं, जो कि—जो कि कलीसिया के लिए है और समय और बातों के लिए, जिसे उसने बाईबल में यहाँ नहीं लिखा है, इसलिए वह अपनी आवाज को एक व्यक्ति में डालता है और वे इसे आगे बोलते हैं, देखो, इसे आगे बोलते हैं। सो, तब, उस व्यक्ति को जांचने का तरीका यह है कि पता लगाया जाए कि क्या ये उस तरह से होता है जिस तरह से वह इसे कहता हैं। फिर, यदि ऐसा होता है, तो फिर इसी तरह से होता रहता है, तो, तब हम जान जाते हैं कि यह प्रभु की ओर से है। तब हमारे—तब हमारे पास भरोसा होता है, तब, ताकि उन आने वाली चीजों के लिए तैयार हो जाए।

20 मैं आज सुबह वचनों में से दो या तीन स्थानों से पढ़ना चाहता हूँ। और मैं सबसे पहले पढ़ना चाहता हूं, निर्गमन की पुस्तक में से, और मैं सोचता हूं लगभग निर्गमन के—के 4थे अध्याय से, यह आरम्भ होता है।

21 और अब मैं घोषणा कर सकता हूं जब आप इन वचनों को पढ़ने के लिए तैयार हो रहा है, मैं घोषणा कर सकता हूं जो मैं आपसे बोलना चाहता हूं, जिसे प्रभु ने मेरे हृदय पर आज सुबह बोलने के लिए डाला है। मैं नहीं जानता कि वह इसके साथ क्या करेगा, लोगों के लिए; हो सकता है यहां एक व्यक्ति के लिए निर्देशित हो, हो सकता है कोई तो बाहर के देश में टेप सुनने वालो के लिए, कहीं तो और हो। लेकिन मैं आज सुबह घोषणा करना चाहता हूं...

22 मैं सोचता हूं, पिछले रविवार की सुबह, मैंने *एक सच्चे गवाह* पर प्रचार किया। और इस रविवार की सुबह, प्रभु ने चाहा तो, मैं *एक सच्चा चिन्ह जिसे अनदेखा किया गया* पर प्रचार करना चाहता हूं।

23 मैं... भाई पाल्मर मुझे पिछली रात को बता रहे थे, कि पिछले रविवार की सुबह मैंने इस विषय पर बोला था... या कहा था कि मैं इस रविवार को बोलने जा रहा हूं, जो है, "कलीसिया के चार जंक्शन।" और जब मैं पिछली रात को गया... मैं आमतौर पर इसे लिख लेता हूं। क्या... मैं नहीं जानता कि आपको ऐसा करना है या नहीं। लेकिन मेरे पास सोचने के लिए बहुत सी चीजें होती हैं। मुझे कुछ मिलता है, तो मुझे इसे एक कागज के टुकड़े पर लिखना होता है। समझे? और मैं जाकर इसकी ओर देखने लगा, और इससे मेरा जो कहने का अर्थ था, वह ठीक चार जंक्शनों से नहीं था। मैंने वास्तव में इसे उस तरह कहा था। लेकिन मेरा मतलब था, कि, "कलीसिया की शासन–व्यवस्था के चार रूप।" और ऐसा करने के लिए, मुझे एक साथ बहुत सारे इतिहास को इकट्ठा करना होगा। और हो सकता है अगली बार मेरे पास यह विषय हो। लेकिन उसे तैयार करने के लिए मेरे पास जितना अध्ययन का समय था, उससे अधिक समय चाहिए, क्योंकि आपको पीछे जाकर और तारीखें और इत्यादि चीजें एकत्र करनी होगी।

क्योंकि, आप सभी, सब समझते हैं कि यह कई स्थानों से जुड़ा हुआ है। क्यों, हम इन बातों को कहने से पहले इन बातों के विषय में निश्चित रूप से पक्का होना चाहते हैं। उन्हें सही–सही होना है। क्योंकि, हम यहां पर खड़े हुए हैं, जो संसार के सबसे उच्च पद को पकड़े हुए है: एक सेवक का पद। एक सेवक, और सबसे सच्चा और सही, सटीक, हमें इसी तरह से होना ही चाहिए। हमें ऐसा करने के लिए अवश्य ही परमेश्वर पर निर्भर होना है।

अब, निर्गमन की पुस्तक में, 4था अध्याय:

और मूसा ने उत्तर दिया और कहा,... देखो, वे मेरी प्रतीति न करेंगे, और न ही मेरी बात को मानेंगे: क्योंकि वे कहेंगे, ***यहोवा*** *ने तुझ पर प्रगट नहीं* किया।

और ***यहोवा*** *ने उस से कहा, यह* तेरे *हाथ में क्या है? और उसने कहा, एक लाठी।*

और उस ने कहा, इसे भूमि पर डाल दे। और उसने उसे भूमि पर डाला, और वह एक सर्प आ *गया; और मूसा उसके सामने से भाग गया।*

*और **यहोवा** ने मूसा से कहा,* अपना *हाथ बढ़ाकर, और इसे पूंछ से पकड़। और उसने अपना हाथ आगे बढ़ाया, और उसे पकड़ लिया, और वह उसके हाथ में लाठी बन गई:*

*जिससे कि वे विश्वास कर सके कि उनके पूर्वजों का **प्रभु** परमेश्वर, अब्राहम का परमेश्वर, इसहाक का परमेश्वर, और याकूब का परमेश्वर, तुझ पर प्रकट* हुआ *है।*

*और **यहोवा** ने उस से यह भी कहा,* अपना *हाथ अपनी छाती पर रख। और उसने अपना हाथ उसकी छाती में डाला: और उसे बाहर निकाला* था, *तो क्या* देखा, *कि उसके हाथ में हिम के समान* कोढ़ *था।*

और उसने कहा, अपना हाथ अपनी *छाती में फिर से डाल। और उसने अपना हाथ फिर से छाती में डाला; और उसे अपनी छाती में से निकाला, और,* देखो, *यह फिर से उसकी दूसरी देह के समान हो गया* था*।*

और ये ऐसा होगा, यदि वे तेरा विश्वास ना करें, और ना हो पहले चिन्ह की आवाज़ को *सुने, कि वे अंतिम चिन्ह की आवाज का विश्वास करेंगे।*

आप दो चिन्हों पर ध्यान दे, और वो... हर चिन्ह की एक आवाज थी। मैं 8वां पद फिर से पढ़ता हूं:

और ये ऐसा होगा, यदि वे तेरा विश्वास ना करें, और ना ही पहले चिन्ह की आवाज़ को *सुने, तो वे अंतिम चिन्ह की आवाज का विश्वास करेंगे।*

और ऐसा हो, यदि वे इन दो चिन्हों का भी विश्वास ना करें, और ना ही तेरी आवाज़ को सुने, कि तू उस महानद के जल *में से लेकर, और उस सूखी भूमि पर... उंडेल देना: और जो जल जिसे तू महानद में से निकालेगा, वह सूखी भूमि पर लहू बन जायेगा।*

24 और अब संत यूहन्ना में, 1ला अध्याय और 6वा पद, हम इन पदो को पढ़ते हैं, या इस पद को। संत यूहन्ना, 1ला अध्याय और 6वां पद। और...

वहां परमेश्वर की ओर से एक मनुष्य भेजा गया था, जिसका नाम यूहन्ना था।

... एक मनुष्य परमेश्वर की ओर से भेजा गया, जिसका नाम यूहन्ना था।

25 और यहेजकेल 24:24 में, मैं इस वचन को इसमें रखना चाहता हूं, इसे पुराने नियम से लेकर भविष्यवक्ताओं और नए नियम तक जोड़ने की कोशिश करते हुए; जिससे कि आप समझ जाए कि यह निर्गमन से होते हुए ऐसा अंत तक होता रहा है।

यहेजकेल तेरे लिये एक चिन्ह ठहरेगा: जो कुछ उस ने किया है तू उसी के अनुसार करना: और जब यह आएगा, *तो तुम जान जाओगे कि मैं प्रभु* ***परमेश्वर*** *हूं।*

अब आइए हम अपने सिरों को कुछ क्षण के लिए झुकाएं जब हम आदरपूर्वक उसके पास प्रार्थना के माध्यम से आते हैं।

26 पिता परमेश्वर, हम अब्राहम, इसहाक और याकूब के परमेश्वर के नाम में आते हैं: अर्थात धर्मी यीशु मसीह के नाम से आते है। हम यह जानते हुए आते हैं कि वह हमारी बात सुनेगा, क्योंकि हम ऐसे व्यक्ति के समान नहीं आये हैं जैसे कोई ऐसे ही भवन में आया हो, लेकिन हम विश्वास के साथ साहसपूर्वक आये हैं, यह विश्वास करते हुए कि उसने जो प्रतिज्ञा की है, वह उसे पूरा करेगा। इसलिए आज हम मांगते हैं, प्रभु, कि आप हम में से प्रत्येक को लें जो उपस्थित है, वहां पुलपीट से लेकर दूर भवन के पीछे तक, सारे क्षेत्रों में होते हुए, और हर एक ह्रदय को खोले और हमारे सुनने वाले कान का खतना करे, जिससे कि जीवित परमेश्वर का वचन आज सुबह स्वर्ग से आ सके, और हमारे ह्रदय के अंदर उंडेल दिया जाये, जिससे कि हम विश्वास कर सके, जैसा कि हम प्रभु के वचन को सुनते हैं और जैसा कि आज सुबह हमारे कानों के लिए पढ़ा गया है। और हम आपके वचन के लिए धन्यवाद देते हैं। आपका वचन सत्य है।

27 और अब, जब हम बुरे समय को निकट आते हुए देखते हैं, तो परमेश्वर का सारा क्रोध ऊपर आकाश में फ़ैल जाता है। और यह किसी भी समय हो सकता है जो कि इस राष्ट्र के साथ कुछ तो घटित होगा जिसने आपको त्याग दिया है, कि वहां पर एक बड़ा विस्फोट होगा जो कि राष्ट्र को पूरी तरह से संसार के नक्शे से मिटा देगा, और इसके पीछे एक अधर्मी देश की धमकी होगी, जो ऐसा करने के लिए बहुत उत्सुक है। और जानते हुए कि, वे परमेश्वर के निकट आने के बजाय, वे और भी दूर होते हुए दिखाई देते

हैं। जानते हुए कि प्रकाशितवाक्य की किताब और उन सारे वचनों में से होते हुए इस दिन की भविष्यवाणी की गई है, तब आओ हम चेतावनी को ले ले, प्रभु, हम आलसी ना बने और ना ही वैसे ही नींद में पड़े रहे। होने पाए हम जागे और अपने आप को हिलाए।

28 होने पाए आज हमारे पास वो समझ हो, जैसी हमारे पास पहले कभी नहीं थी। होने पाए हमारे ह्रदय इस दिन के बाद आग से जल उठे, कि हमारे प्राणों में भी एक प्रज्वलित आग जल उठे जो इस देश में से होकर फ़ैल जाये, प्रभु, और हम जहां कहीं भी होते है एक जीवित गवाही हो।

29 बीमारों और पीड़ितों को आशीषित करें, वे जो आवश्यकता में है, चाहे वे हमारे बीच हों या हमारे बीच से बाहर, आपके लोग, जो हर कहीं पर है।

30 प्रभु, आपके वचन को आशीषित करें। अपने सेवक को पवित्र करे, और अपने दासों को जो सुन रहे हैं, कि, एक साथ, हमें उसके प्रगट होने के एक नजदीकी एहसास को लाया जा सके, जीवन में पहले से कहीं और अधिक। मैं केवल उनके लिए ही प्रार्थना नहीं करता जो यहां उपस्थित हैं, लेकिन उनके लिए जो संसार भर में टेप को सुनेंगे, ताकि उन्हें जीवित परमेश्वर की कलीसिया में लाया जा सके। क्योंकि हम समझते हैं कि केवल एक ही मार्ग है कि हम इस कलीसिया के एक सदस्य बन सकते हैं, जो कि आत्मा के जन्म से है, तब हम एक आत्मा के द्वारा एक देह में बपतिस्मा लेते हैं। मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, संसार भर में उनमें से प्रत्येक के लिए, कि आप अपने लिए महिमा को पाये। और होने पाए हम अपने प्राणों को इस तरह से तैयार करें, जो कि संसार भर में एक पुकार के साथ हो, हम चिल्ला सकें, "फिर भी, हे प्रभु यीशु आ जा।" हम इसे यीशु मसीह के नाम में प्रार्थना करते हैं। आमीन।

31 *एक सच्चा चिन्ह जिसे अनदेखा किया गया*। मनुष्य चिन्हों को ढूंढ रहा है, वहां पीछे फिरौन से लेकर आज के दिन तक।

और यीशु ने हमें वहां एक—एक समय के लिए बताया चिन्हों के ढूंढने वाले होंगे, और कहा, कि, "एक दुष्ट, व्यभिचारी पीढ़ी चिन्हों को ढूंढेगी। लेकिन, फिर भी, उन्हें एक चिन्ह दिया जायेगा।" और उस पीढ़ी को पुनरुत्थान का एक चिन्ह मिलना था; जो कि एक कमजोर, दुष्ट और एक व्यभिचारी पीढ़ी होगी जिसे एक पुनरुत्थान का एक चिन्ह दिया जाएगा।

32 लेकिन जैसा कि यह वचन जो हमारे सामने रखा है, यहेजकेल के 24वें

अध्याय और 24वें पद में है, इस भविष्यवक्ता को एक चिन्ह बनाया गया था। और यही वो चिन्ह है जिस पर मैं बात करना चाहता हूं।

33 यह व्यक्ति इस्राएल के लिए एक चिन्ह बना। और सारे वचनों में से होते हुए, परमेश्वर ने अपने भविष्यवक्ताओं को चिन्हों के लिए उपयोग किया है। और उन्हें हमेशा ही अनदेखा किया गया है। ऐसा लगता है वे उस चिन्ह को कभी नहीं पकड़ पाते है। वे हमेशा ही भावना के एक चिन्ह की तलाश में रहते हैं।

यहां तक कि यीशु के दिनों के फरीसियों ने भी कहा, "हमें स्वर्ग से एक चिन्ह दिखा।"

34 लेकिन यीशु ने उनसे उल्लेख किया कि उन्हें एक चिन्ह दिया जायेगा। "तुम्हारे पास पहले से ही एक चिन्ह है।" कहा, "तुम आकाश को देखकर पहचान सकते हो। तुम उस चिन्ह की ओर देख सकते हो। तुम कहते हो, 'यदि आकश लाल है, तो नीचे, कल खराब मौसम होगा।'"

35 यदि वे एक चिन्ह की ओर देखते, तो उन्होंने उस की ओर देखा होता, और जान जाते कि वो उनके लिए परमेश्वर का चिन्ह था; क्योंकि उसके विषय में उनकी भविष्यवाणियां उनकी आंखों के सामने पूरी हो रही थी। लेकिन वे फिर भी एक चिन्ह के लिए देख रहे थे।

36 यह कितनी अजीब बात है कि मनुष्य ऐसा करता है, जो एक चिन्ह के लिए देखता है जब कि एक चिन्ह ठीक उनके साथ ही होता है, ठीक उनके बीच में होता है। अब, इस्राएल इसी स्थिति में आ गया था।

37 और कभी–कभी उस चिन्ह को जिस यातना से होकर जाना पड़ता है ये विस्मयकारी होता है; वो यातना जिसमें से यीशु होकर गहरा, जिससे कि परमेश्वर के चिन्ह को साबित करे, कि वो मसीहा था।

38 हम यहां पर पाते हैं, कि यह युवा भविष्यव्यक्ता जिसका नाम यहेजकेल था, वो निरंतर, हर समय एक चिन्ह बना रहा। उसने अपने आप को किस तरह से यातना दी! यहां एक जगह हम पाते हैं जहां वह तीन सौ नब्बे दिनों तक अपनी बाईं करवट में ही लेटा रहा। परमेश्वर ने उससे कहा कि कुछ फलियां और कुछ सब्जी ले, इन सभी को एक साथ रखकर, इसे पका, और इसे अपने बगल में रख दे, और जाकर एक सपाट पत्थर पर लेट जा, और वो तीन सौ नब्बे दिनों तक उसके बायीं ओर, अकेला पड़ा रह, करवट

भी नहीं बदलना। इस पर सोचे। और फिर कहा, “दाहिनी ओर पलटकर और फिर से चालीस दिन तक वहीं पड़ा रह।”

39 और उसने यहां कहा, “यहेजकेल, तुम जो देख रहे हो,” कहा, “क्योंकि तुम लोगों के अधर्म का भार उठा रहे हो, मैं हर दिन उनके लिए एक वर्ष गिनूंगा।” ऐसा होने पर, जब, हर दिन वह वहां लेटा रहा, इसका मतलब था कि एक वर्ष वे बंधुआई में रहेंगे, और उनके अधर्म के काम परमेश्वर को याद रहेंगे, और परमेश्वर उनकी प्रार्थनाओं को अब और नहीं सुनेगा।

40 लेकिन जिस यातना से उस व्यक्ति को होकर जाना था, इसकी आवश्यकता क्यों थी? बहुतों ने सोचा, एक व्यक्ति के लिए ऐसी चीज को करना क्यों आवश्यक है। ऐसा इसलिए है क्योंकि लोग वचन को नहीं पढ़ते है, और वे प्रार्थना नहीं करते है। इसलिए, परमेश्वर सर्वोच्च है, और वह अपने भविष्यवक्ता को एक चिन्ह होने के लिए भेजता है। लोग पढ़ना नहीं चाहते। उन्हें पढ़ने मे दिलचस्पी नहीं। और वे प्रार्थना नहीं करते, क्योंकि वे भी... उनके पास करने के लिए अन्य काम हैं। वे प्रार्थना करने के लिए समय नहीं निकाल सकते। और बाईबल उन्हें उबाऊ या बोर लगती है। इसमें इन आधुनिक दिनों के लिए, या किसी भी दिन के लिए पर्याप्त गतिविधि नहीं है।

41 आप जानते हैं, मैं सोचता हूं कि यह पौलुस ने कहा था, “तुम परमेश्वर की पत्री हो, सारे मनुष्यो के द्वारा पढ़ी जाती है।” परमेश्वर लोगों को चिन्हों के लिए उपयोग करता है, ताकि अपने चिन्हों को दिखाये। और बहुत सी बार वो चिन्ह, और अधिकतर, हर बार, जब तक ये चुने हुए लोगों के साथ न हो, उस चिन्ह को अनदेखा किया गया है और आलोचना की गयी है, उपहास उड़ाया जाता है, उसे बाहर निकाला गया है।

42 और पुराने नियम में भी यहाँ तक ऐसा माना गया है, भविष्यव्यक्ताओं के दिनों में, कि उन्हें मानसिक रूप से परेशान लोग माना जाता था। उन्होंने सोचा कि वे भविष्यव्यक्ता मानसिक रूप से सनकी थे, कि उनके दिमाग में कुछ तो गड़बड़ थी। और वे उन्हें देखते थे कि वे जंगल में से आते और—और चिन्हों को दिखाकर, और वे मुड़कर फिर से जंगल में वापस चले जाते। और वे उनका उपहास उड़ाते, क्योंकि वे लोग बाईबल को नहीं जानते थे।

43 यीशु ने एक समय फरीसियों को पुनरुत्थान के विषय में बताया। उन्होंने

कहा, "हमारे पास एक... व्यवस्था कहती है कि यदि एक भाई मर जाता है और वो अपने पीछे एक पत्नी को छोड़ता है, उसकी कोई—कोई संतान नहीं है, कि उसका भाई उस पत्नी को ले और अपने मरे हुए के लिए बच्चों को उत्पन्न करे।" और कहा, "हमारे पास एक मनुष्य था जिसके सात भाई थे। और पहले वाले ने एक पत्नी को लिया, और वह मर गया, बिना किसी संतान के। और उसके बाद उसके भाई ने उसे लिया, और फिर वह मर गया; और आगे सातवें तक ऐसा हुआ। और अंत में वह स्त्री मर गई।" कहा, "अब, पुनरुत्थान में," कहा, "अब, उन सातों में से वह किसकी पत्नी होगी? "

44 ओह, मैं उस वचन को पसंद करता हूं! यीशु ने कहा, "तुम हमेशा ही गलती करते हो, ना ही वचनों को जानते हो और ना ही परमेश्वर की सामर्थ को।" ओह, यदि वह आज यहाँ खड़ा होता तो इसे किस तरह से ज़ोर–जोर से कहता! "तुम हमेशा गलती करते हो, ना ही वचनों को जानते हो और ना ही परमेश्वर की सामर्थ को।" परमेश्वर की सामर्थ वचन में जुड़ी हुई है। "तुम बहुत बड़ी गलती को करते हो।"

तब उसने आगे कहा, "पुनरुत्थान में वे न तो विवाह करते हैं और न ही विवाहित होते हैं, लेकिन वे दूतों के समान होते हैं।" उसने यह नहीं कहा कि वे अब दूत होंगे, लेकिन वे दूतों के समान होंगे, उनमें यौन ग्रंथियां नहीं होंगी। वे विवाह नहीं करते हैं ना ही विवाह में दिए जायेंगे।

45 हम नैतिकता के दिन में रह रहे हैं, मतलब, मरणहार, मरणहार राज्य के दिनों में रह रहे है। लेकिन एक दिन आ रहा है जब वहां पर एक अमरहार राज्य आने वाला है, और वो अमरहार राज्य वही है जहां छुड़ाए हुए लोग रहेंगे। वे लोग जिन्हें छुड़ाया गया है, और... वो जीवन जो इस देह को छोड़ता है, ताकि परमेश्वर के पास वापस जाये जो इसे देता है, किसी दिन फिर से जीवन के पेड़ से वापस आ जाएगा, ताकि हमेशा के लिए राज्य करे।

46 कैसे इस युवा पुरुष ने, युवा भविष्यव्यक्ता ने बलिदान किया और अपने सारे जीवन को अपने लोगों के लिए एक चिन्ह होने के लिए दे दिया, उस दंड की चेतावनी के लिए जो उन्हें मिलने वाला था, क्योंकि वे वही थे जिन्हें हम "लापरवाह" कहते है। वे परमेश्वर के साथ कुछ भी लेना–देना नहीं रखना चाहते थे। उन्होंने उन भविष्यद्वक्ताओं का विश्वास नहीं किया, और उन्होंने बस उनका मजाक उड़ाया। और, लेकिन, इसके अलावा, और

इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वे इस पर कितना भी विश्वास करना नहीं करना चाहे, परमेश्वर ने देखा कि उन्हें ये किसी भी तरह मिल गया है।

47 ईजेबेल यह स्वीकार नहीं करना चाहती थी कि आहाब उसका पास्टर है, लेकिन वह था। परमेश्वर ने देखा कि जो भी हो उसे चिन्ह मिल गया था।

आज यह राष्ट्र भी ऐसा ही है। परमेश्वर, न्यायी और सच्चा है, इसलिए वह अपने वचन के अनुसार कोई भी आगे की घटना को नही होने दे सकता, एक चिन्ह को दिए बगैर। उसके पास हमेशा से ये रहा है। अब, हमें इसके लिए देखना होगा। और मुझे पक्का है कि वे लोग जिनके पास वचन की अच्छी समझ है, वे जानते हैं कि कैसे देखना है।

48 नूह अपने दिनों में लोगों के लिए, आने वाले न्याय का एक चिन्ह था। नूह अपने दिनों में एक कट्टरपंथी माना जाता था। वो एक भविष्यव्यक्ता था। उसे ऐसा व्यक्ति माना जाता था जिसके पास सही दिमाग नहीं है। और वह व्यक्ति वर्ष–दर–वर्ष हथौड़े को मारता रहा, एक जहाज को बनाता रहा, जब धरती पर यहाँ तक पानी भी नहीं है, सिवाय उसके जो झरनों में था। और उसने कुछ तो भविष्यवाणी की जो कि संसारिक दिमाग के लिए हास्यास्पद थी। उसने कहा, “वहां ऊपर आकाश से पानी आने वाला है।”

49 इसमें कोई संदेह नहीं, कि बहुत से लोगों ने उससे कहा होगा, “मुझे दिखाओ कि यह कहाँ पर है।” विज्ञान ने कहा होगा, “मैं साबित कर सकता हूं कि वहां पर कोई पानी नहीं है।”

लेकिन, फिर भी, यदि परमेश्वर ने उसे बताया कि यह आकाश से आ रहा है, तो परमेश्वर इसे देख लेगा कि उसका वचन पूरा हो।

50 और जब कि वहां पर अब भी जल दिखाई नहीं दे रहा था, जबकि वहां आकाश में कभी भी बादल नहीं हुए थे, कभी एक बूंद भी बारिश नहीं हुई थी, वहां बारिश जैसी कोई चीज कभी नहीं थी, फिर भी, नूह हर समय बारिश के लिए एक जहाज को तैयार कर रहा था। यह एक जीवित प्रमाण था कि इस भविष्यवक्ता ने विश्वास किया कि वह किस विषय में बात कर रहा था, क्योंकि वह इसके लिए तैयारी कर रहा था।

51 और कोई भी व्यक्ति जो वास्तव में विश्वास करता है कि आप किस बारे में बात कर रहे हैं, आप इसके लिए तैयार हो जाएंगे।

52 क्या मैं ठीक यहां पर एक मिनट रुक सकता हूं। "नूह के दिन में," जैसा यीशु ने कहा, "ऐसा ही मनुष्य के पुत्र के आने पर होगा।" यदि आज कलीसियाये विश्वास करती है कि वे किस विषय में बात कर रहे हैं, वे जो कहते हैं तो उसे क्रिया में भी लायेंगे।

53 हम विशाल भवन और स्मारक कैसे बना सकते हैं, भवनों पर लाखों डॉलर कैसे खर्च कर सकते हैं बड़े–बड़े संगठन कैसे फैला सकते हैं, और इस तरह चीजें, और साथ ही यह भी प्रचार करे कि मसीह किसी भी समय आने वाले हैं? हम कैसे जारी रख सकते हैं, हमारे सभा के लोगों की ओर देखें और उन्हें परमेश्वर की सामर्थ से अलग होते हुए देखें और सांसारिक बातों में जाते है, और इसे कलीसिया के अंदर लेकर आते हैं और इसे एक साथ मिला देते हैं, और हम इसकी अनुमति देते हैं? लोकप्रियता के कारण, और लोकप्रिय विचारों और सांप्रदायिक मतभेदों के कारण, अगले संगठन से आगे निकलने की कोशिश करते हैं, जो हम प्रचार करते हैं हम कैसे क्रिया में ला सकते हैं? और संसार इसे देखता है, वे यह जानते हैं, इतना तक धर्म एक ऐसी चीज बन जाती है, जैसे कि ये केवल किसी नियम से संबंध रखता है, या किसी चीज के समाज से संबंधित है। धर्म...

54 मसीह का उद्धार करना एक समाज नहीं है। यह किसी चीज से जुड़ना नहीं है। यह तो एक जीवित अनुभव है।

55 अब, नूह वो उत्पन्न कर रहा था जिसके बारे में वह बात कर रहा था। उसने कहा, "वहां इस अधर्मी पीढ़ी के ऊपर न्याय की एक बाढ़ आने वाली है। और परमेश्वर आकाश से बारिश को उंडेलेगा, और वह सारी धरती पर बाढ़ को लाएगा।" और न केवल वह ऐसा कर रहा था, लेकिन वह बचने के लिए एक मार्ग को बना रहा था और लोगों को इस पर आने के लिए कह रहा था। लेकिन उन्होंने उसकी एक न सुनी।

56 लेकिन, नूह, एक भविष्यव्यक्ता के रूप में, उस पीढ़ी के लिए एक चिन्ह था, एक चिन्ह जिसके विषय में बुरा बोला गया था, एक मनुष्य जिसे एक पागल व्यक्ति समझा गया था; कुछ तो तैयार कर रहा था, जिसका कि वहां—वहां कहीं भी कोई प्रमाण नहीं था, या कभी भी ऐसा नहीं हुआ था, कि इसके लिए कभी उपयोग हुआ हो।

लेकिन आज इसी तरह से लोग सोचते हुए दिखाई देते हैं। वे बम से एक बाहरी बचाव के आश्रय के बारे में सोच सकते हैं। आपके लिए एक बाहरी

बचाव आश्रय क्या भला करेगा, जब कि धरती पर एक पेड़ या पत्थर भी नहीं बचेगा?

57 हमारे पास एक बचाव का आश्रय है, जो मसीही लोगों के पास है। जैसा कि मैंने कहा, कुछ रविवार पहले, या रास्ते में आते हुए कहीं तो सोचा था, "यह कोई *बाहरी बचाव* का आश्रय नहीं है, यह तो एक *भीतरी बचाव* का आश्रय है, जहां हम इसमें भीतर जाते हैं, तेजी से, अपने पूरे ह्रदय से, और अपने पूरे प्राण से, और अपने पूरे मन से, मसीह में, परमेश्वर का सुरक्षा का जहाज।"

58 लेकिन, नूह, उस दिन में एक सनकी माना गया, मूर्खता का प्रचार करते हुए, और लोगों के सामने एक चिन्ह को दिखाते हुए, उन्हें चेतावनी देते हुए, संसार को दोषी ठहराया। "एक जहाज को बनाते हुए संसार को दोषी ठहराया," जब उसके तैरने के लिए वहां पानी नहीं था। "उसने संसार को दोषी ठहराया," बाईबल ने कहा, इब्रानियों, 11वें अध्याय में। "उसने संसार को दोषी ठहराया और अपने खुद के घराने को बचाया, तैयारी करने के द्वारा," और उस दिन के आने वाले न्याय का, परमेश्वर का एक चिन्ह बना। क्या ही महिमामय बात है!

59 बाद के वर्षों में, एक और चिन्ह आया। यह मूसा था, एक भविष्यव्यक्ता। यह इस्राएल के लिए परमेश्वर का चिन्ह था। वे चार सौ वर्ष की गुलामी में थे। और परमेश्वर ने उनके छुटकारे से ठीक पहले उनके लिए एक चिन्ह को तैयार किया था। और वो इस्राएल के लिए छुटकारे का चिन्ह था, और मिस्र के लिए न्याय का चिन्ह था।

60 नूह अपने लोगों के लिए छुटकारे का चिन्ह था, और नाश हुए संसार अर्थात अविश्वासियों के लिए न्याय का एक चिन्ह था। वही जल जिसने संसार को दबा दिया और संसार को डुबा दिया, वही नूह को बचाने का एकमात्र साधन था। केवल एक चीज जो उसे बचा सकती थी वो था न्याय।

केवल एक चीज जो आज कलीसिया को बचाएगी, वो है न्याय, परमेश्वर न्याय को मापदंड में रखता है।

लेकिन नूह ने भी यही प्रचार किया। वह एक चिन्ह बन गया।

61 और अब इस्राएल, चार सौ वर्षों के बाद, वे छुटकारे के लिए दोहाई देने लगे। और परमेश्वर तब तक स्वयं को प्रकट नहीं करता और न ही स्वयं

को दिखाता है जब तक कि उसके लोग उसे लेने के लिए तैयार नहीं हो जाते जो वो दिखाता है।

62 अब, ओह, ठीक वहां क्या कहा जा सकता है, यदि ऐसा था, तो किस तरह से परमेश्वर ने इस राष्ट्र को उघाड़ा छोड़ दिया है! वे बेहतर जानते हैं। अखबारों ने इसे यहाँ से, और वहां से हर कहीं से प्रकाशित किया है। उसके आगमन के चिन्ह दिए गए है। और वे निरंतर आगे बढ़ते रहते हैं जैसे वे इसे अनदेखा करते हैं। वे बिना किसी बहाने के हैं। हम अंत समय में हैं।

63 परमेश्वर केवल अपने भविष्यद्वक्ताओं को भेजता है, जब लोग किसी भविष्यद्वक्ता को चाहते हैं। परमेश्वर अपना चिन्ह तब भेजता है जब लोग चिन्ह के लिए तैयार होते हैं। लेकिन, बात ऐसी है कि, लोग शायद ही कभी... वे एक ऐसे स्थान पर पहुंच जाते हैं जहां वे भावनाओं को चाहते हैं, या वे कुछ ऐसा चाहते हैं, "हमें स्वर्ग से एक चिन्ह दिखा।" लेकिन जब परमेश्वर एक चिन्ह को भेजता है, तो वे इसे देखना नहीं चाहते हैं। "इसलिए यह ज्ञानियों और बुद्धिमानों की आंखों से छिपा कर रखता है, ताकि उन बालकों पर प्रकट करें जो सीखेंगे।" वे इस चिन्ह को अनदेखा करते हैं।

64 इस्राएल को किस तरह से जानना चाहिए था, जब उस सही बालक का जन्म हुआ था, जब उन्होंने वहां ऊपर की ओर देखा और देखा कि वे—वे जिस वर्ष के समय में रह रहे थे, "तेरे लोग चार सौ वर्षो तक पराये देश में परदेसी होकर रहेंगे, लेकिन उसके बाद मैं उन्हें बाहर निकाल लाऊंगा।" उन्हें जानना चाहिए था कि समय निकट है, और जब उन्होंने उस सही बालक को जन्म लेते देखा। यहां तक कि माता और पिता, अम्राम और योकेबेद भी, वे राजा की उन आज्ञाओं से नहीं डरे थे, और उन्होंने उस बालक को नदी में डाल दिया जहाँ पर मगरमच्छ थे; उनमें से कोई भी उसे खा ना सका। उन्होंने देखा कि वहां एक चिन्ह था, लेकिन उन्होंने इसे अनदेखा कर दिया। वे इसके लिए तैयार नहीं थे।

परमेश्वर ने उसे सीधा अंदर लाकर और उसे फिरौन के महल में रख दिया, और फिरौन को उसे पालने-पोसने दिया और उसने उसे सारी वो शिक्षा दी जो उसे मिल सकती थी, ताकि यह दिखाये कि (परमेश्वर) किस तरह से वो काम करता है, और फिर उसे रेगिस्तान के पीछे ले गया, उसे इसके विषय में सब कुछ भूलने को लगाया।

65 उस समय फिरौन उसे प्रशिक्षित कर रहा था। अब परमेश्वर उसे प्रशिक्षित कर रहा था। फिरौन के पास उसे प्रशिक्षित करने के लिए चालीस वर्ष थे, तब परमेश्वर ने उसे प्रशिक्षित करने के लिए चालीस वर्ष लगाए, उसे इसके बारे में सब कुछ भूल जाने दिया। मनुष्य का प्रशिक्षण; और परमेश्वर का प्रशिक्षण।

फिरौन एक पुत्र को एक अगुवा होने के लिए, एक राजनयिक, एक योद्धा, एक योद्धा के लिए प्रशिक्षित कर रहा था, एक और फिरौन आने वाला था जो मिस्र को उसके ऊंचे स्थानों पर रखेगा, अन्य सभी राष्ट्रों को नीचे गिराने के लिए और उन्हें फिरौन का सम्मान करने को लगायेगा। लेकिन परमेश्वर ने उसे रेगिस्तान के पीछे ले जाकर, उसमें से सब कुछ निकाल दिया। और उसे पांच मिनट के समय में, एक जलती हुई झाड़ी के पास उसे दिखाया, कि वह एक जीवित परमेश्वर है। और उस में से सारा डर निकाल दिया; उसे तैयार कर दिया। वो एक चिन्ह था।

66 परमेश्वर चाहता है कि उसके लोग प्रार्थना करें। और जब इस्राएल पर ऐसी स्थिति में इतना टैक्स लगाया गया, कि वे आगे नहीं जा सके, उनका समय पूरा हो गया था, और उनका बोझ जो उन्होंने सोचा उससे भी कहीं अधिक बढ़ गया था, तब उन्होंने प्रार्थना करना आरंभ किया। और जब लोगों ने प्रार्थना करना आरंभ किया, तब परमेश्वर ने सुनना आरंभ किया। यह परमेश्वर के वचन के पूरा होने का समय आ गया था।

67 और इसलिए, जब अम्राम और योकेबेद ने देखा कि वचन के पूरा होने का समय आ गया है, तो वे परमेश्वर के पास प्रार्थना करने चले गए। और यह अक्सर वे ही लोग होते हैं जो प्रार्थना करते हैं, जिनके पास बोझ होता हैं, वही लोग कुछ तो पाते हैं। यहो वही लोग हैं जो प्रार्थना करते हैं, जो ऐसा करने के लिए परमेश्वर के द्वारा ठहराये गये है।

68 आज सुबह हम नाश्ते की मेज पर बात कर रहे थे जब हम कलीसिया जाने के लिए, जल्दी–जल्दी कुछ टोस्ट और इत्यादि खा रहे थे। वहां किसी एक व्यक्ति के बारे में कुछ कहा गया था, जो यहां से दूर था, जो कैंसर से ठीक होने के बाद वह फिर से सिगरेट पीने लगा था। मैंने कहा, "क्या ही दयनीय बात है।"

69 तो फिर एक ने कहा और कहा, "सिगरेट पीना, यही है, जो सबसे भयानक चीज है, इससे दूर रहना चाहिए।"

70 मैंने कहा, "मैं यह जानता हूं। क्योंकि, यह एक शैतान है।" और मैंने कहा, "यह—यह एक शैतान है।" और मैंने कहा, "और आप इसे तब तक बंद कर सकते जब तक परमेश्वर की सामर्थ आप पर न हो।"

मैं अपने आरंभिक जीवन में दो लोगों को जानता हूं, वे दोनों परमेश्वर के लोग बनना चाहते थे।

उनमें से एक को, जैसे ही मैंने उसे मसीह की ओर अगुवाही की, उसने सिगरेट पीना आरंभ कर दिया। वह एक दिन में पांच या छह पैकेट सिगरेट पीता था, बस बैठकर और दिन भर बस एक को बाद दूसरी सिगरेट जलाता रहता था। और उसने दूसरी सिगरेट जलाने की कोशिश की, और किसी चीज ने उसे ऐसा करने नहीं दिया। वह चूल्हे के पास चला गया, यह नहीं जानते हुए कि वचन इन चीजों को दोषी ठहराता है, और चूल्हे को जलाकर और पैकेट को चूल्हे में डाल दिया। और इससे बात वहीं समाप्त हो गई।

71 जहां, एक और व्यक्ति जो एक मसीही बनना चाहता था, और उसने अपनी तरफ से पूरी कोशिश की। उसने प्रभु को पुकारा। उसने उन्हें दो या तीन सप्ताह के लिए छोड़ दिया। और वह होश में आया, उस हालत में वह मानसिक रूप से असंतुलित हो गया। और वह होश में आया, और अपने आप को पीछे के आंगन में पाया, वह एक टिन के टुकड़े को पीट रहा था, मानसिक रूप से असंतुलित हो गया। घर की ओर भागा, तुरंत ही, और अपनी सिगरेट को पकड़ा, और उस शाम को घर से निकलने से पहले उसने एक पैकेट सिगरेट पी लिया, बस एक के बाद एक। समझे?

72 एक को बुलाया गया था। "कोई भी मनुष्य मेरे पास नहीं आ सकता जब तक मेरा पिता उसे ना खींच ले, और वे सब जो पिता ने मुझे दिए हैं, वह मेरे पास आएंगे।" चेतावनी का क्या अर्थ था? यह एक के लिए जीवन था। उसने इसे देखा। आप इसे नहीं देख सकते जब तक परमेश्वर इसे प्रकट नहीं करता। "यह ज्ञानी और बुद्धिमान आँखों से छिपा हुआ है, और ऐसे बालकों पर प्रगट किया गया है जो कि सीखेंगे।" यह सही है।

73 अम्राम और योकेबेद जानते थे कि समय आ गया है। घड़ी बहुत ही निकट थी।

74 और मैं इस विषय पर बोलते हुए यह कहना चाहता हूं। "यह न तो उसके लिए जो इच्छा करता है, या न ही जो दौड़ता है; यह तो परमेश्वर है जो दया को दिखाता है।" यह सही है। यह परमेश्वर है।

75 इसलिए, आज... ओह, इस बात को गहराई में जाने दे! यदि, आज, परमेश्वर ने आपको बुलाया है, और आपने स्वयं को संसार की चीजों से अलग कर लिया है, और परमेश्वर की महिमामय सामर्थ ने आपको उन चीजों से पवित्र किया है, तो आपको वहां संसार में सबसे खुशहाल व्यक्ति होना चाहिए। वहां लाखों लोग थे जो इसे करना चाहते, यदि वे कर सकते थे, लेकिन वे नहीं कर सकते। यह उनके लिए नही है कि इसे करे। यह वो दिन है जब कलीसिया को बुलाया गया है, अलग किया गया है। यह पहले से भिन्न है, जो यह हुआ करती थी। जी हां।

76 जब लोगों ने प्रार्थना करना आरंभ किया, जब इस्राएल ने भविष्यव्यक्ता के लिए प्रार्थना करना आरंभ किया, परमेश्वर के पास भविष्यव्यक्ता था। परमेश्वर के पास हर समय भविष्यव्यक्ता था, क्योंकि परमेश्वर हमेशा ही उनसे एक कदम आगे रहता है। उसके पास वो मनुष्य तैयार था, लेकिन वह प्रतीक्षा कर रहा था कि लोग प्रार्थना में जाए, लोगों के इसे चाहने के लिए वो रुका हुआ था।

77 मैं कहूँगा कि आज भी स्थिति बिल्कुल ऐसी ही है। आज जिसकी हमें आवश्यकता है, वह एक बेदारी करने वाले की नहीं है, किसी बड़े संगठन के एक और व्यक्ति की नहीं है, जो सारे झुण्ड को एक साथ संगठित करता है। आज हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वह है परमेश्वर की ओर से भेजा गया एक भविष्यव्यक्ता, एक ऐसे संदेश के साथ हो जो संसार को दोषी ठहराए। परमेश्वर के पास मनुष्य हो सकता है, यदि बस लोग इसके लिए तैयार है। आप समझ रहे हैं कि मैं क्या कह रहा हूं। हो सकता है, उसे संसार में कहीं न कहीं वो मनुष्य मिल गया है, लेकिन लोगों के पास उसकी चाहत होनी चाहिए। परमेश्वर बस उन चीजों को आपके गले से नहीं उतारता है। आपके पास उसकी चाहत होनी चाहिए। "धन्य हैं वे जो धार्मिकता के भूखे और प्यासे हैं, क्योंकि वे तृप्त किए जाएंगे।" यह सही है।

78 मूसा को पहचान लिए जाने के बाद... मेरा मतलब, जब लोगों ने जान लिया, कि उन्हें एक अगुवाई करने वाले की जरूरत है तो उन्होंने प्रार्थना करना शुरू कर दिया। वे परमेश्वर से प्रार्थना करने लगे कि उनके लिए एक अगुवे को भेजे, या कोई तो व्यक्ति उन्हें बाहर निकाल सके। और उसने उनके पास एक व्यक्ति को भेजा, एक भविष्यव्यक्ता। यह उसका चिन्ह था। अब, यदि यह व्यक्ति भविष्यव्यक्ता नहीं था, यदि वह उठ खड़ा होता,

कहता, "मैं एक प्रतिभाशाली सैनिक हूं," इस्राएल के पास अधिकार था कि उस मनुष्य का अविश्वास करे। क्योंकि, परमेश्वर, हर समय, बिना चूके, एक भविष्यव्यक्ता को भेजता है। बाईबल में ऐसा कोई समय बताये जब ऐसा न हुआ हो। वह हमेशा एक भविष्यव्यक्ता को **यहोवा यों कहता है** के साथ भेजता है।

79 यहां तक कि दाऊद, स्वयं, जो इस्राएल का अब तक सबसे महान सैन्य प्रतिभाशाली था, और, तो भी, दाऊद एक भविष्यव्यक्ता था। निश्चय ही, वो था। वह भविष्यव्यक्ता था, दाऊद।

80 वह इस बात की प्रतीक्षा कर रहा था कि लोगों के ह्रदय में इच्छा हो कि इस भविष्यव्यक्ता को सुने जिसे वह भेजने जा रहा था।

निश्चय ही, वहां एक झुंड था जिसने कहा कि उन्होंने किया, लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया। यह बाद में साबित हुआ कि वे सही नहीं थे। वे सब बस भावनाओ में बह गए थे। और बाईबल ने कहा, "उनके साथ एक मिली–जुली भीड़ गई।" इससे क्या हुआ? वहां जंगल में मुसीबत सामने आ गयी। और हर बार, यह घटना घटित होती है। ओह, काश मैं इस बात को अच्छी तरह से आपके अंदर डाल पाता। हर बार जब परमेश्वर कुछ तो भेजता है, तो वहां उसके साथ उसकी कोई अशिष्ट और शरीरिक नकल भी साथ आती है। हर बार, हमेशा ही कुछ न कुछ होता है, इसमें से नकली या दिखावटी बन जाता है; जिसे लोग आसानी से स्वीकार कर लेते हैं।

लेकिन परमेश्वर का एक सच्चा भविष्यव्यक्ता **यहोवा यों कहता है** के साथ बना रहता है। वह उस वचन से कभी नहीं हटेगा यदि वह परमेश्वर द्वारा भेजा गया है।

81 मूसा ठीक वचन पर बना रहा। परमेश्वर ने कहा, "मैं उन्हें बाहर लाऊंगा।" उसने मूसा से कहा, "मैंने तुम्हें उस काम को करने के लिए भेजा है।" और मूसा के पास एक अनुभव था। उसकी परमेश्वर से भेंट की थी। उसके पास प्रभु का वचन था।

82 परमेश्वर भविष्यव्यक्ताओं को इसलिए भेजता है क्योंकि उनके पास प्रभु का वचन होता है। प्रभु का वचन भविष्यव्यक्ताओं के पास आता है। और यदि उसके पास प्रभु का वचन नहीं है, तो वह भविष्यव्यक्ता नहीं है।

83 युगों–युगों में से होते हुए, वहां बहुत सी शारीरिक नकल हुई है यह कहने की कोशिश करते है कि वे भविष्यव्यक्ता है, लेकिन वे हमेशा ही प्रभु

के वचन से दूर होते हैं। लेकिन एक सच्चा भविष्यव्यक्ता ठीक वचन पर बना रहता है। अब, उस प्रमाण को मत भूलना। एक सच्चा भविष्यवक्ता **यहोवा यों कहता है** के साथ बना रहता है।

84 यीशु ने हमें चेतावनी दी कि अंतिम दिनों में क्या होगा। लेकिन एक—एक सच्चा सेवक, सच्चा भविष्यव्यक्ता, **यहोवा यों कहता है** के साथ बने रहने में कभी भी चूक नहीं करता।

85 मूसा प्रभु के साथ रहा। वो एक चिन्ह था। वह इस्राएल के लिए एक चिन्ह था कि उनके छुटकारे का दिन निकट है, और वह मिस्र के लिए एक चिन्ह था, कि उनके अन्त का दिन निकट था। क्योंकि, बाद में, फिरौन की सारी सेना वे वहां मृत सागर में डूब गये। वे अपनी सैन्य शक्ति के अंतिम चरण में थे, और एक भविष्यव्यक्ता एक राष्ट्रीय अंत का चिन्ह था।

86 इस पर सोचे, परमेश्वर कितना महान है, और वह कितनी साधारणता में काम करता है। निश्चय ही, यदि अशिक्षित इसे समझ सकते हैं, तो शिक्षित को भी समझना चाहिए। आमीन। यदि मिस्र के कीचड़ से भरे गड्ढों में वे गुलाम इस बात को समझ सकते है कि वो परमेश्वर की ओर से एक भविष्यव्यक्ता था, और वह समय निकट आ गया है, तो फिरौन के महल को यह बात और कितनी अधिक समझनी चाहिए थी? लेकिन इसी प्रकार के लोग होते है जो इसे नहीं जानते है, इसी प्रकार के लोग होते है जो इससे हमेशा ही चूक जाते है।

87 जब मूसा खड़े होकर, उन खिड़कियों में से देख रहा था, उन इस्राएली बच्चों को जो वहां से गुजर रहे थे, इस्राएल के लिए... फिरौन के लिए, वे गुलाम और कुत्ते थे, मूसा के लिए, वे परमेश्वर के चुने हुए लोग थे। बाईबल ने कहा, कि, "मूसा ने चुना," अपना खुद का चुनाव किया, "कि मसीह की निंदा को सहन करे, उसने इसे पाप के सुख–विलास से बढ़कर धन समझा, क्योंकि उसकी दृष्टि उस प्रतिफल पर लगी हुई थी जो उसे मिलने वाला था।" मूसा जानता था कि वे कीचड़ में सने हुए तुच्छ लोग नहीं थे; वे प्रतिज्ञा पाए हुए लोग थे।

88 वह स्वयं जानता था कि वह कौन था। वह उन्हें नहीं बता सकता था। उन लोगों को खुद ही इसे पहचानना होगा। वह स्वयं जानता था कि उसका काम क्या था, जो कि—कि उसे करना है। वह जानता था कि परमेश्वर ने उसे इसी उद्देश्य के लिए बड़ा किया था, लेकिन वह उन्हें नहीं बता सकता

था। और जब तक वे इसके प्रति अंधे थे, उसने कभी भी स्वयं को खुले तौर पर प्रकट नहीं किया, जब तक वे इसे पहचान नहीं लेते। तब, उन्होंने उस चिन्ह को देखा, और वे इसे जान गए।

89 उसने कहा, "मैं इस्राएल को एक चिन्ह दूंगा। इस छड़ी को ले; ये सांप में बदल जाएगी। वे इसे नहीं सुनेंगे, फिर अपना हाथ अपनी छाती में डालना, इसे बाहर निकालना, अपने आप को कोढ़ से चंगा करना, तब वे इसका विश्वास करेंगे। और फिर, यदि वे इसे नहीं सुनेंगे, तो वहां नीचे नील नदी में से पानी को लेना, इसे सूखी भूमि पर उंडेल देना, और सारा पानी लहू बन जाएगा।" यह एक राष्ट्रीय चिन्ह था। लोग इस पर विश्वास करेंगे। जब, वे लोग जो इसे स्वीकार करने के लिए तैयार हैं वे इसका विश्वास करेंगे, जब वे परमेश्वर के चिन्ह को आगे बढ़ते हुए देखेंगे, लेकिन राष्ट्र को कुछ तो भिन्न करना होगा। इसलिए, उसने इन सबको एक चिन्ह दिया।

90 परमेश्वर ने एक व्यक्ति का उपयोग किया, एक नम्र व्यक्ति, एक भविष्यव्यक्ता, ताकि वहां पर उस राष्ट्रीय अवस्था के अंत का एक चिन्ह बने। परमेश्वर, हमारे लिये एक और भेजिये। हमारे लिए एक और को खड़ा करे। यदि परमेश्वर के लोग ऐसे किसी के लिए प्रार्थना करेंगे, तो वह उसे खड़ा करेगा। यही है, लोगों को इस बोझ को लेना होगा। उन्हें जागना होगा। उन्हें इसका एहसास होना है। उन्हें यह जानना होगा कि हम किस दिन में रह रहे हैं, और हमारे आस–पास क्या परिस्थिति है, इससे पहले कि वे कभी जागे।

अन्यथा आप ठीक वैसे ही जीवन जीते रहोगे जैसे आपने हमेशा ही जीया है। "इस वर्ष एक नया घर बनाना है। मुझे जोन्सस की तुलना में एक बेहतर कार लेनी है। मुझे *यह* करना है।" ओह, *इस* पर बहुत जोर दिया जाता है! जब आपको एहसास होगा, कोई मतलब नहीं... यह सब ठीक है। लेकिन आपको अवश्य ही एहसास होना चाहिए, भाई, कि यह सारी चीजें नष्ट हो जायेंगी।

यीशु ने कहा, "उससे मत डरो जो शरीर को मार सकता है," रूस का परमाणु बम। उससे मत डरो जो इस शरीर को कुछ ही मिनटों में ज्वालामुखी की राख में बदल सकता है, "लेकिन उससे डरो जो शरीर को उस ओर घुमाकर और प्राण को नरक में डाल सकता है।" ऐसा ही है।

91 जब मैं अस्पताल में एक डॉक्टर से बात कर रहा था, जब मेरी मां

भी वहां पर थी, वह इस बारे में बात कर रहा था कि शरीर के विभिन्न बिमारियों पर काम करने के लिए विज्ञान कितना महान है, और उसमें दवा को डालते है, और देखते है कि यह किसी रोगाणु को क्यों मारेगा तथा जीवन के जीवाणु की कैसे रक्षा करेगा। मैंने कहा, "यह तो अद्भुत है। यह बस बहुत ही बढ़िया बात है।" मैंने उसे कुछ देर के लिए सुना। लेकिन मैंने कहा, "डॉक्टर, यह बहुत अच्छी बात है। मैं इसकी सराहना करता हूं। यह बहुत अच्छा है। मैं—मैं निश्चित रूप से इसके लिए परमेश्वर का धन्यवादित हूं। लेकिन, देखो, आप अपना सारा जीवन सृष्टि पर कुछ तो खोजने की कोशिश में बीता रहे हैं। लेकिन क्यों न कुछ समय के लिए इस विषय में सोचते है कि इसे किसने बनाया, किसने इसकी सृष्टी की, इसका रचने वाला कौन है? इसका रचने वाला परमेश्वर है।"

सृष्टिकर्ता उस सृष्टी से कितना बढ़कर है जिसे उसने बनाया है! हम उस सृष्टि के ऊपर इतना अधिक जोर क्यों डालते हैं, जब कि हम उस सृष्टिकर्ता के बारे में नहीं सोचते जिसने आकाश और धरती को बनाया, और शरीर और जीवन को बनाया? वह जब भी चाहे इसे नष्ट कर सकता है, क्योंकि यह उसका है।

92 इस मनुष्य की देह पर काम करना एक बहुत ही अद्भुत बात है। हम इसकी सराहना करते हैं। वे एक आंख को निकालकर एक व्यक्ति से दूसरे व्यक्ति में स्थानांतरित कर सकते हैं; उन छोटे−छोटे आँखों के तंतु को लेते है, और एक व्यक्ति के सॉकेट में से आंख को निकालकर और इसे दूसरे व्यक्ति के सॉकेट में डालते है, और वो व्यक्ति उस आंख से देख सकता है। यह एक अद्भुत बात है।

93 ऐसा समय हुआ करता था, यदि एक मां, जब वह एक बच्चे को जन्म देने जा रही होती थी, और वो—वो बालक जन्म नहीं ले पाता था, वो—वो इस प्रकार से बनी थी, कि बालक जन्म नही ले सकता है: तो मां और बालक, दोनों ही मर जाते। यह सही बात थी। लेकिन आपने शायद ही कभी इसके बारे में सुना होगा, यह बहुत अलग ही था, हो सकता है कभी नहीं सुना होगा। लेकिन आज वे उस मां को तब भी बचा सकते हैं, जब वह बच्चे के जन्म की स्थिति में पहुंच चुकी होती है। और यदि... यहां तक कि जब मां बिल्कुल प्रसव के समय के—के नजदीक होती है, वह... वे उस मां को एक कमरे में ले जाकर और उसे थोड़ी सी बेहोशी की दवा दे सकते हैं,

और बच्चे को सामान्य प्रसव के जरिए निकाल लेते हैं, और बच्चे को संभाल लेते हैं। हम इसकी सराहना करते हैं।

94 मुझे कोई एक ऐसी प्रणाली बताइए। आप कहीं बाहर इस शहर की जल आपूर्ति प्रणाली में कोई वाल्व या प्रवाह–नियंत्रक यंत्र को बंद कर दें और देखें कि मुख्य वाल्व या प्रवाह–नियंत्रक यंत्र पर क्या होता है। ये फट जाएगा।

लेकिन, फिर भी, हम एक पैर को काट सकते हैं, एक हाथ को काट सकते हैं, और, परमेश्वर के चमत्कार से, वह उस लहू को किसी और तरीके से एक सेकंड के समय में, इसके रास्ते को घुमा देगा, और इसे किसी अन्य दिशा से भेज देता है ताकि उस व्यक्ति का जीवन बच जाये। ऐसा कौन कर सकता है? मुझे बताओ।

95 आप किसी पानी की पाइपलाइन की मुख्य लाइन को यहाँ कहीं से रोक दें, जब यह किसी वाल्व से पंप होकर पानी को खींचा जा रहा होता है, तो यह क्या करेगा? एक बार इसे करने की कोशिश करके देखें और देखे क्या होता है। पानी को दूसरे रास्ते से जाने के लिए कोई और रास्ता नहीं है। ये दबाव में वापस जाकर मुख्य जल प्रवाह–नियंत्रक यंत्र को फाड़ देगा।

यदि परमेश्वर इस लहू के लिए तुरंत कोई वैकल्पिक मार्ग न बनाए, तो हृदय तक एक क्षण के लिए भी लहू का रुक जाना आपके मृत्यु का कारण बन जाएगा। हर बार जब आपकी अपनी उंगली को काटा जाता, तो तुरंत ही मृत्यु हो जाती। हर बार जब आप कहीं से तो काटते, जिससे एक धमनी या कुछ तो खुल जाता, तो यह तुरंत ही मृत्यु हो जाती। अपनी उंगली को काटते, तो आप मर जाते। ऐसा ही है। यह सीधे फिर से आपके हृदय में वापस जाकर फाड़ देता। यह आपको मार डालता। लेकिन परमेश्वर...

96 अब, हम सोचते हैं कि यह अद्भुत है। हम सोचते हैं कि यह अद्भुत है। और हम किस तरह से विज्ञान की सराहना करे, वे उन धमनियों को बांध सकते हैं और उन्हें लहू बहने से रोक सकते हैं। यह सब ठीक है। लेकिन वह कौन था जिसने इसकी रूपरेखा तैयार की? समझे? हम सारी सृष्टि की ओर देखते हैं और इसके रचियता को भूल जाते हैं। समझे? हम स्वाभाविक चीजों की ओर देख रहे हैं, और उन—उन सारी आत्मिक चीज को भूल जाते हैं। यही है जो हम करते हैं।

97 अब, परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता, वे... उनके पास उसका वचन होता है। यही कारण है कि लोग उन पर विश्वास करते हैं।

यही कारण है कि परमेश्वर ने मूसा से कहा, उसने वहां पीछे उत्पत्ति में कहा, बहुत से स्थान, सभी जगह निर्गमन में, "यदि तुम्हारे बीच कोई ऐसा व्यक्ति आता है, जो आत्मिक है, या, भविष्यव्यक्ता... " "अब हम इन बातों को कैसे जानेंगे? " उसने कहा, "जब वह कुछ तो कहता है और यह बात घटित होती है, कुछ और भी कहता है, यह बात घटित होती है, तब इसका विश्वास करना।" देखा? यह एक चिन्ह है।

98 इसलिए वह अपना वचन देता है, ना ही अगुवों को, ना ही तानाशाहों को, लेकिन भविष्यव्यक्ताओं को। ख्रुश्चेव संसार के लिए कोई एक चिन्ह नहीं है। नहीं, श्रीमान। हिटलर संसार के लिए एक चिन्ह नहीं था। लेकिन कहीं न कहीं, किसी स्थान में, परमेश्वर के पास एक नम्र भविष्यव्यक्ता होता है जो उस घड़ी के लिए रुका होता है। वो एक चिन्ह है। वही वो चिन्ह है जो संसार को दोषी ठहराएगा और कलीसिया को बचाएगा। वो भविष्यव्यक्ता!

99 एलिय्याह अपने समय में एक चिन्ह था, भविष्यव्यक्ता एलिय्याह। उनके लिए...

वह एक सम–... वह परमेश्वर के वचन का एक चिन्ह था, मिस्र के लिए न्याय और इस्राएल के लिए छुटकारा, यदि वे उस पर विश्वास करना चाहते थे।

100 एलिय्याह के समय पाप से भरे दिन थे, जब सारा इस्राएल परमेश्वर से पीछे हट गया था, वे वापस पाप में चले गए थे। वे व्यवस्था को भूल गए थे। वे भूल गए थे कि परमेश्वर के द्वारा अगुवाई की गयी थी, और वो महान यहोवा जिसने लाल सागर को खोला था, और उन्हें मिस्र में से बाहर निकाला, और उनके बीच में मूसा के समान एक महान भविष्यव्यक्ता को भेजा। वे इसे भूल गए थे।

हम इसे भूल जाते हैं। आप मेथोडिस्ट जॉन वेस्ली को भूल जाते हैं। आप लूथरन मार्टिन लूथर को भूल जाते है। आप बैपटिस्ट जॉन स्मिथ को भूल जाते हैं। हम में से बहुत से चार्ल्स फिन्नी को भूल जाते हैं, जो उन सभी से सबसे महान था।

101 ऐसा कहा जाता है कि फिन्नी के द्वारा मत परिवर्तन हुए सत्तानबे प्रतिशत लोग टीके रहे। एक वर्ष में मूडी के पचहत्तर प्रतिशत लोग पिछड़ गए। और

वेस्ली का, पवित्रता का झुण्ड, यह निरंतर पिछड़ते जा रहा था। लेकिन फिन्नी के पास सत्तानबे प्रतिशत लोग थे। छोटा सा, नाटा, पतला, गंजे सिर वाला व्यक्ति पुलपीट पर चलकर जाता है और उस श्रोतागण की ओर देखता है, *इस* तरह से, और मनुष्य बेसुध हो जाते, क्योंकि वो एक दिन झाड़ियों में बना रहता जब तक पवित्र आत्मा ने उसे नियंत्रण में नहीं ले लेता। उसने ऐसा किया। वह अंत होने का एक चिन्ह था, लगभग दो सौ वर्ष पहले, उस महान बेदारी का जो वेस्ली और उनके पास थी, और न्याय आगे आ रहा था।

102 वो एक चिन्ह था, उस पाप से भरी पीढ़ी के लिए। और कैसे एलिय्याह वहां निडर और कठोर होकर अकेला खड़ा हो सकता था, उसके साथ कोई भी नहीं था, लेकिन वो परमेश्वर का चिन्ह था।

बाकी के सारे याजकगण आहाब के साथ आधुनिकता की ओर बढ़ गए थे। वो पीढ़ी आधुनिक बन गयी थी। लेकिन किस तरह से पुराना आहाब, या, पुराना आहाब, और उसकी सारी बड़ी प्रगति, और इसने सारी कलीसिया को कैथोली–... , मेरा मतलब, ना ही कैथोलिकवाद में लाया, लेकिन लगभग उसी चीज के अंदर लाया, अर्थात मूर्तिपूजा के अंदर। उन्हें एक ऐसे स्थान पर लाया था जहाँ वे अस्पष्ट विचारों वाले थे। कुछ लोग *इस* प्रकार से आराधना कर सकते है, और बस स्वतंत्रता, “आप जो चाहे कर सकते है।” और उस तरह की परिस्थिति में आ गया।

103 और किस तरह से वो एलिय्याह वहां खड़ा था, हिम्मत से, **यहोवा यों कहता है** वाले वचन के साथ। हे परमेश्वर, हमें भी इस तरह के मनुष्य दे। वह ईजेबेल को उसकी अवस्था के बारे में बताने से नहीं डरता था। वह आहाब से नहीं डरता था। वह भयभीत नहीं था कि उससे गलती हुई थी। वह हिम्मत के साथ खड़ा रहा, और चलकर आहाब के पास गया, और कहा, “यहां तक कि ओस की एक बूंद भी नहीं गिरेगी, जब तक मैं इसे ना बोलूं।” आमीन।

104 वो क्या था? उस पापी पीढ़ी के लिए एक चिन्ह। क्या इस्राएल ने इसे देखा? नहीं। वे उस पर हंसे, उसका मजाक उड़ाया।

उसने भविष्यवाणी की कि वहां एक सूखा पड़ेगा, कि वहां—वहां परेशानी उठ खड़ी होगी, भूख, भूखमरी होगी। और उसने हिम्मत से भविष्यवाणी की, **यहोवा यों कहता है** के साथ अकेले खड़े होकर। कहा,

"प्रभु, उन्होंने सभी सच्चे लोगों को मार डाला है। उन्होंने उन सभी को मार डाला है। केवल मैं ही एकमात्र बचा हूं, जो आपके वचन के साथ खड़ा हूं।" परेशानी किस विषय में थी? परमेश्वर का वचन। एलिय्याह वचन के साथ बने रहना चाहता था। वह एक सच्चा भविष्यव्यक्ता था।

105 दूसरे भविष्यव्यक्ताओ ने कहा था, "ओह, खैर, इससे कोई खास फर्क नहीं पड़ता। यहोवा परवाह नहीं करता, आप जानते हैं।"

यहोवा परवाह करता है। यह उसका वचन ही होना है। और एलिय्याह उस वचन पर हिम्मत से खड़ा रहा, **यहोवा यों कहता है** के साथ। एक दिन परमेश्वर ने उसे एक छोटा सा रहस्य दिया। उसने कहा, "मेरे पास सात हजार है, एलिय्याह, जिनका तू ही यहां पर गवाह हैं। उनके पास इतनी हिम्मत नहीं है कि खुलकर सामने आये और इसका दावा करें। वे यहाँ वहां झाड़ियों में छिपे बैठे हैं। लेकिन, फिर भी, उनके ह्रदय में, वे मेरे सेवक हैं। उन्होंने बालाम के सामने घुटने नहीं टेके। वे इसे करने से डरते हैं। लेकिन, मैं तुम्हे एक चिन्ह दे रहा हूं, और तुम स्वयं एक चिन्ह हो। वहाँ पर खड़े रहो, और मेरे वचन पर दृढ़ खड़े रहो। मैं तुम्हारा ख्याल रखूंगा। उन्हें एक चिन्ह दो।" हाल्लेलुय्या!

परमेश्वर, हमारे लिए कुछ इस तरह से भेजें, जो परमेश्वर के वचन का चिन्ह हो। और हर एक प्रतिज्ञा जिसकी परमेश्वर ने प्रतिज्ञा की है, उस व्यक्ति का समर्थन करे, क्योंकि वह एक चिन्ह है, एक भूला हुआ चिन्ह।

106 ओह, उन्होंने सोचा, क्योंकि आहाब एक महान राजा था और सभी राष्ट्र उससे डरते थे, यह काफी अच्छा था। लेकिन एलिय्याह वचन का एक चिन्ह था। यह एक सच्चा भविष्यव्यक्ता था, वचन का एक चिन्ह। इसलिए जब वो वचन का चिन्ह था, उन्होंने उस पर विश्वास नहीं किया। उनके लिए उसका कोई महत्व नहीं था।

107 वह विधवा के लिए एक चिन्ह था, जब परमेश्वर ने उसे कार्मेल पर्वत पर से दूर भेजा, वहां से... वहां करीत के नाले पर। जब उसे कौवों के द्वारा खिलाया गया, और नाला सूख गया था, तो उसे वहां भेजा गया था। वह इस विधवा के घर चला गया। एक प्रचारक के जाने के लिए क्या ही स्थान है! लेकिन वह वहां पर चला गया क्योंकि परमेश्वर ने उसे जाने के लिए कहा था।

लेकिन वह वहां पर गया, कहा, “मैंने उस स्त्री को तुम्हें खिलाने की आज्ञा दी है।”

108 स्त्री एक चिन्ह होना चाहिए था। एलिय्याह एक चिन्ह होना चाहिए था। जब, वह वहां पर थी, उसके पास इतना ही आटा था कि उसके लिए और उसके लड़के के लिए एक रोटी खाने को बना सके। इतना ही कुप्पी में... और कुप्पी में पर्याप्त तेल था, कि इसके साथ, थोड़ा सा आटा गुंध कर छोटी रोटी बना सके। उसने कहा, “मैं यहां दो लकड़ियों को बीन रही हूं।”

109 उस भयानक, गर्म, धूप वाली सुबह में, जब एक बूढ़े, रूखे चेहरे वाले व्यक्ति, जिसके सफेद बाल उसकी पीठ तक लटक रहे थे, वहां पर चलकर गया, और उसका गंजा सिर चमक रहा था, फाटक पर झुक कर, कहा, “मेरे लिए थोड़ा सा पानी लाना,” और कहा, “इसके अलावा, मेरे लिए अपने हाथ में एक रोटी का एक कौर ले आना, एक रोटी।”

110 उसने कहा, “मेरे पास पर्याप्त आटा नहीं है। मैं अब यहां पर हूं, दो लकड़ियों को उठा रही हूं, ताकि अपने बेटे के लिए एक छोटी सी रोटी बनाऊं। मेरे पास इतना ही आटा है कि उसके लिए और मेरे लिए एक बनाऊं। हम इसे खाएंगे और मर जाएंगे।”

111 उसने कहा, “डर मत, क्योंकि, **यहोवा यों कहता है**।” यही वो व्यक्ति है जिसकी हमें आवश्यकता है। ऐसा नहीं कहा कि, “अब, ऐसा हो *सकता* है, बहन। ऐसा *घटित* हो सकता है। मैं नहीं जानता।” नहीं, नहीं। एलिय्याह सकारात्मक था। “**यहोवा यों कहता है**। ना ही वह आटे का डब्बा खाली होगा, ना ही वह तेल की कुप्पी सूखेगी, जब तक कि परमेश्वर धरती पर वर्षा नही भेजता है।” आमीन। वहां आप है। यह चिन्ह उसके लिए काफी होना चाहिये था।

112 वह आज की कलीसिया का प्रतिनिधित्व करती है। एलिय्याह के कुछ समय तक उसके साथ रहने के बाद... उसका एक छोटा लड़का था। वह बीमार हो गया। उसकी हालत इतनी खराब थी कि उसमें सांस थम सी गई। वह मर गया। फिर उसने क्या किया? कलीसिया तो पहले ही उन चिन्हों को देख चुकी है। लेकिन, क्या, जैसे ही एक छोटी सी आपदा आती है, वह जल्दी ही इसके लिए कलीसिया को दोष देना चाहती है। वह एलिय्याह को दोष देना चाहती थी। उसने कहा, “हे परमेश्वर के जन, अब तू यहां आया है कि मेरे पापों को मुझे स्मरण कराये और मेरे पुत्र के जीवन लेने के

लिए यहां आए हो।”

113 एलिय्याह ने पुत्र को उठाया, उस अटारी में चला गया जहां वह सोता था, उसे अपने बिस्तर पर लिटा दिया, उस पर खुद को पसार कर, कहा, “प्रभु परमेश्वर!” हाल्लेलुय्या! “इस लड़के के प्राण को वापस भेज दो।” और बालक जाग उठा।

114 उसने उसे वापस नीचे उतार दिया। उस स्त्री ने बालक की ओर देखा, और फिर उसकी तरफ देखा, तब वह जान गई कि वहां कुछ तो है। उसने कहा, “इस से मुझे पता चल गया कि परमेश्वर का वचन तुम्हारे मुंह में है।” आमीन। वह उस विधवा के लिए एक चिन्ह था। जब उसने परमेश्वर की सामर्थ को देखा, जो जीवित करता है या मार सकता है, उसके मरे हुए बालक को जीवित कर सकता है, तो उसने कहा, “इसी बात से मैं जानती हूं कि तुम परमेश्वर के जन हो।” वो यह जानती थी।

राष्ट्र आज इस पर हंसेंगे, जैसे उन्होंने तब किया था। वे इसका विश्वास नहीं करेंगे। लेकिन वह स्त्री अलग ही जानती थी। उस समय यह एक चिन्ह था, जैसा कि वह एक चिन्ह था, कि उस स्त्री के मरे हुए पुत्र को वापस जीवित करे। ये भविष्यव्यक्ता हमेशा परमेश्वर के चिन्ह होते हैं।

115 जब एलिय्याह ने एक निर्णायक मुकाबले के लिए बुलाया, तो कहा, “यदि परमेश्वर, परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करें। यदि बाल परमेश्वर है, तो उसकी सेवा करे।”

क्या यह एलिय्याह के लिए आज एक अद्भुत दिन नहीं हो सकता है? यदि राजनीति ईश्वर है, तो इसकी सेवा करे। राजनीति में हमारे पास क्या है? हमने क्या किया है? हमें भ्रष्टाचार के ढेर के अलावा कुछ नहीं मिला है। हमें कुछ भी नहीं मिला है।

लेकिन हमने सभी, लगभग सभी राष्ट्रों में अपने सभी मित्र खो दिए हैं। यहाँ पर, पिछले हफ्ते ही, दो या तीन और भी राष्ट्र साम्यवाद में चले गए। हम लोगों से टैक्स वसूलते हैं, उनका पैसा जुटाते हैं, और उसे वहाँ भेजते हैं, ताकि उन लोगों को खिलाया जा सके, वे जैसे ही मजबूत होते हैं, साम्यवाद की ओर मुड़ जाते हैं। यह एक ढोंगीपन है। यह सही है।

116 हम मसीही होने का दावा करते हैं। तो फिर, आओ हम मसीही के समान बने, ना ही उन्हें इस प्रकार की चीजों को खिलाने के द्वारा। उसके

पास बहुत ही कम है जो—जो... साधारण सा अच्छे हृदय वाला व्यक्ति ऐसा करेगा। यह धर्म है। यह उद्धार नहीं है।

बहुत से लोग धर्म और उद्धार को एक ही समझकर मिला देते है। धर्म का अर्थ होता है विधवाओं और गरीबों को खिलाना, और इत्यादि चीजें। यही धर्म है। लेकिन उद्धार एक नया जन्म है, फिर से जन्म लेना। यह अलग है। धर्म, मुसलमान एक धर्म है। वहां बहुत से धर्म है।

117 अब, ऊपर कार्मेल पर्वत पर, उस दिन जब उसने निर्णायक मुकाबले के लिए बुलाया, और उसने अहाब और उनके संप्रदायों के मंदिर से जुड़े हजारों याजकों को बुलाया, उसने उन्हें वहां ऊपर कार्मेल पर्वत पर बुलाया, कहा, "यहाँ ऊपर आओ। मुझसे यहीं पर मिलो। मैं पूरे झुंड से सामना करूंगा।" उसने क्या किया? उसके पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन था। वह डरा नहीं था। उसने कहा, "एक बैल को बलि चढ़ाओ। बालाम को बुलाओ। जो परमेश्वर आग को गिराकर उत्तर देता है, वो परमेश्वर हो।"

118 तो, सारा दिन, जब तक... सुबह से लेकर रात के खाने के बाद तक, वे वेदी पर कूद पड़े। उन्होंने खुद को घायल किया। वे चीखने लगे। वे चिल्लाने लगे। एलिय्याह आगे–पीछे घूमता हुआ बोला, "थोड़ा जोर से चिल्लाओ। हो सकता है वह मछली पकड़ने को चला गया हो, या कुछ और करने। किसी और काम में व्यस्त हो, या ऐसा ही कुछ तो।"

क्योंकि, उसके पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन था। वह संतुष्ट था। उसके पास परमेश्वर का वचन था।

भाईयो, बहनों, किसी व्यक्ति को परमेश्वर की प्रतिज्ञा से बढ़कर और क्या चाहिए? परमेश्वर ने कहा कि वो इसे करेगा। यह अब्राहम था। उसने भरोसा रखा कि परमेश्वर वह सब करने में सक्षम है, जिसके बारे में उसने बोला है। वह जानता था कि परमेश्वर ऐसा कर सकता है, क्योंकि परमेश्वर ने ऐसा कहा है।

119 इसलिए उसने—इसलिए उसने उन्हें वहां ऊपर आने के लिए बुलाया। और सो उन्होंने अपने आप को घायल किया, और पूरे दिन चिल्लाते रहे और चिखते रहे, सांझ के बलिदान होने तक। तब, एलिय्याह, ध्यान दे कि उसने यह कैसे किया। सबसे पहले उसने जो बारह पत्थरों को एक साथ लुढ़काया।

परमेश्वर विभाजित नहीं है। संप्रदाय कलीसियाओ को विभाजित करते हैं, लेकिन परमेश्वर नहीं।

एक कहता है, "क्या आप एक मसीही है? "

120 "मैं एक बैपटिस्ट हूं।" तो इसका कहने का मतलब यह है कि आप एक सुअर थे।

121 कहे, "मैं—मैं एक मेथोडिस्ट हूं।" तो, फिर से, परमेश्वर के लिए एक सुअर से अधिक कुछ नहीं है।

122 मैं कहता हूं, "क्या आप एक मसीही हैं? " एक मसीही होने के लिए, आपको अवश्य ही मसीह के समान होना है, दैविकता आप में वास करते हुए, पवित्र आत्मा के साथ, जैसे कि पेंटीकोस्ट के दिन नीचे उतरा था। ना ही कोई भावना, लेकिन मेरा मतलब एक वास्तविक पेंटीकोस्टल से है। समझे? सही है।

123 "मैं पेंटीकोस्टल हूं। मैं वननेस हूं। मैं—मैं त्रिएकता हूं। मैं... " ओह, प्रभु! ये बस इतना ही है जैसे आप कुछ तो और कह रहे हैं। इसका परमेश्वर के लिए कोई अर्थ नहीं है। यह तो विभाजित करता है।

124 यही है जो वहां उन पुरोहित वर्ग के बीच में हुआ था। लेकिन एलिय्याह ने इन बारह पत्थरों को एक साथ लुढ़का दिया, यह दिखाया जा सके कि परमेश्वर उन सभी के ऊपर एक परमेश्वर है, उन्हें एक साथ लुढ़काया।

125 अत:, जब उसने उन्हें इस तरह से इकट्ठा किया, तो उसने बैल को मारा और उसे वेदी के ऊपर लकड़ी पर रख दिया। उसने कहा, "अब, यह सुनिश्चित करने के लिए कि इसमें कोई बनावटीपन नहीं है, जाओ मेरे लिए बारह बैरल पानी ले आओ।" और उसने असल में उस लकड़ी को पानी में भिगो दिया। ओह, हाल्लेलुय्या! वह यह दिखाना चाहता था कि परमेश्वर, परमेश्वर था। क्योंकि, क्यों? उसके पास **यहोवा यों कहता है**, वाला वचन था। वो एक भविष्यव्यक्ता था। उसके पास परमेश्वर का वचन था।

126 वैसे ही उन्होंने—उन्होंने उस दिन ऐसा किया, यदि वे कहते हैं कि वे आपको कलीसिया से बाहर निकाल देंगे, वे *ऐसा* करेंगे, *वैसा* करेंगे, यदि आपने यीशु के नाम में बपतिस्मा लिया है, और ये सारी इस तरह की विभिन्न चीजों को किया है: बकवास है। यह **यहोवा यों कहता है** वाला वचन है।

127 उस रात को एक प्यारे से व्यक्ति ने, मुझसे बात की, आकर मेरे चारों ओर हाथ डाले, और कहा, "भाई ब्रन्हम," कहा, "मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं।" कहा, "यदि आप बस थोड़ा सा समझौता कर लें, यह चीजें जिसके बारे में आप बात करते हैं।"

मैंने कहा, "कौन सी?"

कहा, "यह सब जो बपतिस्मा है।" कहा, "शिकागो और आसपास के सभी कलिसियाये वे बस आपको बहुत ही चाहते हैं, लेकिन वे डरते हैं कि आप इसका उल्लेख करेंगे।"

128 मैंने कहा, "निश्चय ही, मैं इसका उल्लेख करूंगा। निश्चय ही, मैं इसका उल्लेख करूंगा।"

कहा, "तो ठीक है, केवल यही एक बात है कि वे आपके विरोध में है।"

129 मैंने कहा, "तो वे फिर मेरे विरोध में नहीं है। मैं वो नहीं हूं जिसने इसे कहा था। इसे तो परमेश्वर ने कहा है। मैं उनमें से किसी को भी चुनौती देता हूं कि वो आकर इसे गलत साबित करें।" देखा?

130 कहा, "तो ठीक है, आप देखिए, आपको—आपको सहमत होना चाहिए और संगति करनी चाहिए।"

यह वही बात है जो वे चाहते थे कि वो करे। आमीन। परमेश्वर समझौता नहीं करता। नहीं, श्रीमान। वह समझौता नहीं करता है।

उसने कहा—उसने कहा, "अब, भाई ब्रंहम, मैं आपसे कुछ पूछना चाहता हूं। क्या प्रभु के दूत ने... " कहा, "हम सब प्रभु के दूत पर विश्वास करते हैं। क्या प्रभु के दूत ने आपको यह बताया?"

131 मैंने कहा, "मैं परवाह नहीं करता कि प्रभु का दूत क्या कहेगा। यदि यह, प्रभु का दूत है, तो *वह* यही कहेगा। लेकिन यदि उसने कुछ तो विपरीत कहा, तो वह प्रभु का दूत नहीं है।" मैंने कहा, "भले ही दूत, या कोई और ने कुछ भी कहे, पौलुस ने कहा, 'यदि स्वर्ग से कोई दूत भी तुम्हें कोई और सुसमाचार को सुनाए, तो वह शापित हो।'"

132 दूत और हर कोई, कुछ तो शारीरिक रूप से फूले हुए, कुछ तो दूतों के विषय में कहते हैं। जोसफ स्मिथ, ब्रिघम यंग, और सारे विभिन्न संप्रदाय, एडवेंटिस्टों के और बाकी के हर एक जन, वे इस प्रकार के सभी चीजों को देखते हैं, लेकिन यह हमेशा ही वचन के विपरीत होता है।

133 लेकिन, परमेश्वर अपने वचन का समर्थन करता है। यह उसका वचन है। मैंने कहा, "यह प्रभु का वचन है। निश्चय ही। वह सब जो कुछ भी मैं जानता हूं, ये मुझे उसी ने सिखाया है। मैं कभी भी धर्म विद्यालय या विद्यालय नहीं गया। यह सब उसी से आता है।" लेकिन मैंने कहा, "चाहे वह विपरीत था... यदि यह इसके विपरीत होता था, तो मैं उस पर विश्वास नहीं करता। क्योंकि, यह परमेश्वर का वचन ही है, जो सबसे पहले है। बाकी की हर एक चीज झूठ है।" परमेश्वर का वचन, इसके साथ बने रहो।

134 इसलिए, एलिय्याह, जब वह उसमें से होकर गया, तो उसने उन लकड़ियों को हर कहीं से बारह बैरल पानी से भिगो दिया। उन्हें वहां ऊपर से उंडेल दिया। उसने वहां से बाहर कदम रखा, बस उतना ही शांत जितना वो हो सकता है। क्यों? परमेश्वर झूठ नहीं बोल सकता। परमेश्वर ने उसे बताया था। उसने कहा, "अब्राहम, इसहाक और इस्राएल का प्रभु परमेश्वर, आज इस बात को प्रगट करे कि आप परमेश्वर है, और मैं आपका सेवक हूं। और मैंने इसे आपकी आज्ञा से किया है, क्योंकि यह **यहोवा यों कहता है**। मैंने ऐसा किया है क्योंकि आपने मुझे इसे करने के लिए कहा था, क्योंकि यह आपके वचन के अनुसार है। अब यह जान जाये कि आप ही परमेश्वर है।"

और प्रभु की आग नीचे उतर आयी, बलिदान को भस्म कर दिया, पानी से भीगी हुई लकडियां, चट्टानों को, और बाकी की हर एक चीज को साफ कर दिया, और सब कुछ ले लिया। तब इस्राएल के सात हजार लोग चिल्ला उठे, "परमेश्वर, परमेश्वर होने दो।"

135 एलिय्याह, कितना सुंदर है कि उस छोटे से, बूढ़े, कमजोर से दिखने वाले, दुबले–पतले, झुर्रियों से भरे शरीर को देखना, उसके हाथ में वह छोटी सी छड़ी, उसके बगल में तेल की छोटी सी कुप्पी लटक रही थी, उसके चारों ओर भेड़ की खाल का एक टुकड़ा लपेटा हुआ था। क्यों, वे आज उसे जेल में डाल देते, यदि वह सड़क पर चलता; लेकिन वे महिलाओं को छोटे कपड़े पहनने देते है; लेकिन वे निश्चित रूप से ऐसा नहीं करेंगे, देखो, *इस* तरह, खुलकर सामने आए।

136 तो, फिर, लेकिन यहाँ वे सह–... यहाँ वह नीचे आया, वहाँ से होते हुए, उस पहाड़ी के पार, इस छड़ी के सहारे। अब कार्मेल पर्वत कोई छोटा—छोटा, खाली स्थान नहीं है जो रेगिस्तान के बीच स्थित हो। यह एक बड़ा

पर्वत है। यह *इस* तरफ से एक कोण पर फैला हुआ है, और ऊपर चोटी से समुद्र दिखता है। और एलिय्याह और गेहजी दौड़कर ऊपर, चोटी की ओर चले गए। और एलिय्याह वहां मुंह के बल गिर पड़ा, और परमेश्वर की दोहाई देने लगा, उसकी पीठ पश्चिम की ओर थी, सूर्य की ओर। साढ़े तीन वर्ष तक, यहाँ तक ओस की बूंद भी नहीं गिरी थी। उसने गेहजी से कहा, "जाकर देखो, क्या तुम्हें कुछ दिखाई देता है, समुद्र के ऊपर एक बादल।"

इस पहाड़ पर खड़े होकर, *उस* ओर देखते हुए, उसने कहा, "मैं कुछ भी नहीं देखता।"

137 वह ठीक वहीं पर रुका रहा। "परमेश्वर, यदि इन लोगों ने पश्चाताप किया है, यदि यह लोग आपके पास वापस आए हैं, यदि वे इस सारी बेकार की चीजों से दूर जाने और आपके वचन पर वापस आने के लिए तैयार हैं, तो आप परमेश्वर हैं, कि अपने वचन का उत्तर दें।"

138 आज मुझे भी यही बात को कहने दो। इन संप्रदायों को लेकर और उन्हें तोड़ दे, इन संप्रदायिक मत–भेदों को भूल जाये, और लोगों को परमेश्वर के वचन की ओर अर्थात सीधी रेखा पर वापस आने दो। मैं आपको साबित करूंगा कि एक परमेश्वर है जो अब भी अग्नि के द्वारा उत्तर दे सकता है।

139 लोग परमेश्वर को पुकारने दो। आओ... ? ... एक व्यक्ति के लिए पुकारे। लोग भविष्यव्यक्ता के लिए पुकारने दो। परमेश्वर उसे दृश्य पर रखेगा। मैं राष्ट्रों को ऐसा करने के लिए चुनौती देता हूं। अपने मुंह के बल गिरकर परमेश्वर से प्रार्थना करे, कि वह एक छुड़ानेवाले को भेजें, और देखें कि क्या होता है। बस एक बार ऐसा करें, परमेश्वर उत्तर देगा। परमेश्वर हमेशा ही करता है।

140 नीचे गिर कर और कहा, "परमेश्वर, आज ऐसा होने दो। ये लोग एक समय आपके विरोध में थे। ये लोग बाहर वहां सभी प्रकार के संप्रदायों में टूटकर बिखर गए थे। लेकिन, आज, आपने खुद को साबित किया है। आप परमेश्वर है। और लोगों ने कहा, 'बालाम को फेंक दो।' और मैंने उन हजारों याजको को मार डाला है। वे अब रास्ते से हट गए हैं, प्रभु। सारी रूकावटे दूर हो गई हैं, वे छोटी–छोटी बाधाएं जिन्होंने हमें अलग किया।"

एक मेथोडिस्ट बैपटिस्ट के साथ आराधना करना चाहता है; बैपटिस्ट पेंटीकोस्टल के साथ संगति करना चाहता है; जो सच्चे हृदय वाले वहां पर है, वे विश्वासयोग्य सात हजार। लेकिन वे ऐसा नहीं कर सकते। यदि वे

ऐसा करते हैं, तो उन्हें उनकी कलीसिया से बाहर निकाल दिया जाएगा। उनमें से कुछ परवाह नहीं करते। जो भी है, वे आते हैं। यह सही है।

141 लेकिन वे सभी उन पक्षपात को तोड़ कर और एक साथ आ जाये, और कहे, “हम यहाँ इन सभी मत–सिद्धांत और धर्म शिक्षाओं को भूल जाएंगे, और हर एक चीज जहाँ से हम पढ़ रहे हैं। आइए हम प्रभु के वचन पर वापस आये।” देखो तब क्या बात जगह लेती है। परमेश्वर उनके लिए एक भविष्यव्यक्ता को खड़ा करेगा, वह निश्चय ही करेगा, जो इसे सीधे उनके पास ले आएगा, यदि वे इसे ग्रहण करने के लिए तैयार हैं। सबसे पहले, उन्हें प्रार्थना करनी होगी। परमेश्वर रुका रहता है।

142 क्या यह विचित्र नहीं है कि परमेश्वर चाहता है कि लोग भी इसमें भाग लें? जब यीशु ने फसल की ओर देखा, तो उसने कहा, “फसल पक चुकी है। मजदूर कम है। आप फसल के प्रभु से प्रार्थना करो,” वो वही था। “तुम मुझसे प्रार्थना करो, कि मैं अपनी फसल के लिए मजदूरों को भेजूं।” आपके करने के लिए कुछ भाग है। परमेश्वर अपनी कलीसिया के लिए रुका हुआ है कि उसे पुकारे। उसने हमेशा ही ऐसा किया है। आज परमेश्वर रुका हुआ है कि लोग उसके सेवक को क्रिया में आने के लिए पुकारे। और सेवक क्रिया के अंदर नहीं आ सकता जब तक लोग प्रार्थना नहीं करते है।

143 इस्राएल वहां पर चिन्हों और अद्भुत कामों के साथ प्रतिक्रिया में नहीं आ सकता था, जब तक कि वे मुंह के बल गिरकर किसी एक छुड़ाने वाले के लिए प्रार्थना नही करने लगे। परमेश्वर के पास उसका छुड़ाने वाला था। परमेश्वर के पास एक भविष्यव्यक्ता था जो वहां जंगल में ठहरा हुआ था, चालीस वर्ष तक उसे वहीं रखा गया, उनके सही होने के लिए रुका हुआ था, कि प्रार्थना करे। लेकिन जब उन्होंने सही कर लिया और प्रार्थना करने लगे, तब परमेश्वर ने छुड़ाने वाले को भेजा।

परमेश्वर आज भी इसी चीज को करेगा, यदि लोग बस एक साथ इकट्ठा होकर प्रार्थना करने लगे। तो ठीक है।

144 वह उन झूठे भविष्यव्यक्ताओं और आहाब के लिए एक चिन्ह था, कि वह परमेश्वर का सेवक था। वह परमेश्वर का भविष्यव्यक्ता था। तब, वह इस्राएल के लिए भी एक चिन्ह था, कि वह आकाश को बन्द कर सकता है या आकाश को खोल सकता है, जब भी वह चाहे। वो निश्चय ही था।

मुझे कोई एक बताये जो आकाश को बंद कर सकता है, मुझे एक

दिखाये जो आकाश को खोल सकता है, परमेश्वर को छोड़। और परमेश्वर का वचन, या, परमेश्वर का वचन भविष्यव्यक्ताओ के साथ होता है।

145 मिकायाह, यहोशापात के लिए एक चिन्ह था। मिकायाह यहोशापात के लिए एक चिन्ह था, कि परमेश्वर एक सच्चे भविष्यवक्ता को अपने हाथ में रखता है।

146 अब ध्यान देना। उसके पास चार सौ भविष्यव्यक्ता थे, आहाब के पास, और उसने उन चार सौ भविष्यव्यक्ताओं को सामने बुलाया। और उन्होंने एकमत होकर उसे बताया। और फिर भी, यहोशापात के ह्रदय में, परमेश्वर का एक जन था, यहोशापात अपने ह्रदय में जानता था कि कुछ तो गलत है। वह जानता था कि कुछ तो गलत है। उसने कहा, "क्या तुम्हारे पास एक और नहीं है?"

147 "चार सौ वहां खड़े होने के बाद?" उसने कहा, "ये सभी भविष्यव्यक्ता है, यहोवा के भविष्यव्यक्ता।" वहां वे—वे मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, यूनिटेरियन, ओह, मेरे, प्रभु, ट्रिनिटेरियन, और सभी अलग–अलग प्रकार के है। "हम उन सभी को यहां लेकर आए है, और एक सहमति में कह रहे हैं कि यही वहां सबसे महान राष्ट्र है। हमें डरने की कोई बात नहीं है।" जैसे कि एक छोटा लड़का कब्रिस्तान में डरकर सीटी बजा रहा होता है, आप जानते हैं। आप इसकी चिंता ना करें।

कहा, "लेकिन क्या तुम्हारे पास एक और नहीं है?"

कहा, "ओह, हाँ, यहाँ एक और है, लेकिन," कहा, "मैं उससे घृणा करता हूँ।" समझे? कहा, "वह हमेशा ही इस देश के बारे में बुरा कहता रहता है। वह हमेशा कहता है कि हमारे साथ कुछ बुरा घटित होने जा रहा है।"

148 यहोशापात ने कहा, "मैं—मैं उससे सुनना चाहूँगा।" ओह, हाँ!

वो क्या था? एक चिन्ह। चाहे कितने ही संगठन या संप्रदाय हो, परमेश्वर के पास अब भी एक भविष्यव्यक्ता है जो वचन के साथ बना रहता है।

149 यहोशापात जानता था कि आहाब का विनाश पक्का था, क्योंकि वह सच्चा भविष्यव्यक्ता, एलिय्याह, राष्ट्रों के लिए एक चिन्ह था, कहा, "यहां आने पर कुत्ते तेरा लहू चाटेंगे।" यह सही है। वह जानता था कि ईजेबेल

और उसके साथ ऐसा ही होने वाला था। वह जानता है कि ऐसा ही था। समझे?

150 और मिकायाह, मिकायाह ने कहा... उन्होंने—उन्होंने उसके पास आकर और कहा, "अब, मैं तुम्हें बताता हूं, यदि तुम अगली सभा की संगति में जाना चाहते हो, तो मैं तुम्हें बताऊंगा कि तुम्हें क्या करना होगा। तुम बस सहमत हो जाना कि ये सारे प्रचारक सही है। समझे? तुम उससे कहना, 'आगे बढों।'" और कहा, "तुम बस सहमत हो जाना।" कहा, "मैं तुम्हें बताऊंगा कि हम क्या करेंगे। हम बनायेंगे... यदि तुम बस ऐसा करोगे, तो हम देखेंगे कि तुम हमारे संगठन में जुड़ जाओ, देखो, यदि तुम इनमें से कुछ बातों पर समझौता करोगे, जिसके विषय में तुम बात कर रहे हो। तुम बस यही दिखाना, जाओ, उनके साथ सहमत हो जाओ, उनके साथ आगे बढ़ो।" हुंह–हुंह! क्या आप कल्पना कर सकते हैं कि परमेश्वर का एक सच्चा भविष्यव्यक्ता परमेश्वर के वचन से दूर जा रहा है? क्या आप कर सकते हैं?

"तो ठीक है," इन लोगों ने कहा, "लेकिन, हमने एक दर्शन देखा," ये चार सौ भविष्यव्यक्ता। "हम जानते हैं। हम भविष्यव्यक्ता है। हम जानते हैं, क्योंकि हम भविष्यव्यक्ता हैं।"

151 मिकायाह ने कहा, "मुझे इसमें कोई संदेह नहीं है, लेकिन जो तुमने एक दर्शन को देखा है। मुझे इसमें जरा भी संदेह नहीं है, जो तुमने देखा है, एक दर्शन, लेकिन यह उस वचन के अनुसार नहीं है।" आमीन। कहा, "मैंने भी एक दर्शन देखा है।" आमीन। ओह, दया! वह एक चिन्ह था। वह एक चिन्ह था। उसने कहा, "मैंने एक दर्शन देखा, और मैंने इस्राएल को भेड़ों की तरह देखा, एक पहाड़ी पर बिखरे हुए देखा, जिसका कोई चरवाहा नहीं था।"

और यह बड़ा अध्यक्ष, बिशप, उसके पास चलकर गया और उसके मुंह पर थप्पड़ मारा। कहा, "जब परमेश्वर का आत्मा मुझ में से निकल गया तो वह कहाँ गया?"

152 उसने कहा, "जब तुम जेल में कैद हो जाओगे तब तुम देखोगे। तुम देखोगे।"

उसने, आहाब ने कहा, "उस व्यक्ति को जेल में डाल दो। उसे दु:ख की रोटी खिलाओ, और उसे पीने के लिए दु:ख का पानी दो।" कहा, "जब

मैं शांति से वापस लौटूंगा," कहा, "तब मैं उसे संभाल लुंगा।"

153 बूढ़ा मिकायाह वहां **यहोवा यों कहता है** के साथ खड़ा था। उसने कहा, "यदि तुम वापस आते भी हो, तो परमेश्वर ने मुझसे बात नहीं की।" हुंह! ऐसा ही है। वो क्या था? वह एक चिन्ह था, कि यहोवा के भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता, परमेश्वर के वचन के साथ बने रहते हैं।

154 आपके पास एक भविष्यव्यक्ता है जो कहता है कि आपको "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," के शीर्षकों में बपतिस्मा लेना चाहिए, यह एक झूठा भविष्यव्यक्ता है। यदि आप कहते हैं कि आपके बीच में एक भविष्यव्यक्ता है, जो कहता है, "वहां तीन परमेश्वर हैं," यह एक झूठा भविष्यव्यक्ता है। इसके लिए कोई वचन नहीं है। यह सही है। लेकिन परमेश्वर का एक सच्चा भविष्यव्यक्ता उस वचन के साथ बना रहेगा। और यदि उसका दर्शन उस वचन के विपरीत है, तो वह परमेश्वर का सच्चा भविष्यव्यक्ता नहीं है।

155 बाईबल में कहीं भी, किसी को भी "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" के शीर्षकों में कभी बपतिस्मा नहीं दिया गया था।

156 पौलुस की ओर देखो, वहां जेल में, एक छोटा सा, तोते जैसी नाक वाला यहूदी, गंजा सिर, वहां पर पड़ा हुआ था, बीस साल तक एक रोमन जेल में बिताने के बाद। उसने इन पत्रियों को लिखा। अब, आप क्या सोचते हैं कि महिला प्रचारक ने पौलुस के बारे में क्या सोचा होगा, जब उसने कहा, "वे स्त्रियां कलीसियाओ में चुप रहे। मैं उन्हें बोलने की अनुमति नहीं देता"? मैं कल्पना करता हूँ कि वे वास्तव में उसके पीछे पड़ जाते।

आपको क्या लगता हैं उन बिशपों ने क्या सोचा होगा, वे बिशप लोग, जब इन सारी भिन्न-भिन्न बातों को कहा, "*इन* चीजों को यहाँ छोड़ दो, और इसे *यहाँ*, *इसको*, *उसको* सभी को," पौलुस उन्हें बता रहा है? "यह व्यक्ति कौन है, जो भी हो, यह व्यक्ति वहां जेल में पड़ा हुआ है?" लेकिन उसने यीशु से भेंट की थी। वह जानता था कि वह किस बारे में बात कर रहा है।

और उसी झुण्ड में से, पौलुस की मृत्यु के बाद, उन्होंने अंत में गठन किया, उस बिशप और उच्च अधिकारियों के झुण्ड से, निसियन परिषद को, और जिसने कैथोलिक कलीसिया का गठन किया, वे परमेश्वर के वचन से दूर होते जा रहे थे। वहां आपके "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा," में आते है। मैं

किसी को भी, कहीं भी, किसी भी देश को चुनौती देता हूं, कि इसे गलत साबित करें।

157 **यहोवा यों कहता है**। "पिता, पुत्र, पवित्र आत्मा" की शीर्षक का उपयोग करते हुए बपतिस्मा झूठा है। **यहोवा यों कहता है**। मैं तुममें से हर एक को यहां पर या टेप पर आज्ञा देता हूं, जिसने "यीशु मसीह" के नाम में बपतिस्मा नहीं लिया है, वो यीशु मसीह के नाम में फिर से बपतिस्मा को ले।

158 प्रेरितों के काम 5:9, या, 19:5 में, पौलुस ने कहा, "क्या तुमने पवित्र आत्मा पाया है जब से तुमने विश्वास किया? "

उन्होंने कहा, "हम यह भी नहीं जानते कि वहां कोई पवित्र आत्मा भी है।"

कहा, "तो फिर आपने किसका बपतिस्मा लिया था? "

159 उन्होंने कहा, "हमने बपतिस्मा लिया है," लेकिन मसीही बपतिस्मा में नहीं।

"पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" यह मसीही बपतिस्मा नहीं है। बाईबल में या बाईबल के बाद सैकड़ों वर्षों तक किसी भी मसीही ने कभी इस प्रकार का बपतिस्मा नहीं लिया। यह एक कैथोलिक मत–सिद्धांत है, और ना ही एक मसीही शिक्षा। मुझे बाईबल में दिखाओ। यह एक—यह एक धोखा है। यह शैतानों का काम है।

मेरे कहने का यह अर्थ नहीं है कि जो लोग इस प्रकार से बपतिस्मा लेते है, वे इस तरह के है। परमेश्वर के पास आज वहां बहुत से ऐसे लोग हैं जो इससे बेहतर नहीं जानते।

160 लेकिन, अब समय आ गया है, हमें वचन पर वापस जाना होगा यदि हम परमेश्वर से इस दिन में काम करने की अपेक्षा करते हैं जैसे उसने तब किया था।

161 मैंने अपनी मां से कहा जब वह मर रही थी, उसके मरने से पहले। मैंने कहा, "माँ, जब मैं एक मसीही बन गया, एक लड़के के समान, तो मैंने खोजना और पता लगाना आरंभ किया। मैं जानता था कि एक परमेश्वर है, उन दर्शनों से जो आप जानते हैं, और वे चीजें जो जीवन भर घटित हुई।" मैंने कहा, "फिर मैंने पाया कि कैथोलिक कलीसिया ने कहा, 'हम कलीसिया हैं। इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि बाईबल क्या कहती है। हम

विश्वास करते हैं कि यह ठीक है, लेकिन, हम कलीसिया है। हम जो कहते हैं, परमेश्वर स्वर्ग में बांधता है।' और इसलिए, तब, वे इसे *इस* तरह से करते हैं। यही एक देह है। लूथरन ने कहा, 'वे गलत हैं। हम भी इसे *इस* तरह से विश्वास करते हैं।' बैपटिस्ट कहते हैं, 'वे सब गलत हैं। हम इसे *इस* तरह से विश्वास करते हैं।' और वहां पर सैकड़ों ऐसी देह है।"

क्यों, आप भला कैसे विश्वास कर सकते है? उनमें से कौन सही है? वहां एक चीज सही है। मुझे तब पता नहीं था।

162 मैंने कहा, "माँ, मैंने वापस बाईबल में जाकर और मैंने पाया वे पहले के प्रेरित जिस तरह से थे, उनके पास किस प्रकार की कलीसिया थी, उन्होंने कैसे शिक्षा दी, और वे चीजें जो उन्होंने की। मैंने इसे बिल्कुल वैसे ही किया जैसे उन्होंने किया, जिस तरह से बाईबल ने कहा, और मुझे वही परिणाम मिले।" आमीन। अभिव्यक्ति के लिए क्षमा करें, लेकिन हलवे का—का प्रमाण तो उसे खाने पर ही मिलता है। यह सच है। मुझे वही परिणाम मिले जो उनके पास थे। जी हां।

163 इसलिए, आप किसी ऐसी चीज में भरोसे को नहीं बना सकते हैं, जहाँ नौ सौ भिन्न-भिन्न मार्ग हैं, *इस* तरह से और *उस* तरह से जाने के लिए।

फिर मैं बाईबल में पाता हूं, कि यीशु ने स्वयं कहा, "यदि कोई व्यक्ति इस पुस्तक में एक भी वचन को निकलेगा, या इसे बदलेगा; कोई भी जो इसमें कुछ जोड़ेगा, या इसमें से कुछ भी निकालेगा; उसी तरह से उसका जीवन की पुस्तक में से भाग निकाल लिया जाएगा।" दिखाता है कि उसका नाम वहां था, तो ठीक है, लेकिन उसे निकाल दिया जाएगा। ओह!

164 हमें इस वचन पर वापस आना होगा। "आकाश और धरती टल जाएंगे, लेकिन मेरा वचन कभी भी ना टलेगा।" जी हां, श्रीमान। "हर एक मनुष्य का वचन झूठा ठहरे। मेरा सच्चा हो," यीशु ने कहा। आओ हम वचन के साथ बने रहें। जी हां। ओह, प्रभु! जी हां।

165 यहोशापात जानता था कि परमेश्वर एक सच्चे, सच्चे भविष्यवक्ता को रखता है जो उसके वचन पर बना रहता है और उससे समझौता नहीं करता। नहीं, श्रीमान।

166 वह ठीक इसके साथ बना रहा। चार सौ लोग उसके विरोध में थे, उनकी भविष्यवाणियाँ भी थी। लेकिन उसका परमेश्वर का वचन था, इसमें वही चिन्ह और बातें थी।

और आज मैं कहता हूं, आज हमें एक व्यक्ति की आवश्यकता है, एक भविष्यव्यक्ता की, जो हमारे बीच में खड़ा हो, जो परमेश्वर के वचन के साथ बना रहेगा, इस बात की परवाह किए बिना कि कोई और क्या कहता है, या संप्रदाय जो कुछ भी कहे।

167 मिकायाह को कोई सहयोग नहीं मिला था। मूसा को कोई सहयोग नहीं मिला था। नूह को कोई सहयोग नहीं मिला था। उनमें से किसी को भी नही, कोई, कभी भी सहयोग नहीं मिला। यह सभी उनके विरोध में थे। लेकिन वे बुरे दिनों के चिन्ह हैं, इससे पहले कि परमेश्वर न्याय को भेजे। और परमेश्वर अपने वचन को पूरा करता है और चाहता है कि उसका वचन उसके लोगों के द्वारा पूरा किया जाये। प्रभु की स्तुति हो।

अब, बंद करते हुए, अब बस कुछ मिनटों के लिए। अब ध्यान से सुने।

168 "परमेश्वर की ओर से एक मनुष्य भेजा गया था जिसका नाम यूहन्ना था," एक भविष्यव्यक्ता का चिन्ह। इससे पहले कि यीशु कभी धरती पर आए, स्वयं को घोषित करने के लिए, उसने अपने आगे एक भविष्यव्यक्ता को भेजा। क्या उसने ऐसा किया? उसने एक भविष्यव्यक्ता भेजा, पुराने नियम का एलिय्याह, जिसके बारे में भविष्यवाणी की गई थी कि वह पुराने नियम के एलिय्याह की सामर्थ के साथ आएगा। उसे एक भविष्यव्यक्ता का चिन्ह होना था कि यीशु आ रहा था, कि वहां एक मसीहा को आना था।

169 और यूहन्ना जंगल से बाहर आया, वह एक चिन्ह था कि मसीहा अपने मार्ग पर था। जब यूहन्ना उपस्थित हुआ, तो इस्राएल को उनके भविष्यवक्ताओं के द्वारा ज्ञात होना चाहिए था।

यही पर लोग चूक जाते हैं। वे अपने भविष्यवक्ताओं का विश्वास नहीं करते। वे विश्वास नहीं करते। "हम विश्वास नहीं करते कि पेंटीकोस्ट के दिन पतरस ने जो कहा वह सही था।" वे विश्वास नहीं करते कि यह सही है। वे विश्वास नहीं करते जो पौलुस ने कहा, उसी बात को पतरस ने कहा था। कहा, "यदि स्वर्ग से कोई दूत भी किसी और बातों का प्रचार करता है, तो वह शापित हो।" वे इसका विश्वास नहीं करते। समझे? वे इस पर विश्वास नहीं करते।

और उन्होंने अपने भविष्यव्यक्ताओं पर विश्वास नहीं किया। यदि वे जानते होते, तो वे जान जाते कि यशायाह ने कहा था, "वहां जंगल में एक पुकारने वाले की आवाज सुनाई देगी, जो प्रभु के आगे मार्ग को

तैयार करेगी।" उन्हें यह पता होना चाहिए था। वह एक भविष्यव्यक्ता था, भविष्यव्यक्ताओं का राजकुमार। उसने उन्हें बताया, लेकिन उन्होंने इसका विश्वास नहीं किया। नहीं, नहीं। उसने कहा, "वहां एक मसीहा आ रहा है।"

170 यह मनुष्य परमेश्वर का भेजा हुआ मनुष्य था। ओह, भाइयों! उसका कोई अनुयायी नहीं था। परमेश्वर ने उसे अनुयायी दिए, एक छोटा सा झुंड, ठीक जैसे उसने एलिय्याह को दिया था। परमेश्वर ने उसे अनुयायी दिए। उसे यह किसी राजनीतिक संगठन से नहीं मिले। उसने वचन का प्रचार किया, परमेश्वर के वचन पर बना रहा, और परमेश्वर ने उसे एक छोटा सा झुंड दिया। एलिय्याह परमेश्वर के वचन पर बना रहा। परमेश्वर ने उसे एक छोटा सा झुंड दिया।

171 इस मनुष्य के पास कोई सहयोग नहीं था। उसका कोई अनुयायी नहीं था, कोई सहयोग नहीं था, वो किसी भी संप्रदाय से जुड़ा हुआ नहीं था, कुछ भी नहीं मांगता था और किसी भी चीज से डरता नहीं था। वह यूहन्ना था। क्यों? वह परमेश्वर का भेजा हुआ एक मनुष्य था। यही कारण है कि वह खड़ा था। वह वहां पर खड़ा हुआ एलिय्याह था, कि लोगों को यह साबित करे कि मसीहा आ रहा था। उसने कहा, "मैं जंगल में पुकारने वाले की आवाज हूं, जैसा कि भविष्यव्यक्ता यशायाह कहता है। प्रभु से मिलने के लिए तैयार हो जाओ।"

172 वे फरीसी और सदूकी वहां पर खड़े हुए थे और उनके वस्त्रों और अन्य चीजों के बारे में विवाद कर रहे थे। ठीक जब वे इसके बारे में विवाद कर रहे थे और बहस कर रहे थे, ठीक उनके बीच में मसीहा आकर, चल रहा था।

173 यूहन्ना ने कहा, "देखो, वह वहां है।" हाल्लेलुय्या! उसकी ओर ध्यान दो। उसने उसका परिचय कराया था। "वहां है वो। वह ठीक अब तुम्हारे बीच में खड़ा हुआ है।"

लगभग उसी समय आकाश में गर्जना हुई। यीशु पानी में चलकर गया। और यूहन्ना ने गवाही दी, कि उसने परमेश्वर के आत्मा को पिण्डुकी की नाई नीचे उतरते देखा। एक आवाज गरज रही है, "यह मेरा प्रिय पुत्र है जिसमें मैं रहने से अति प्रसन्न हूं।" ओह, मेरे, प्रभु!

174 यूहन्ना ने कहा, "अब अवश्य है कि मैं घटूं। वो बढे।" ओह, क्या ही भविष्यव्यक्ता है, इस्राएल के लिए एक चिन्ह है! जी हां, श्रीमान।

175 वह परमेश्वर की ओर से भेजा हुआ मनुष्य था, हालाँकि उसका पिता एक याजक था। ओह, जी हाँ। उसका पिता, जकर्याह, एक याजक था। लेकिन क्या आपने ध्यान दिया? परमेश्वर उस भविष्यव्यक्ता को उनके संगठनों के साथ मिश्रित होने नही देगा। उसका पिता उसे धर्मज्ञान के विद्यालय में ले जाता, उस बड़े *फलां–और–फलां* संप्रदाय में, आप जानते हैं, उसे एक अच्छा सेवक बनाता, और उसे अच्छे से प्रशिक्षित किया होता, और उसे बहुत सारी चीजें दी होती, जिनकी उसे आवश्यकता नहीं थी। लेकिन परमेश्वर उसके प्राण को दूषित नहीं होने देगा। क्या आप समझ रहे है? वो उस मनुष्य को संगठनाओ के साथ मिश्रित होने नहीं दे सकता था। वह उनमें से किसी भी संप्रदाय से संबंधित नहीं था, फरीसी, सदूकी, या हेरोदियन, या जो कुछ भी हो सकता है। परमेश्वर इसकी अनुमति नहीं देगा।

176 उसका अनोखा जन्म हुआ था। वह एक अनोखा बालक था। वह एक भविष्यव्यक्ता था। उसके पिता एक याजक थे, लेकिन उसने यूहन्ना को उनके सभी ढोंगी, फरीसी धर्मों और चीजों के साथ मिश्रित होने नहीं दिया। उसने क्या किया? वह उसे बाहर जंगल में ले गया और उसे रेगिस्तान में प्रशिक्षित किया।

177 क्या ही प्रशिक्षण है! आमीन। उसने उसे अनुभव से प्रशिक्षित किया। यही सबसे अच्छा है, परमेश्वर को जानना। जब वह बाहर आया, तो वह जानता था कि उसका कार्याधिकार क्या है। परमेश्वर ने उस कार्याधिकार को प्रमाणित किया।

उसने इसे कहाँ पर प्रमाणित किया? वहां नदी पर। अब, यदि आप बातों को आपस में जोड़ सको तो समझ जाओगे। समझे? नदी पर!

कहा, "मैं उस जंगल में की एक पुकारने वाली आवाज़ हूं, 'प्रभु का मार्ग तैयार करो, उसका मार्ग सीधा करो।'"

178 यूहन्ना, एक मनुष्य जो परमेश्वर द्वारा भेजा गया। परमेश्वर उसे इससे दूषित नहीं होने देगा। उसने उसे जंगल में प्रशिक्षित किया, परमेश्वर के द्वारा। उसने उसे उनके विद्यालयों में प्रशिक्षित नहीं किया, ना ही उनके धर्मज्ञान में। यदि वह ऐसा करता, तो वो उन सारी चीजों से भरा हुआ होता,

जैसे आप आज विद्यालयों में से बाहर आते हैं, सभी प्रकार के विद्यालयों से। ना ही केवल प्रेस्बिटेरियन, बैपटिस्ट और मेथोडिस्ट, लेकिन पेंटीकोस्टल स्कूल भी, उतने ही बुरे हैं, उनमें से कोई भी धर्मज्ञान का विद्यालय, उन्हें वहां से बाहर लेकर आता है। ओह!

179 उसका आगमन, यशायाह की आत्मा ने बताया। उसका आगमन, यूहन्ना का आगमन, इसकी वचन में भविष्यवाणी की गई थी। यशायाह 40:3 में कहा गया है, "मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे-आगे भेजूंगा, मार्ग को तैयार करूंगा," या, यह मलाकी 3 था। कहा... मलाकी 3 में कहा कि वह अपने संदेशवाहक को उसके आगे भेजेगा। भविष्यव्यक्ता, अंतिम भविष्यव्यक्ता, उसके विषय में कहा। अंतिम बात उसके विषय में बोली गई। याद रखें, पुराने नियम की अंतिम किताब कहा कि एलिय्याह उस मसीहा को दिखाने से पहले इस्राएल के बच्चों के पास आएगा।

180 क्या आप तैयार है? बाईबल की अंतिम किताब, प्रकाशितवाक्य, हमें दिखाती है कि वहां अंतिम दिन में उसकी वापसी होगी, अन्यजाति कलीसिया के लिए, एक चिन्ह। वे इसे कैसे चूक जाते हैं! उसने फिर से आने की भविष्यवाणी की गई है, उस महान और प्रभु के दूसरे आगमन से ठीक पहले। मलाकी में... मलाकी के 4थे अध्याय में, प्रकाशितवाक्य में भी, 3रे अध्याय में भी, हमें बताता है कि वह अंत के दिनों में यहां पर होगा। वही एक, जो लोगों के लिए बीच दरार में खड़ा होगा, एक छोटे से झुंड के साथ जो परमेश्वर उसे देगा, वह अन्तिम दिनों में आएगा। परमेश्वर ने ऐसा कहा है। वह इस अन्यजाति राष्ट्र के लिए एक चिन्ह होगा, कि उसका समय अब और नहीं है।

181 और याद रखे, जब वह दृश्य पर आता है, तो समय निकट है। आइए परमेश्वर से प्रार्थना करें कि वह उसे भेजें। समय निकट है।

182 जैसे ही उसकी सेवकाई समाप्त हुई, मसीहा ने स्वयं को प्रकट किया। जैसे ही यह एक महान अन्तिम दिनों में आएगा, अपनी सेवकाई को समाप्त करेगा, मसीहा स्वयं को प्रकट करेगा। यह ऐसा ही होगा। समय निकट है, इसलिए अच्छा होगा कि हम प्रार्थना करें। अच्छा होगा कि आप प्रार्थना करना आरंभ कर दे।

183 इस युग के लिए उसका परमेश्वर का दिया हुआ चिन्ह यह साबित करेगा कि वो क्या है। हर कोई इसे जान जाएगा। परमेश्वर इसे प्रमाणित

करेगा। वह चिन्हों और अद्भुत कार्यो को दिखाएगा, जैसे धरती पर कभी भी नहीं किया गया, इसके द्वारा करेगा। मेरा मतलब झटके देना, कांपना और अन्य जुबान में बोलना नहीं है। उसे परमेश्वर के वचन का समर्थन प्राप्त होगा, जैसे इस मनुष्य को मिला। क्यों? उसके आने की भविष्यवाणी की गई थी, मलाकी 4 और प्रकाशितवाक्य 3 में, इसलिए वह आएगा। उसे कोई भी रोक नहीं सकता; वह आ रहा है। आमीन। वह यहां पर होगा। आमीन। लोग अपने मुंह के बल गिरकर और आज परमेश्वर की दोहाई देना आरंभ करें, और देखें कि क्या होता है। आप उसे स्पष्ट सामर्थ में देखेंगे। जी हां, श्रीमान।

184 वचन के अनुसार, उसका चिन्ह का संदेश "मोड़ना" होगा। उसका क्या... हम उसकी पहचान कैसे करेंगे? हम कैसे जानेंगे कि ये सही है?

185 आप जानते हैं, इस्राएल ने एक बार व्यवस्थाविवरण 20वें अध्याय में... 20वे पद में पूछा था, मैं विश्वास करता हूं कि यही है। उसने कहा, "हम कैसे जानेंगे कि यह वही वो सही व्यक्ति होगा? "

हम कैसे जानें? परमेश्वर हमें बताता है कि हम उसे जान जायेंगे। वह क्या करेगा? "वह बच्चों के ह्रदय को आरंभ में मूल पेंटीकोस्टल संदेश की ओर वापस फेर देगा।" ओह, प्रभु!

186 एक चिन्ह जिसे अनदेखा किया गया है, वो सच्चा चिन्ह, और वे इससे चूक जाते हैं। वे हमेशा ही चूक जाते हैं।

187 सच्ची कलीसिया की ओर, सच्चे संदेश की ओर वापस! वह अकेले ही संप्रदाय के विरोध में खड़ा होगा, हिम्मत से और निडर होकर, **यहोवा यों कहता है** के साथ। वह किसी भी संप्रदाय के समझौता नहीं करेगा। उसका किसी से कोई लेना-देना नहीं होगा; वह किसी भी चीज के स्वार्थ के लिए अपने स्थान का उपयोग नही करेगा। वह सीधे-सीधे वचन पर होगा, **यहोवा यों कहता है**। परमेश्वर उसकी सेवकाई को चिन्हों और अद्भुत कार्यो के साथ प्रमाणित करेगा, वचन का महान प्रकाशन, और लोगों के सामने लाने के द्वारा प्रमाणित करेगा। क्या ही एक दिन है जो निकट है! जैसे... वह पतरस और यूहन्ना की तरह खड़ा रहेगा, पेंटीकोस्ट के दिन के बाद।

पेंटीकोस्ट के बाद, कि वे पवित्र आत्मा से भर गए, वहां बपतिस्मा लिया, तो वे उस महासभा के न्यायालय में खड़े हुए थे। वे वहां पूरी हिम्मत

के साथ खड़े हुए थे जितनी किसी में हो सकती है। जब, उन्होंने कहा, “हम तुम्हें अब आगे यीशु के नाम में शिक्षा देने से मना करते हैं।”

188 उसने कहा, “क्या ये हमारे लिए सही है कि हम आपकी सुने या परमेश्वर की? आप आपस में ही इस बात का न्याय करें।” वे अनपढ़, अशिक्षित थे। आमीन। वे भविष्यव्यक्ता थे। वे परमेश्वर के द्वारा अभिषिक्त भविष्यव्यक्ता थे। वे पवित्र आत्मा के चिन्ह थे। वे भविष्यव्यक्ता थे। वे जानते थे।

189 वे बस यूहन्ना के समान ही थे। वे पेंटीकोस्ट के दिन पर वहां गए थे और उन्होंने कुछ तो पाया था।

वे आज के हमारे अधिकांश स्वयं से घोषित प्रचारकों की तरह नहीं थे, इस बात पर घमंड करते हुए कि हमारा संगठन कितना महान है, हमारे पास हमारे महान झुण्ड में कितने लोग हैं। “हम एक महान संगठन के समान खड़े हैं। हम महान मिशनरी का काम करते हैं।” ओह, दया! “ओह, हमारे यहां उन बाकी सभी की तुलना में बहुत अधिक भीड़ है।” यह क्या है? यह एक राजनीतिक खिंचाव है। मैं चाहता हूं कि आप अगले दो, तीन मिनट ध्यान से सुने। एक राजनीतिक खिंचाव।

190 निश्चय ही मैंने कुछ मिनट पहले कुछ कहा है, आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं। एक चिन्ह जिसकी भविष्यवाणी की गई है। मैंने उसे ऐसे ही छोड़ दिया, इस बात को आपके पल्ले डाल दिया। समझे? तो ठीक है, ना ही केवल आप जो यहां पर है, लेकिन वे जो सुनेंगे। यह आपके पल्ले में डाला है। इसके साथ जो कुछ भी आप करना चाहते हैं वो करे। आप प्रार्थना करें, और परमेश्वर को दृश्य पर आगे बढ़ते हुए देखें। उसे उसके वचन को पूरा करते हुए देखें। वह रुका हुआ है।

191 जब वे परमाणु बम, और लोग डरे होते हैं; और पेंटागन, वे नहीं जानते कि क्या करना है; और आकाश में वे रहस्यमयी चिन्ह, उड़न तश्तरी के चिन्ह, और हर एक चीज जिसकी परमेश्वर ने भविष्यवाणी की थी: यह उस एलिय्याह का समय है, (वह कहीं तो है), दृश्य पर उठ खड़ा हुआ है।

192 लोगों को, उस छोटे से झुंड को, उन थोड़े से बचे हुओ को जो परमेश्वर उसे देने जा रहा है, उन थोड़े से बचे हुओ को परमेश्वर को पुकारने दो, और देखो कि क्या घटित होता है। एक राष्ट्रीय निर्णायक मुकाबला होगा। वहां एक सामर्थ होगी जिसे उन्होंने पहले कभी नहीं देखा होगा। परेशानी

यह है, कि इस बार, उनके लिए बहुत देर हो चुकी होगी। दरवाजे बंद हो जायेंगे। इसलिए, याद रखें, हम अंत समय में हैं। प्रार्थना करें।

193 आज जिसे हम सेवकाई कहते हैं उसे देखिए। हमें क्या मिला है? अब, बंद करते हुए, मैं ये कहना चाहता हूं। हमें क्या मिला है? हमें कुछ भी नहीं मिला है। हमारे कुछ सबसे महान अगुवे, हमारे सबसे महान सुसमाचारक; हमारे एक महान सुसमाचारकों में से एक ने कहा, "यदि मैं मेरे द्वारा परिवर्तित लोगों में से दस प्रतिशत को भी टीका हुआ पा सकता हूं, एक वर्ष में, तो मैं बहुत ही धन्यवाद करूंगा।" जबकि, यहां तक कि पीछे फिन्नी के परिवर्तित लोगों में से सत्तानवे प्रतिशत टिके रहते थे।

पौलुस के पास तो सैकड़ों के ऊपर सैकड़ों, सैकड़ों के ऊपर सैकड़ों थे। एक बच जाता, और, वह इतना भर जाता था, भाई, वो जाकर और किसी और को बताता; वो किसी और को बताता; और वो किसी और को बताता; लाखों में चला गया। क्यों? उनके पास कुछ तो था। वे वचन पर थे।

194 आज, हम बस बड़ी भीड़ के बारे में सोचते हैं। ये क्या है? ये एक राजनीतिक संगठन है। यदि हम आते हैं, कोई महान सुसमाचारक शहर में आता है, तो सबसे पहले क्या आता है? कुछ लोगों का झुंड। यदि सारे मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, वे सभी, वे एक छोटा सा कार्यक्रम का ढाँचा तैयार कर लेते हैं कि, वे, "ये केवल *यही* प्रचार कर सकते हैं, और *वह* इसका प्रचार नहीं कर सकता हैं, और वह *इसे* प्रचार नहीं कर सकता, लेकिन *वो* इसका प्रचार कर सकता है," आपको क्या मिला है?

195 और वे स्त्रियां वहां ऊपर चलकर आती है। मैं पेंटीकोस्टल की बात कर रहा हूं। स्त्रियां वहां ऊपर वेदी की ओर जाती है, वे आगे आने के लिए विनती करती रहती है।

196 मैं हमेशा से ही वेदी की पुकार के विरोध में रहा हूं। इसे भी साफ–साफ कह देना चाहिए। मैं उन पर विश्वास नहीं करता। बाईबल में ऐसी कोई चीज ही नहीं है। कोई भी व्यक्ति कैसे आ सकता है, जब तक परमेश्वर उसे नहीं बुलाता है? आप उसे रोककर नही नहीं रख सकते। आपको किसी को बुलाने की आवश्यकता नहीं है। परमेश्वर ने उसे बुलाया है। वेदी की पुकार एक मेथोडिस्ट विचार है। यह सही बात है। वेदी की पुकार, वे उन्हें पकड़ लेते हैं, कहते हैं, "जॉन, तुम जानते हैं, तुम्हारी मां का बहुत समय पहले

निधन हो गया था।"

197 "ऊह–ऊह–ऊह, हाँ, भाई, ऊह–ऊह!" यह परिवर्तन करना नहीं है।

198 यहाँ, कुछ रात पहले, लुईसविले में हमने एक दिखावे को देखा था, एक महिला को एक ताबूत में लाया गया था, इसे शस्त्रागार के एक मंच पर रखा गया। "सैकड़ों लोग," कहा, "वेदी की ओर दौड़े।" सुसमाचार कोई डराना नहीं है। यह कोई सहानुभूतिपूर्ण भावना नहीं है। यह तो एक विश्वास का परिवर्तन है।

199 इन सभाओं पर ध्यान दें, इन महान सुसमाचारकों पर, और यहां तक कि मेरी नम्र छोटी सेवकाई में, ना ही मुझे छोड़ते हुए। कभी–कभी बाहर जाते हुए मुझे शर्म सा महसूस होता है। यह सही है। हमें अब क्या करना है? खड़े होकर और वेदी की पुकार करते है और उन्हें आगे आने के लिए राजी करते है। छोटी लड़कियां वहां पर आती है, और सभी च्युइंग गम चबाती हुई कहती है, "देखा? देखा? मैं आगे जा रही हूं। उंह–हुंह।" ये स्त्रियां वहां पर आगे आती हैं, कटे हुए छोटे बालों के साथ और रंगे हुए चेहरों के साथ, पेंटीकोस्टल, और अंदर जाकर, और बाहर आती है, और कहती हैं कि उन्होंने अन्य जुबान में बोला। और अपने बालों को कभी बढ़ने नहीं देती, और अब भी वही काम करती हैं जो वे करती थी। आप मुझे बताएं कि यह परिवर्तन है? यह परमेश्वर का उपहास उड़ाना है। बाईबल कहती है, "यह उनके लिए एक पाप और अपमान की बात है कि वे अपने बालों को काटे।" कैसे एक स्त्री जिसके बाल कटे हुए है, उस स्त्री को दोषी ठहरा सकती है, जिसका चेहरा रंगा हुआ है? इसे सुन लेना ही उचित है। वह घडी आ रही है, जब तक कि कुल्हाड़ी पेड़ की जड़ पर नही रखी जाती है। और हर एक पेड़ जो अच्छा फल नहीं लाता, वह काटा डाला जाता है।

200 क्या मामला है? यह गलत है, क्योंकि हमारे आधुनिक, तथाकथित प्रचारक यहां पर, बड़ी भीड़ और घमंड से भरे हुए, वे संगठन परमेश्वर के विषय में अधिक नहीं जानते है, जितना कि एक मिस्त्र की रात के बारे में होट्टेन्टॉट जाति जानती है, जब ये आता है। वे वहां पर जाते हैं...

201 क्या होता यदि वे लोग पेंटीकोस्ट के दिन वहां पर जाकर और कहते, "अब, यीशु ने हमें आज्ञा दी है कि हमें यहां ऊपर जाना चाहिए और तब तक यहीं बने रहना चाहिए जब तक हमें ऊपर से सामर्थ प्राप्त न हो जाए।

अब, भाइयों, हम पहले से ही यहां नौ दिन हैं। आइए हम इसे विश्वास के द्वारा स्वीकार कर ले। अब, हमारे पास पवित्र आत्मा है। हम बाहर जाते हैं, क्योंकि हम यहां पर रह चुके हैं। हमने वही किया जो यीशु ने हमें करने के लिए कहा”? तब वहां कभी कोई अनुभव नहीं मिला था।

202 मैं आपको कुछ तो बताना चाहता हूं। मैं जानता हूं कि यह टेप पर है, लेकिन जो भी हो यहाँ ये आता है। सुनना। मैं आपको कुछ तो बताने जा रहा हूं। यह शर्म की बात है। लोग कोशिश करते हैं... मैंने कभी भी यह विश्वास नहीं किया कि पवित्र आत्मा ऐसे “हिलना” होता है। मैंने कभी यह विश्वास नहीं किया कि पवित्र आत्मा “अन्य जुबान में बोलना, या रोना, या चिल्लाना इसका प्रमाण है।” वे भावनात्मक अनुभूतियाँ हैं। मैं विश्वास करता हूं कि पवित्र आत्मा ऐसा कर सकता है। लेकिन पवित्र आत्मा तो दैविकता का वास करना है। मैं विश्वास करता हूं कि लोगों का एक बड़ा झुंड जो पवित्र आत्मा होने का दावा करता है, उसके विषय में एक चीज भी नहीं जानता है। आप परमेश्वर से भेंट करते है।

203 कैसे, पेंटीकोस्ट के दिन, उन्होंने कहा... अब, जैसे की आज के बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन और मेथोडिस्ट, मैं पूछता हूं, “क्या आप विश्वास करते हैं कि आपके पास है... ? ”

204 “ओह, हाँ, हम इसे विश्वास के द्वारा स्वीकार करते हैं।” विश्वास के द्वारा, कुछ भी नहीं। ये ऐसा नहीं है।

205 यह एक सनसनी है, आपको सूर्यास्त देखना पसंद हैं, आप खड़े होकर और सूर्य को डूबते हुए देखते हैं, और रोते हैं, और आंसू बहने लगते हैं, यह परमेश्वर नहीं है, यह भावना है, किसी चीज से जो आप में है। जब आप किसी के बीमार होने या किसी के मरने की खबर सुनते हैं, आप चिल्लाते हैं और रोने लगते हैं। यह परमेश्वर नहीं है। ये मानवीय भावनाएं है। कैसे परमेश्वर...

206 मैंने लोगों को एक गेंद के खेल में देखा है, वे इतने खुश हो जाते हैं कि उनके होठ हकलाने लगते हैं, बाकी की हर एक चीज करते है। मुझे मत बताओ।

हमें बेदारी की आवश्यकता है, एक उद्धार की। और पेंटीकोस्टल लोग आते हैं, लोगों को भावनात्मक रूप से उत्तेजित करते हैं, और उन्हें बताते

हैं, "जब वे अन्य जुबान में बोलते हैं, तो उन्हें पवित्र आत्मा मिल गया है।" और उसके बाद में उनमें से कुछ लोग हर प्रकार का जीवन जीते हैं।

सुनो, भाई। पेंटीकोस्ट के दिन, ऐसा नहीं था। उन्होंने कभी किसी अन्य भाषा या किसी चीज पर निर्भर नहीं थे। जब वे वहां पर थे, एक स्थान पर खड़े हुए थे, एक चित्त होकर, परमेश्वर नीचे उतर आया, सचमुच, उनके बीच उतर आया। उन्होंने देखा, कि उनमें से हर एक के ऊपर, आग की जीभ की लपटें, लगभग *इस* तरह से, उनके सिर के ऊपर ठहरी हुई है। परमेश्वर वहां पर था। ऐसा नहीं था, "इसे विश्वास या किसी भावना के द्वारा स्वीकार करें।" वे पवित्र आत्मा से भर गए, और फिर बाहर जाकर अन्य जुबान में बोलना आरंभ किया। लेकिन, पहले, उन्होंने परमेश्वर से भेंट की।

आज यही मामला है। लोग उत्तेजित और उत्तेजित हो जाते हैं, जोश में आते है, भावुक हो जाते हैं, और यह पवित्र आत्मा नहीं है। पवित्र आत्मा दैविकता का वास करना है। आपके शब्द उसके वचन होते हैं। मैं आपको बताता हूं, कि आज हमें जिस चीज की आवश्यकता है, वह है एक बुलाहट।

207 लोग अंदर जाते हैं, ऐसी महिलाएं, अंदर जाती हैं, अन्य जुबान में बोलती हैं, वापस बाहर आ जाती हैं। और आप उनके स्थानों पर जाते हैं जहां पर उनकी कलीसियाये होती है...

208 काश कि बिली यहां पर बैठा होता। मुझे अभी कुछ दिन पहले ही कहीं से एक पत्र मिला, जिसमें एक महिला ने कहा, "मैं किसी एक, बड़ी... " पेंटीकोस्टल के सबसे बड़े संगठन, बड़े ट्रिनिटेरियन संगठन से थी। उन्होंने कहा, "हमारी सभी स्त्रियों ने, भाई ब्रन्हम, सभी ने अपने बाल काट डाले है। मेरे लंबे काले बाल थे।" उसने कहा, "मैंने हमेशा ही इस बात से पसंद किया, क्योंकि मैंने विश्वास किया कि यह प्रभु की ओर से है।" कहा, "मैंने कभी श्रृंगार नहीं किया। पर हमारी कलीसिया में सिखाया जाता है कि यह पुराना फैशन है।" कहा, "वे मुझे बताते हैं, कि जब मैंने अपने बालों को पीछे की ओर जुड़ा बांधा था, कहा, 'देखो, तुम्हारा पिछला टायर पंक्चर हो गया है,' और इसी तरह की बातें करते है। कहा, 'तुम अपने सिर के पीछे एक पंचर—पंचर टायर को लेकर चल रही हो।'" और कहा, "अंत में, मेरे पति ने कहा, 'तुम अपने बाल क्यों नहीं कटवाती हो और बाकी महिलाओं की तरह क्यों नहीं बन जाती हो?'"

अब मैं उसके लिए जवाबी पत्र भेज रहा हूं।

उसने कहा, “क्या ऐसा है? मैंने आपका एक टेप सुना है, कि मसीही बपतिस्मा यीशु मसीह के नाम में है।” अब, आप जानते हैं कि उसे क्या मिलेगा। क्या आप नहीं जानते? उसने कहा, “मुझे बताये, भाई ब्रन्हम। मुझे भूख लगी है। मैं जानना चाहती हूं कि मैंने क्या किया है।”

209 मैं कहने जा रहा हूं, “आपके उस पिछड़े पति पर शर्म आती है। और वो परमेश्वर रहित झुण्ड जिसके साथ आप आराधना कर रहे है, उनमें से बाहर आ जाओ।” ठीक है। परमेश्वर नहीं बदल सकता। जब परमेश्वर कुछ कहता है, तो उसका अर्थ वही होता है। मैं परवाह नहीं करता कि कितने पिछड़े हुए प्रचारक जो समझौता करना चाहते हैं, एक बड़े संगठन या एक झुण्ड को लेने के लिए। हमें उद्धारकर्मियों की आवश्यकता है। वे पुरुष जो खड़े होकर और अपनी पत्नियों को ऐसा करने देंते है, मुझे आपके मसीही होने के अनुभव में थोडा कम भरोसा है। सही है। पश्चाताप करें, या तो नाश हो जाये! हे प्रभु!

210 इस तरह से अंदर जाते है, कलीसियाओ से जुड़ते है, पेंटीकोस्टल कलीसियाओ से जुड़ते है, वापस बाहर आते है और कभी जरा सा भी नही बदलते; उसी चीज में बने रहते है, कभी भी थोड़ा सा भी न हिलते। ओह, दया कर! यह क्या है? आधुनिक ईजेबेल। बाईबल में केवल एक ही महिला है जिसने अपने चेहरे को रंगा, और परमेश्वर ने उसे कुत्तों को खिला दिया। आधुनिक ईजेबेल अपने अहाब को कॉलर से घसीटते हुए यहाँ वहां फिरती है, कोई भी छोटा सा डरपोक पुरुष जो अपनी पत्नी को ऐसा करने देता है, छोटे कपड़े और आदि–आदि पहनते देता है, और यहां सड़क पर निकलती हैं और ऐसे कपड़े पहनकर, ऐसा दिखाई देता है उसकी खाल कसी हुई है जैसे मांस के ऊपर खाल चढ़ी होती है। और जाकर... मैं यह मजाक में नहीं कह रहा हूं। यह मजाक करने का स्थान नहीं है। यह परमेश्वर का वचन है। यह सच है। सही है। सड़क पर इतनी तंग कपड़े पहनकर चलती है, इतना तक कि वो चल भी नहीं सकती। तब, कोई पुरुष उसके विषय में कोई टिप्पणी करता है, और आप उससे लड़ना चाहते हैं। आपको तो आपके गाल पर थप्पड़ मारने की जरूरत है, यह सही है, क्योंकि उसे ऐसा करने देते है। यह दिखाता है कि आप किस चीज से बने हैं। यह बिल्कुल सही है।

211 हमें जिस चीज की आवश्यकता है वह है सुसमाचार। परमेश्वर, किसी

ऐसे व्यक्ति को उस दृश्य पर खड़ा करें जो सीधे वचन की ओर वापस जाए। परमेश्वर ने कहा कि यहां तक कि एक महिला का बाल कटवाकर कलिसिया में आना और प्रार्थना करना भी सभ्य बात नहीं है। और एक महिला जो अपने बाल काटती है... एक पुरुष को उससे तलाक लेने का पूरा अधिकार है। वह एक अपमानजनक महिला है। बाईबल ने ऐसा कहा। वह अपने पति के लिए अपमानजनक है। हो सकता है उसे ये पता ना हो। कोई भी महिला जो छोटे कपड़े पहनती है ये अपमानजनक बात है। वह शायद यह नहीं जानती हो। महिला, मैं आपको ठेस पहुंचाने की कोशिश नहीं कर रहा हूं। मैं आपको आग की झील से और नरक से बचाने की कोशिश कर रहा हूं। पश्चाताप करे!

212 "ठीक है," आप कहते हैं, "मुझे पवित्र आत्मा मिला है।" फिर इस तरह से व्यवहार करते है, जिस तरह से परमेश्वर आपके अंदर वास करता है, वही परमेश्वर जिसने आपको ऐसा नहीं करने के लिए कहा है?

213 "तो ठीक है," आप कहते हैं, "मैंने अन्य जुबान में बोला।" मैंने शैतानों को अन्य जुबानों में बोलते देखा है। मैंने देखा है, अफ्रीका में, मनुष्य की खोपड़ी से लहू पीते है, और अन्य जुबान में बोलते है और शैतान को पुकारते देखा है। मैं जादूगरों और जादू–टोना करने वालों के शिविरों में रहा हूं, जहां वे अन्य जुबान में बोलते है और इसका अनुवाद करते है। मैंने देखा है कि पेंसिलें मेज पर रखी होती है और अज्ञात भाषाओं में लिखती है, और कोई व्यक्ति वहां पर आकर, इसका अनुवाद करता है। यह सच होता था। मुझे अन्य जुबानों के विषय में ना बताये। हमारे पास अभी इसकी बहुत अधिकता है।

फिर भी, मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर के पास एक अज्ञात भाषा है। मैं विश्वास करता हूं कि परमेश्वर अन्य भाषा में बोलता है, लेकिन उस पर निर्भर ना रहे। पौलुस ने कहा, "भले ही मैं मनुष्यों और स्वर्गदूतों की बोलियाँ बोलूं, और मेरे पास पवित्र आत्मा नहीं है, तो मैं अब भी कुछ नहीं हूं। भले ही मैं पहाड़ों को हटा सकता हूं... "

214 बहुत से लोग यह कहने की कोशिश करते हैं, "ओह, *यह* परमेश्वर का एक महान व्यक्ति है। तुम्हें महान अद्भुत कार्य को देखना चाहिए।" क्यों, शैतान चंगा करता है...

शैतान बाहर निकलकर और इस तरह की चीजों को करता है। मैं ऐसी

जादूगरनियों को जानता हूं जो बाहर जाकर, और इस तरह की चीज़ें करती है, उसके चारों ओर एक *इस* तरह से एक बड़ा रुमाल होता है। वे लोग उसमें पैसे डालते हैं। वह अपने सिर के पीछे से बाल निकालकर उन्हें खून में लपेटती है और उसमें डाल देती है। और वे लोग ईमानदार लोग होते हैं, वे इस पर विश्वास करते हैं। यह वह मनुष्य नहीं है। ये ऐसे लोग होते हैं जो विश्वास करते हैं कि वे जादू–टोने के जरिये से परमेश्वर के पास जा रहे हैं।

215 क्या यीशु ने नहीं कहा, "उस दिन बहुत से मेरे पास आएंगे, और कहेंगे, 'मैंने बड़े–बड़े चंगाई के अभियान किये थे'"? ये कोई चिन्ह नहीं है। ये एक चिन्ह है कि हम अंत में हैं। क्या यीशु ने मत्ती के 24वें अध्याय में, लगभग 24वे पद में भी नहीं कहा, 24:24? और उसने कहा, "अंत के दिनों में झूठे भविष्यव्यक्ता उठ खड़े होंगे और बड़े चिन्ह दिखाएंगे यहां तक कि वे चुने हुओ को भी भरमा देंगे, यदि यह संभव होता तो।" लेकिन चुने हुए वचन पर खडे होते है। वे जानते हैं कि एक सच्चा चिन्ह क्या होता है।

216 कैसे एक मनुष्य, जो इन चीजों को कर सकता है, जो परमेश्वर के विश्वास का इन्कार करता है, कहता है कि वह प्रभु की ओर से एक भविष्यव्यक्ता है? आखिर एक व्यक्ति भला कैसे हो सकता है?

वह एक भविष्यव्यक्ता हो सकता है, जैसे वे आहाब और यहोशापात के समय में थे, जब मिकायाह खड़ा हुआ था। लेकिन उनके पास वहां एक व्यक्ति था जो वचन पर खड़ा था, एलिय्याह। प्रभु का वचन लिखा गया था, कि आहाब उसके अंत में आ जाएगा, और एलिय्याह का दर्शन उसके साथ था।

217 और कोई भी मनुष्य, कोई भी मनुष्य जो खुद को आत्मिक या भविष्यव्यक्ता कहता है, स्वीकार करता है कि *इसका* हर एक वचन सत्य है। वह भला कैसे एक त्रिएकतावादी हो सकता है? वह कैसे "पिता, पुत्र और पवित्र आत्मा" के नाम में बपतिस्मा दे सकता है, और कहता है कि वह आत्मा से अभिषिक्त है? वह भला कैसे लोगों को उस गलत बात को सिखा सकता है, और फिर भी कैसे आत्मा से अभिषिक्त हो सकता है? ऐसा नहीं हो सकता। यह असंभव है।

218 मैं समझता हूं कि यह लोकप्रियता नहीं है। लेकिन हम लोकप्रिय नहीं होना चाहते। आपको ईमानदार होना चाहिए।

अब, ईजेबेल और वे आहाब। जी हां, श्रीमान।

219 क्यों, वे ऐसा क्यों करते हैं? वे स्त्रियां ऐसा क्यों करती है, अपने बालों को काटकर रखती है, और श्रृंगार करती है, और बाहर जाकर छोटे कपड़े पहनती है जब पुरुष वहां से गुजरते हैं, और इस तरह की चीजें करती है, उनके पति ऐसा करते हैं? क्योंकि उनके पास उनके पुलपीट में एक सच्चा भविष्यव्यक्ता नहीं है, जो कि उन्हें सच्चाई को बताए। वे उन्हें बताते हैं, "तो, यह कोई फ़र्क नहीं है। इसमें कोई बात नही। आपका *इस* से कोई लेना-देना नहीं है।" आपका!

220 यह प्रभु का वचन है। बाईबल ने कहा, "कोई भी स्त्री जो पुरुष के वस्त्र पहनती है, वह परमेश्वर के सामने एक घृणित बात है।" परमेश्वर नही बदलता। वह कैसे बदलकर और परमेश्वर बना रह सकता है? वो तो अनंत है।

221 उन्हें एक सच्चे भविष्यव्यक्ता की आवश्यकता है जो उन्हें बताये कि यह अंत का चिन्ह है। बाईबल ने कहा कि वे इसे करेंगे। यशायाह, 5वां अध्याय, कहता है कि स्त्रियां अंतिम दिनों में ऐसा करेंगी। बिल्कुल। तो, वहां पर वे हैं।

222 लेकिन वे कहते हैं कि उनके पास पुलपीट में एक भविष्यव्यक्ता है, जो परमेश्वर के वचन से डरता है। ना ही... वह तो सभा के लोगों से डरता है।

आइए हम परमेश्वर से प्रार्थना करें कि हमारे लिए उस अंतिम उजियाले को भेजे, उस सांझ के उजियाले को, हमारे लिए एक को भेजें जिसे भेजने की उसने प्रतिज्ञा की है, चुनी हुई कलीसिया के लिए, जो उन्हें बताएगा कि सच्चाई क्या है, परमेश्वर के वचन पर खड़ा रहेगा। ईजेबेल और वे आहाब को, तब वे उन्हें अलग कर देंगे। बिल्कुल ऐसा ही है।

223 याद रखें जब महिलायें इस तरह से व्यवहार करना आरंभ करती है। अब जरा सा पीछे की ओर जाये, जब उन्होंने अपने बालों को काटना आरंभ किया और इस प्रकार का व्यवहार करने लगी। जब स्त्रियां इस प्रकार का व्यवहार करने लगती है, तो यह उस समय और उस ऋतु में होता है जब अंतिम दिनों में एलिय्याह अंत समय के चिन्ह के साथ दृश्य पर प्रकट होना है, अंत समय के चिन्ह के साथ जैसे यह लूत के दिनों में था। देखा? अंत समय का चिन्ह; जब महिलायें इस प्रकार का व्यवहार करना आरंभ करती है। वे अभी इस तरह का व्यवहार कर रही हैं। यह उस समय पर होता है जब एलिय्याह को दृश्य पर प्रकट होना है, वो चीजों को साफ़ करता है

और पुकारता है, डांटता है और फटकार लगाता है, ठीक, उसके पीछे परमेश्वर के चिन्ह के साथ, वो आगे बढ़ता है। वह अब किसी बड़े झुण्ड को नहीं बुलायेगा। बाईबल ने कहा, "डरो मत, छोटे झुंड, यह तुम्हारे पिता की भली इच्छा है कि तुम्हें राज्य को दे।" यह सही है। यह बिल्कुल सही है।

224 उसे छोटे झुण्ड को छोड़ सभी के द्वारा अस्वीकार किया जाना है, क्योंकि वह अपने सात सौ लोगों के साथ एलिय्याह के जैसे है, और यूहन्ना अपने छोटे झुण्ड के साथ है। जी हां।

225 आप देख रहे हैं कि हम आज कहां खड़े हैं? हमें मूल पेंटीकोस्ट की ओर वापस जाना होगा। हमें परमेश्वर की बातों की ओर वापस जाना है। हमें वापस जाना होगा। भाईयो, बहनो, अपने अनुभव में भरमाये मत जाओ। हम—हम उस घड़ी की प्रतीक्षा कर रहे हैं।

226 आप बस इसे ना ले, "मैं—मैं ऐसी आशा करता हूं। मैं विश्वास करता हूं, मैं विश्वास के द्वारा इसे स्वीकार करता हूं।" आप ऐसा ना करें। आप परमेश्वर से आमने–सामने भेंट करते हैं, और आप आत्मा से भर जायेंगे, और फिर आप देखेंगे कि क्या होता है। और यदि वो आत्मा आप में है जो इस वचन के विपरीत होती है, तो आप उस आत्मा को छोड़ दे। जाकर एक... परमेश्वर से प्रार्थना करें कि तब आपको उसकी आत्मा दे।

227 जब यह आत्मा अंतिम दिन में उठेगी, तो यह उनके विरुद्ध एक चेतावनी होगी, वे जो झूठे हैं। देखा? क्योंकि, यूहन्ना ने कहा, "अपने आप में भीतर ही भीतर ये मत सोचो कि हम... कि हमारे पास 'हमारा पिता अब्राहम है।'" हमारे पास... हम...

"हम, हमारे पूर्व–पिता मेथोडिस्ट, बैपटिस्ट, प्रेस्बिटेरियन, या पेंटीकोस्टल थे।" तुम यह कहने के लिए मत सोचो, "परमेश्वर," और तुम अब्राहम की संतान हो, क्योंकि परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए सन्तान को खड़ा कर सकता है। यह मत सोचे क्योंकि आप पेंटीकोस्टल है, तो आपको क्षमा कर दिया जाएगा। बिल्कुल भी नहीं। परमेश्वर इन पत्थरों से अब्राहम के लिए संतान को खड़ा करने में सक्षम है। यह बिल्कुल सही है। जी हां, श्रीमान।

228 बस परमेश्वर के वचन को बोलो, अंतिम दिन की सच्चाई में। उसकी भविष्यवाणी है...

229 यदि आप चाहे, तो मैं बस एक मिनट के लिए यहां वापस आऊंगा, मैं आपको दिखाऊंगा कि हम कैसे पता लगा सकते हैं। मैंने यहां पर बहुत से वचन लिखे हुए है। मैं बस उनका उल्लेख कर रहा था। मैं आपके लिए एक वचन पढ़ना चाहता हूं। आइए, पहले, आइए हम ले... आइये हम व्यवस्थाविवरण को ले, 18वां अध्याय, और हम देखेंगे, बस एक मिनट। बस वैसे ही, इससे पहले कि हम यहां बंद करें, सो मैं आपके लिए इस वचन को पढ़ सकता हूं। व्यवस्थाविवरण में, 18वां अध्याय, तो ठीक है, और आइये अब हम देखे। 18वें अध्याय का 20वां पद, व्यवस्थाविवरण, 20:

> *परन्तु जो भविष्यव्यक्ता ऐसा मान कर मेरे नाम से कोई ऐसा वचन कहे, जिसकी आज्ञा मैंने उसे कहने के लिए न दी हो, वा पराए देवताओं* (बहुवचन) *के नाम से कुछ कहे, वह भविष्यव्यक्ता भी मर जायेगा।*

यह सही है। आत्मिक रूप से मर जाता है। तो ठीक है। "जो प्राण पाप करता है, वो मर जायेगा।" हमारे पास एक परमेश्वर है, ना कि "बहुत से परमेश्वर।"

> *और यदि तू अपने मन में* कहता *है, कि जो वचन **यहोवा*** ने... *नहीं कहा उसको हम वचन को किस रीति से पहचानें?*

"हम कैसे पहचानेंगे? उनमें से बहुत से होंगे, हम कैसे पहचानेंगे? यह एक *ऐसा* कहता है, दूसरा *इस प्रकार* से कहता है। तो, एक *ऐसा* कहता है, और दूसरे ने *ऐसा* कहा, और इत्यादि।" अब ध्यान दे। हम जानते हैं।

> *जब एक भविष्यव्यक्ता **यहोवा** के नाम से बोलता है, तब यदि वह वचन घटित ना हो, और पूरा न हो जाए, तो वह वचन **यहोवा** का बोला हुआ नहीं, परन्तु उस भविष्यव्यक्ता ने वह बात अभिमान करके कही है: तू उस से भय न* खाना*।*

230 यदि परमेश्वर ने इसे नहीं कहा है, तो इससे डरो मत। यह—यह सब ठीक है, बस आगे बढ़ो और इसके बारे में भूल जाओ। समझे?

231 अब उस की ओर देखो हम आज क्या सुनते हैं। प्रेरितों का मत–सिद्धांत, मेथोडिस्ट का मत–सिद्धांत, बैपटिस्ट का मत–सिद्धांत, पेंटीकोस्टल का मत–सिद्धांत, मत–सिद्धांत, मत–सिद्धांत, मत–सिद्धांत। एक मत–सिद्धांत क्या है? आपको यह कहां से मिलता है? मैं किसी को

भी चुनौती देता हूं कि मुझे बाईबल में प्रेरितों का मत–सिद्धांत दिखाये। मैं सोचता हूं कि वहां ऐसी कोई चीज नहीं है।

यदि प्रेरितों के पास कोई सिद्धांत था, जिस पर वे कभी टिके रहे, तो यह यहां है: "तुम में से हर एक जन पश्चाताप करे, और अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा ले, और तुम पवित्र आत्मा के दान को पाओगे। क्योंकि प्रतिज्ञा तुम्हारे लिए है।"

क्या आप नहीं देखते कि हम कहाँ पर हैं, मित्रों? हम एक भयानक स्थिति में हैं। यह क्या है? एक सच्चा चिन्ह जिसे अनदेखा किया गया है।

232 अब, आप में से अधिकांश पुरुष और महिलायें, और आप परमेश्वर की संतान हैं। इसे अनदेखा ना करें। याद रखें कि हमारे पास ये चीजें होनी चाहिए। उन्हें इस दिन में घटित होना है, इस घड़ी में जिसमें हम अभी रह रहे हैं। यह वो घड़ी है, मसीहा के आने से ठीक पहले, वहां परमेश्वर की ओर से एक घोषणा होनी चाहिए।

मुझे आपके लिए इसे पढ़ने दो। आइए हम वापस मलाकी की ओर जाए। यह पुराने नियम के अंतिम में है, और सुनिए कि वह यहां मलाकी में क्या कहता है। तब हम... इसे अब कुछ क्षण के लिए सुनना।

अब, यदि आप ध्यान दें, मलाकी 3, बोल रहा है कि यीशु ने यूहन्ना के आने के बारे में कहा:

> *देखो, मैं अपने सन्देशवाहक को भेजूंगा, और वह मेरे आगे–आगे मार्ग को तैयार करेगा: और प्रभु, जिसे तुम ढूंढ़ते हो, वह अचानक अपने मन्दिर में आ जाएगा; यहाँ तक वाचा का वह सन्देशवाहक, जिससे तुम प्रसन्न होते हो, देखो, वह आयेगा, सेनाओं के **यहोवा** की यही वाणी है।*

233 यह यूहन्ना था, जो यीशु के आगमन की घोषणा कर रहा था। और वह मंदिर में आया, ठीक वही जो उसने कहा, वाचा का सन्देशवाहक, वो दूत जो कि... जंगल में चेलो के साथ—के साथ था, मेरा मतलब इस्राएल के साथ। क्या आप विश्वास करते हैं कि यह वही संदेशवाहक था? तो उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और मैं परमेश्वर के पास जाता हूं।"

234 अब, पौलुस को एक बीमारी क्यों दी गई थी? उसे नम्र बनाए रखने के लिए।

यीशु के मरने, और गाड़े जाने, और फिर से जी उठने के बाद; लंबे समय के बाद, पौलुस की उससे दमिश्क के मार्ग पर, आमने–सामने भेंट की। (उसने कहा, "मैं परमेश्वर से आया हूं, और परमेश्वर के पास जाता हूं।") पौलुस ने ऊपर की ओर देखा। वहां एक बड़ा उजियाला था, वही अग्नि का स्तंभ। क्या आप जानते हैं कि मैं किस बारे में बात कर रहा हूं? वही अग्नि का स्तंभ। और पौलुस ने उससे बात की, और उसने वापस पौलुस से बात की। लोगों ने उसे नहीं सुना। उन्होंने उसे नहीं सुना। लेकिन पौलुस ने उसे सुना। उसने कहा, "शाऊल, शाऊल, तू मुझे क्यों सताता है? "

उसने कहा, "प्रभु, आप कौन है? "

235 उसने कहा, "मैं यीशु हूं। अब उठकर और सीधी कहलाने वाली गली में चला जा। तुझे वहां से आगे बताया जाएगा। मेरा एक भविष्यव्यक्ता है जो वहां पर आ रहा है कि तुझे बताये कि क्या करना है, तू देखना। और कैसे... "

236 पौलुस ने वहां जाकर, बपतिस्मा लिया, और प्रभु को पुकारा, पवित्र आत्मा को पाया।

और पौलुस ने कहा, "मेरे शरीर में एक दुर्बलता थी, जो मुझे दी गई थी, एक शैतान, शैतान का एक दूत, जो मुझे *घूंसा* मारता है," यह इस तरह से है, "एक के बाद एक वार।" वह अच्छा हो जाता है, और फिर इसे लेता है, उसे फिर से मारता है। कहा, "मैंने तीन बार प्रभु से परामर्श किया, कि इसे मुझसे दूर ले जाए, लेकिन प्रभु ने कहा, 'पौलुस, मेरा अनुग्रह तेरे लिए काफी है।'" फिर कहा, "इतना तक प्रकाशन की बहुतायत से... मैं फूल ना जाऊं।"

उसके पास याकूब, यूहन्ना, या पतरस, उनमें से किसी से भी अधिक प्रकाशन था। उसके चले जाने के बाद उसने उसे देखा क्योंकि हो सकता है दो वर्ष, या उससे अधिक, एक अग्नि के स्तंभ में खड़ा हुआ, उससे बात कर रहा था। आज वो कितना अधिक महान है, दो हजार वर्ष के बाद, और वह अब भी जीवित है! आमीन।

237 कहा, "मुझे इसे दिया गया था, इतना तक कि मैं फूल ना जाऊं, कहते हुए, 'अब, भाई, मैं आप सभी से ऊपर हूं। देखा? मैंने—मैंने उसे उसके मरे हुओं में से जी उठने के बाद देखा है, और मैंने उससे बात की है। मैं... '

यहाँ तक मैं वहां खुद को ऊपर ना उठाऊं, वहां मुझे कुछ तो दिया गया था, ताकि मुझे नम्र बनाये रखे।" जी हां।

238 वही वो एक था जिसने उन्हें यीशु के नाम में फिर से बपतिस्मा लेने के लिए कहा। कहा, "यदि स्वर्ग से एक दूत… "

239 उसने कहा, "मैं उनके विद्यालयों में नहीं गया, जहां कहीं भी वो थे।" कहा, "मैं तुरंत ही यरूशलेम नहीं गया, और ना ही चौदह वर्ष तक।" कहा, "मैं वहां मिस्र में चला गया, वहां नीचे एशिया में।" और उसने प्रभु से परामर्श किया, वो वहां पर लगभग तीन वर्षों से था, पुराने नियम का अध्ययन कर रहा था, इस सब के साथ तुलना करके देख रहा था। जब वह वापस आया, चौदह वर्ष के बाद, पतरस और उन लोगों से मिला, और उनके पास वही सुसमाचार था, उसी तरह का बपतिस्मा, और उसी चीज को किया। आमीन। वह जानता था कि यह सही था। जी हां, श्रीमान।

240 अब मलाकी को सुनना, यहाँ पर, मलाकी 3। अब, यदि आप कर सकते हैं, तो मैं आपके लिए इसे स्पष्ट कर दूं। मैं विश्वास करता हूं… आइए हम अब बहुत ही सहजता से मत्ती के 11वें अध्याय की ओर जाये, और देखें कि क्या मैं… हो सकता है मैंने गलत लिया है, मैं सोचता हूं कि मुझे यह मिल गया है, मुझे इसे समझने के लिए शायद पहले देखना होगा। मत्ती 11। आइये हम देखे। यहां से आरंभ करें:

> *और ऐसा हुआ, जब यीशु अपने बारह चेलों को* उसकी *आज्ञा को देना* समाप्त *कर चुका, वो वहां से शिक्षा देने और उनके नगरों में प्रचार करने को चला गया।*
>
> और… *अब जब यूहन्ना ने… सुना* कि वो… *कैद में मसीह के कामों को सुना था,* जो… *कैद में मसीह के कामों को सुना, उसने अपने दो चेलो को भेजा,*
>
> *और उस से कहा, कि क्या आनेवाला तू ही है, या हम दूसरे की बाट जोहें?*

यूहन्ना की उकाब की आंख ने वहां कैद खाने में फिल्म को देख लिया। समझे?

> *यीशु ने उत्तर दिया और उस से कहा, जाकर… यूहन्ना को इन बातों को फिर से सुनाओ, जो तुम… सुनते और देखते हो:*

"यूहन्ना एक भविष्यव्यक्ता है। और यदि वह—वह इसे सुनेगा, कि क्या हो रहा है, वह जान जाएगा कि मैं कौन हूं।" समझे? उसने कहा:

> *कि अन्धे को उनकी दृष्टि मिलती है,... और लंगड़े चलते हैं; कोढ़ी शुद्ध किए जाते हैं... और बहरे सुनते हैं, मुर्दे जिलाए जाते हैं,...*

"और सारे संप्रदाय एक साथ हैं"? यह इस तरह से नहीं कहता है, क्या ये कहता है? नहीं। ये ऐसा नहीं कहता है। इसने कहा:

> *... लंगड़े चलते है, कोढ़ी शुद्ध होते है,... बहरे सुनते है,* और *मुर्दे जिलाए जाते हैं, और* उन *कंगालों* को *सुसमाचार सुनाया जाता है।*

वहां वो चिन्ह है। देखो:

> *और जब वे चले गए...*

> *और धन्य है वो*, जो... *मेरे कारण ठोकर नही खाता* है।

अब ध्यान दें: "धन्य है वो जो मेरे कारण *ठोकर* नहीं खाता है," दूसरे शब्दों में, या, "मुझ से *लज्ञित* नही होता है। धन्य है वो जो मुझ से लज्ञित नहीं होगा।" देखा?

> ... *जब वे वहां से चल दिए, तो यीशु* भीड़ *से यूहन्ना के विषय में कहने लगा, तुम वहां जंगल के अंदर क्या देखने गए थे?*

अब इस भविष्यव्यक्ता को देखें:

> ... *तुम वहां जंगल के अंदर क्या देखने गए थे? क्या हवा से हिलते हुए सरकण्डे को?*

ना ही यूहन्ना को। ओह, नहीं। "तुम घास में छुपे सर्प की पीढ़ी हो," उसने उन संप्रदायों से कहा, "किसने तुम्हें चेतावनी दी है कि आने वाले क्रोध से भागो? यह कहना आरंभ ना करना, 'हम *इस* और *उस* से संबंध रखते हैं, क्योंकि परमेश्वर इन पत्थरों से संतान को खड़ा कर सकता है।'" ओह, भाई, यह उसके साथ हवा से हिलता हुआ एक सरकण्डा नहीं था।

> ... *हवा से हिलते हुए एक सरकण्डे को?*

> या *तुम किस बात को देखने के लिए वहां गए थे? क्या कोमल वस्त्र पहने हुए एक मनुष्य को?* (क्या प्रचार करते समय उसे दो

या तीन बार अपने कपड़ो को बदलना पड़ता हैं?) *देखो, वे जो कोमल* वस्त्र *पहनते हैं, वे कपड़े राजभवनों में होते हैं।*

वे वो सेवक हैं जो वहां पर जाकर और छोटे बच्चों को चूमते हैं, आप जानते हैं, और—और युवा लोगों का विवाह करवाते हैं, और—और विद्यालय जाते है और बौद्धिक बातें करते है, और, आप जानते हैं, ये सारी छोटी–छोटी कायरता की बातें करते है। देखा? देखा? वो यहां सामने की पंक्ति में दो धारी तलवार को नहीं चलाता है। "तुम वहां क्या देखने जाते हो, इस प्रकार के किसी व्यक्ति को? " वह... वह उनसे पूछ रहा था।

लेकिन तुम क्या... देखने के लिए वहां गये? एक भविष्यव्यक्ता को? (सुनना।) *हां,* और *मैं तुमसे कहता हूं, और एक भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर।*

जी हां, श्रीमान। वो क्या था? कहे तो, "वह भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर है? " वह एक भविष्यवक्ता था, *उसके साथ*। वह उस युग का संदेशवाहक था।

... तुम क्या... देखने के लिए वहां गये? एक भविष्यव्यक्ता? हां, और मैं तुमसे कहता हूं, और एक भविष्यव्यक्ता से भी बढ़कर।

क्योंकि यह वही है,... जिसके विषय में लिखा है, कि देखो, मैं अपने सन्देशवाहक को अपने आगे–आगे भेजता हूं,... कि उस *मार्ग को* मेरे *आगे तैयार करे।*

यहां मलाकी 3 में देखें। "देखो, मैं अपने संदेशवाहक को अपने आगे–आगे भेजता हूं।"

241 देखो। अब, मलाकी 4, मुझे इसे पढ़ने दे। वह फिर से आने वाला है।

... देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है; और सारे अभिमानी, हां,...

242 यही आज है। मैं वहां सड़क पर चलता हूं और इन लोगों को देखता हूं। आप उनसे बात कर सकते हैं, और वे आप पर हंसते हैं, आपका मजाक उड़ाते हैं। मैं सोचता हूं, "यह क्या है? "

उस दिन की बात है, मैं यहाँ, नीचे, चौक के किनारे–किनारे चल रहा था। मैं कुछ लोगों से बात कर रहा था, और उन्होंने इतना ही कहा, "ओह, " वे लोग आगे चले गये।

किसी ने तो तब मुझसे कहा, “वे परमाणु बम का चारा है, जल्द ही जमीन पर बिखरी हुई राख बन जायेंगे। उन्हें अपने हाल में छोड़ दो। तुमने अपनी बात बोल दी है। तैयार हो जाओ और यहां से निकलो।” हाल्लेलुय्या! मुझे ऐसा नहीं कहना चाहिए था, मैं समझता हूं। “अपने आप को तैयार करो। अपनी कमर बांध लो। मैं तुम्हें बता रहा हूं।” यही कारण है कि मैं रुका हुआ हूं।

> *क्योंकि, देखो, वह धधकते भट्ठे का सा दिन आता है;* हां, *वे सब अभिमानी... और सब दुराचारी लोग, अनाज की खूंटी* जैसे *बन जाएंगे:...*

बिल्कुल ऐसा ही होगा। क्या होता है जब एक बड़े... आप में से कुछ किसान; जब एक गेहूं के खेत में एक भीषण आग लग जाती है, जब ये बस अनाज की ठूँठ रह जाती है? पीछे राख के साथ वह बस सपाट पड़ी रहती है। यही है जो करेगा, जब यह, जब यह जलने लगती है।

> ... *वो दिन* आता है कि *वे ऐसे भस्म हो जाएंगे कि उनका ना कोई जड़ बचेगा न ही कोई शाखा, सेनाओं के* ***यहोवा*** *का यही वचन है।*

उनमें से कुछ भी नहीं बचेगा।

> *परन्तु तुम्हारे लिये जो मेरे नाम का भय मानते हो, धर्म का सूर्य* उदय *होगा, और उसके पंखों के द्वारा तुम चंगे हो जाओगे;...* तुम *निकल कर पाले हुए बछड़ों की नाईं खलियान* में *कूदोगे और फांदोगे।* (यही सह–शताब्दी है।)

> और *तब तुम दुष्टों को लताड़ डालोगे; क्योंकि मेरे* उस *ठहराए हुए दिन में वे तुम्हारे पांवों के नीचे की राख बन* जाएंगे, *सेनाओं के* ***यहोवा*** *का यही वचन है।*

वहां आते हुए, सह–शताब्दी में। “दुष्टों की राख।”

> *याद रखो... मेरे दास मूसा की व्यवस्था, अर्थात जिसकी मैंने होरेब में... उसे आज्ञा दी थी, सारे इस्राएल के लिये, उस* अधिनियम *और* न्याय *के* रूप *में।*

अब, अब ध्यान से सुनना।

देखो, यहोवा के उस *बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह नबी को भेजूंगा:*

243 अब, यह यूहन्ना नहीं हो सकता था। यह नहीं हो सकता, क्योंकि तब संसार नष्ट हो गया होता। लेकिन यहाँ उसने कहा, मत्ती 3 में, वह अपने आगे एक संदेशवाहक को भेजता है। और यीशु ने कहा, "यही एलिय्याह है जो आने वाला था, ताकि मेरे आगे मार्ग को तैयार करे।"

"लेकिन इससे पहले कि यह बड़ा परमाणु बम गिरे, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह भविष्यव्यक्ता को भेजूंगा।"

और वह पूर्व–पिताओं के हृदय *को उनके पुत्रों की ओर, और पुत्रों के* हृदय *को उन पूर्व–पिताओं की ओर फेरेगा, ऐसा न हो कि मैं आकर पृथ्वी को शाप के साथ सत्यानाश करूं।*

244 भविष्यवाणी, इस दिन में।

लेकिन अब आप कहते हैं, "ओह, वो एलिय्याह, यह तो यूहन्ना होना था।" वाचा का सन्देशवाहक वास्तव में यूहन्ना था। यह बिल्कुल सही है। यीशु ने ऐसा कहा, और इसे ठीक यहाँ पर प्रमाणित किया, "यही वो एक है जिसके विषय में मैंने बात की है।" लेकिन, आप देखते हैं, यह एलिय्याह नहीं हो सकता है जो आने वाला था। देखा? यह नहीं हो सकता। क्योंकि, आप देखते हैं, यदि ऐसा होता है, तो भविष्यवाणी गलत थी; पृथ्वी पहले वहां पर नष्ट नहीं हुई थी। देखा? "लेकिन यहोवा के उस बड़े और भयानक दिन के आने से पहले, मैं तुम्हारे पास एलिय्याह को भेजूंगा। और वह लौटाएगा," उसके पहले आगमन पर ध्यान दे, "पिताओ के हृदय बच्चों की ओर।" यही है जो उसने पहले किया, नए समय काल के संदेश को लाया, अब मसीह का आगमन, पुराने रूढ़िवादी पिताओं को उस रूढ़िवादी विश्वास से दूर खींचते हुए, एक नए विश्वास में जो अभी–अभी जन्मा था।

फिर जब वो दूसरी बार आता है, "और बच्चों के हृदय को पेंटीकोस्टल पिताओ की ओर फेरता है, मूल संदेश की ओर।"

245 अब यहाँ प्रकाशितवाक्य 3 में जाये, और आप इसे फिर से ठीक वहां पर देखेंगे। सो, इसकी भविष्यवाणी की गई है। हम अंत समय पर हैं, मेरे भाई। यह सही है।

246 जैसे कि चार सौ भविष्यव्यक्ता मिकायाह के विरोध में थे, वे कहते हैं कि हम... हम उस अंतिम दिन में हैं, हम जानते हैं। झूठे भविष्यव्यक्ता, झूठे

चिन्हों को दिखाते है, संप्रदायों में जुड़ते हुए। वे कहते हैं, "आकर और जुड़ जाओ। आओ हम जुड़ जाये। आप आकर और हमारी कलीसिया में जुड़ जाये। अपनी सदस्यता को लेकर आये। हमारे द्वार आज सुबह आपके लिए खुले हैं ताकि आप अपनी सदस्यता को *उस* कलीसिया से *इस* एक में स्थानांतरित करें।" ओह, बकवास। आपकी सदस्यता से आपका क्या लाभ होगा? यदि आपके पास स्वर्ग में विरासत नहीं है, तो इसके बारे में भूल जाये। झूठे भविष्यव्यक्ता झूठे चिन्हों को दिखायेंगे।

247 लेकिन, देखो, सच्चे भविष्यव्यक्ता, वे परमेश्वर के वचन के साथ बने रहेंगे। सच्चे चिन्ह परमेश्वर के सच्चे वचन को एक सच्ची कलीसिया के लिए लेकर आयेंगे, और सच्ची कलीसिया वचन को ग्रहण करेगी और इस पर आनंदित होगी। जब वो छोटा झुंड, जिसे अंत के दिनों में दिया जाएगा, जो अन्यजातियों के शेष बचे हुए होंगे, जिन्हें आगे ले जाया जायेगा।

248 जब यीशु आया, वहां कोई नहीं था—था, लेकिन वहां बहुत थोड़े ही थे जिन्होंने विश्वास किया। यूहन्ना का छोटा झुण्ड ही वो एक था जिसने विश्वास किया। यीशु ने उन्हें वहीं से ले लिया, उन्हीं में से चेले बनाये और आगे बढ़ गया। जब एलिय्याह...

249 जब विनाश आया, जब नूह का समय आया, वह एक चिन्ह था, और वो लोगों को जहाज में लेकर गया। जब एलिय्याह आया, उसने लोगों को उस उलझन में से बाहर निकाला जिसमें वे थे। जब यूहन्ना आया... वे सारे भविष्यव्यक्ता चिन्ह, चिन्ह, चिन्ह, चिन्ह थे।

और उसने हमसे अंतिम दिन में एक चिन्ह की प्रतिज्ञा की है। अंत के दिनों में एक चिन्ह होगा। यह एक अनदेखा किया गया चिन्ह है। लोग इसे नही देखते है। वे बस इसे अनदेखा करके निकल जाते हैं, और उसे ऐसे ही जाने देते हैं। भाईयो, बहनों, कलीसिया में ना जुड़े। मुझे यह कहने दो, अब बंद करते हुए।

250 यदि आपको केवल किसी भावना का अनुभव हुआ है, किसी सनसनी का, तो आप उस पर विश्राम ना करें। आप ऐसा ना करें। आप लोगों के लिए। आप... मैं लोगों से बात कर रहा हूं। मैंने उन्हें वहां पीछे टेप रिकॉर्डर के बटन को दबाते सुना, ठीक तभी। मैं अब कलीसिया से बात कर रहा हूं। देखा? सुनना, आप नहीं...

251 मैं उनमें से बहुत सी बातें कभी–कभी इस तरह से कहता हूं, ताकि

लोग बाहर देश में यहां... परमेश्वर के साथ बने रहें। अपने सच्चे चिन्ह के लिए देखे। आप इसे देखेंगे। यह आपके आसपास ही होगा, लेकिन लाखों लोग इसके साथ–साथ चलेंगे और इसे नहीं देखेंगे।

जब यीशु आया, उन्होंने उसे नहीं जाना।

उन्होंने एलिय्याह को नहीं पहचाना। आप जानते हैं जब एलिय्याह ऊपर गया तो उन्होंने क्या कहा? उन्होंने उस मुर्खता का विश्वास नहीं किया। उन्होंने कहा, "यह बकवास है।" बच्चे ठीक वहां पर अपने ही नगर में, जहां वह रहता था... वह वहां पर रहा, वहां पर प्रचार किया, चिन्ह और अद्भुत कामों को ठीक वहां उस देश में किया, जब वहां पर एक चेतावनी आयी, "हम एलिय्याह को नहीं ढूंढ सकते; प्रभु ने उसे एक बवंडर में ऊपर उठा लिया," वे इस तरह की चीज पर हंसे।

252 यहाँ एलिय्याह आता है... एलीशा आया, उसी चिन्ह के साथ जो उस पर थे, मसीह और उसकी कलीसिया का एक नमूना। यहाँ एलिय्याह आता है, उ–... एलीशा, आया उसी चिन्ह के साथ जो एलिय्याह के पास थे, ठीक नीचे आता है, इसे करते हुए, यहां तक कि उनके छोटे बच्चे भी उसके पीछे–पीछे जाते और कहते, "बूढ़े गंजे सिर वाले, तुम एलिय्याह की तरह ऊपर क्यों नहीं गए?" देखा उन अनादर करने वाले बच्चों के साथ क्या हुआ?

आज वे हंसते हैं और मजाक उड़ाते हैं। चिंता मत करो, भाई, न्याय ठीक अभी आकाश में मंडरा रहा है। यह हर एक अमेरिकी के चेहरे पर लिखा हुआ है। यह सही है। न्याय आकाश में मंडरा रहा है, सर्वशक्तिमान परमेश्वर का सारा क्रोध।

253 [टेप पर खाली स्थान—सम्पा।] "जो भले हैं उन्हें तुच्छ समझते है; भक्ति का भेष तो धरते हैं, लेकिन उसकी शक्ति का इन्कार करते हैं: ऐसों से परे रहना।"

254 आप किसी सनसनी को ना ले। आप किसी भावना को ना ले। जब तक आप परमेश्वर से आमने–सामने भेंट नहीं करते हैं, तब तक आप कुछ भी ना ले, और परमेश्वर की आत्मा को आपके अंदर आने दे। वह आपके ह्रदय और प्राण को सामर्थ, और प्रेम, और जोश के साथ भर देगा।

255 परमेश्वर, अगले कुछ दिनों में कहीं तो मेरे स्थान को पाने में मेरी सहायता करें, वहीं पर बना रहूं जब तक मैं देख नहीं लूं कि मेरा अगला

कदम कहां है।

256 हमने लंबे समय तक प्रतीक्षा की है। मैंने लंबे समय तक प्रतीक्षा की है। मुझे याद है मैं वहाँ पीछे अपने आँगन की घास काट रहा था। जब मैंने इस भवन को यहां पर बनाया, प्रभु ने मुझे बुलाया। मेरी पत्नी रो पड़ी क्योंकि वह अपनी मां को छोड़ना नहीं चाहती थी। उसने कहा, "हो सकता है उसकी देखभाल नहीं होगी।"

और मैंने सोचा, "मेरी भी एक बूढ़ी माँ है।"

257 मैं वहां बैठा हुआ था, एक दिन घास को काट रहा था। मैं नीचे बैठ गया। बिल्कुल स्पष्ट, एक आवाज आयी, कहा, "अपने आप को अलग करो, तब मैं तुम्हें आशीष दूंगा।"

मैंने कहा, "प्रभु परमेश्वर, यहां मुझे खुश रखे। आप देख रहे है मैं किस चीज़ का सामना कर रहा हूं।"

258 वे सारी बातें अब समाप्त हो चुकी है। माँ ब्रॉय महिमा में चली गयी है; माँ ब्रन्हम भी।

"मेरा अगला कदम कहाँ है, प्रभु? "

259 इन दिनों में से एक दिन इस देश पर न्याय प्रहार करेगा। ऐसे दूसरे राष्ट्र भी हैं जिन्होंने सुसमाचार को नहीं सुना है। वहां ऐसे स्थान है।

260 आप जो कुछ भी करे, आप मेरे शब्दों को मत भूलना। क्या आप नहीं करेंगे! इस बात को लंगर होने दो, परमेश्वर एक लोहे की कलम को लेकर, और इसे आपके हृदय में खोदे, ताकि आप इसे नहीं भूलें। इसे मत भूलना! **यहोवा यों कहता है**: अपने सम्पूर्ण हृदय से परमेश्वर के पास लौटे, वापस आ जाये। भावना, सनसनी, या किसी भी चीज पर निर्भर ना रहे। जो कुछ आप में है, उसके साथ परमेश्वर को ढूंढे, जब तक आपके साथ कुछ तो नहीं होता है, जिसे आप ठीक करना चाहते हैं, आप धर्मी होना चाहते हैं, आप परमेश्वर का भय मानते हैं, आप—आप सही तरह से जीना चाहते हैं, इसे करे। आप इसे मत भूलना, क्योंकि हम अंत के समय में हैं। अब, याद रखें, हम अंत समय में हैं।

261 और इसे याद रखना, जैसा कि मैं बंद करता हूं, कि प्रार्थना करूं, एक मिनट में, मत भूलना, मुझे सुनना, आराधनालय! और यदि यह अब भी टेप हो रहा है, तो मुझे सुनना, दुनिया में, या यह टेप जहाँ भी जाएगा: एक

चिन्ह उठेगा, एक सच्चा चिन्ह; हो सकता है यह पहले ही उठ गया हो और इसे अनदेखा कर दिया गया हो, एक सच्चा चिन्ह जो परमेश्वर ने हमेशा दिया है, जिसे अनदेखा किया गया है।

आइए हम प्रार्थना करें।

262 नासरत का यीशु, जैसा कि उस दिन उस महान आवाज ने वहन उस दिन बोला, कुछ सप्ताह पहले, किनारे पर खड़े हुआ, जब मैं उस पेड़ के लट्ठे को पार कर रहा था, पेड़ के पास, और वह आत्मा जो उन पेड़ों के ऊपर से होते हुए नीचे उतरा और कहा, "नए नियम का यीशु ही पुराने नियम का यहोवा है।" हे परमेश्वर, मैं इस चट्टान पर खड़ा हूं। बाकी की सारी भूमि धंसती हुई रेत है। बाकी की सारी भूमि धंसती हुई रेत है।

263 लगभग तीस वर्षों से, प्रभु, मैं यहाँ इस घाटी में से होते हुए चिल्ला रहा हूं उस संदेश को, मैं इससे एक इंच भी नहीं हिला हूं, जहां से मैंने आरंभ किया था, बस वही संदेश, वही चीज; लोगों को वापस बुलाते हुए, ना ही एक सनसनी के लिए, लेकिन परमेश्वर से भेंट करने और उसकी आत्मा से जन्म के अनुभव के लिए। ओह, न्याय को छोड़ और क्या बचा होगा? वे जो उस संदेश को अस्वीकार कर रहे हैं, प्रभु, उनके लिए वहां कुछ भी नहीं बचा है।

264 आपने अपने वचन को इस प्रकार से पूरा किया है, जिससे कि अंतिम दिन के चिन्हों को घोषित करे, और इसे अचूक रूप से साबित करे, कि आप परमेश्वर हैं, और हम यहां पर हैं। इतना तक जबकि हम आज देश में बड़े-बड़े सुसमाचार के प्रचारको को सुनते हैं, वे सब चिल्ला रहे हैं। और हमारे राष्ट्र की राजधानी, और दूसरे राष्ट्रों की ओर संकेत करते है, और—और भय छा रहा है। और जब हम इन बड़े-बड़े लोगों को सुनते हैं, यहाँ तक फ्रांस में, भविष्यवाणी कर रहे है कि पहला बम लुईसविले, केंटकी में गिरेगा, सैकड़ों मील तक यह देश को साफ कर देगा। हे परमेश्वर, उनके पास सुनने का एक मौका था, लेकिन वे नहीं सुनेंगे।

265 समाचार पत्र, कलीसिया की चीजें, टेलीविजन, रेडियो इस बात से भरा हुआ है। वहां कोई बहाना नहीं है। तब, प्रभु, आपने कहा, "वे सब जिसे पिता ने मुझे दिया है वो आयेगा, और कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता जब तक पिता उसे पहले ना खींच ले।"

266 अब, पिता, मैं इस प्रार्थना को अपने आप के लिए करता हूं। मैं यहाँ

पर हूँ, अब मैं एक बूढ़ा मनुष्य होते जा रहा हूं, और मैं नहीं जानता कि हमारे पास कितने दिन बचे हैं, प्रभु। आज का दिन भी हमारे पास शायद नहीं हो। लेकिन जो कुछ भी बचा है, प्रभु, और जो मेरे जीवन में बचा है, हे परमेश्वर, क्या यह संभव है कि आप इसे लेकर और आपकी महिमा के लिए इसके साथ कुछ तो कर सकते हैं?

267 मैं पहले अपने खुद के लिए प्रार्थना करता हूं, प्रभु, कि आप मुझे आपकी इच्छा को दे। आपकी इच्छा पूरी हो जाये, प्रभु, चाहे ये जो कुछ भी हो। मैं चाहता हूं कि इसे उस दिन पर कहा जाए जब मैं आपसे भेंट करने आऊं, "इसे सही तरह से किया गया था।" यदि यह बड़ा है, या यदि यह छोटा है, जो कुछ भी आपके महान हृदय में मेरे जीवन के लिए है, प्रभु, मैं यहां हूं।

268 एक दूत को आग के कोयले के साथ भेजें और हमारे होंठों को शुद्ध करें और हमें पवित्र करें, प्रभु, उस अंतिम बड़ी कोई तो चीज के लिए जो पृथ्वी पर प्रहार करने पर है। आओ हम पाप के जंगल में पुकारने वाली आवाज बने, "परमेश्वर से भेंट करने के लिए तैयार हो जाओ।"

269 यह छोटी कलीसिया, ये लोग जो दिन प्रति दिन आते हैं, और सैकड़ों मील गाड़ी चलाकर, हे अनंत और प्रेमी, और कभी एक काम को भी नहीं भूलते है, अब्राहम, इसहाक और याकूब का परमेश्वर, जिसने यीशु को मरे हुओ में से जिलाया, और अब वह ऊंचे स्थान पर महामहिम के दाहिने हाथ पर बैठा हुआ है, परमेश्वर देह में वास करता है, इन लोगों को आशीषित करें, जिन्हें मैं आपके नाम से आशीषित करता हूं। होने पाए वे हमेशा ही याद रखे और जाने कि वहां एक चिन्ह है, अंत का एक चिन्ह। मैं प्रार्थना करता हूं कि आप उन्हें देंगे, और उन्हें दूसरों को जीतने वाले बनायेंगे: उनके काम पर, वे कहीं भी हो सकते है, रास्ते के कोनों में, पेट्रोल पंप में, या कहीं भी ये हो सकते है, कि किराना दुकान में गवाही को दे, कि दूधवाले को गवाही दे। चाहे ये जो कुछ भी हो, प्रभु, यदि उनके हृदय पर कुछ तो चेतावनी देता है, तो होने पाए वे एक गवाह बने। होने पाए वे ऐसे धर्मी और पवित्र जीवन को जीये, इतना तक कि वे सारे मनुष्यों के द्वारा पढ़ी जाने वाली पत्रियां बन जाये।

270 परमेश्वर, हमारी महिलाओं को आशीष दे। ओह परमेश्वर, मैं प्रार्थना करता हूं कि वे उनके चेहरे को धो डाले, वे जो नहीं करते, वे... उस ईजेबेल

का श्रृंगार उनके चेहरे से साफ़ हो जाए। उनके पास मसीही लोगों का साहस हो, और परमेश्वर का इतना आत्मा उन पर हो, ताकि यह जान जाए कि उन्हें वे अशुद्ध कपड़े नहीं पहनने चाहिए जो वे पहनती हैं। उनके बालों को स्त्रियों की तरह बढ़ाये। क्योंकि यह बाईबल में लिखा है, "प्रभु की दृष्टि में वह छोटी डाली बहुमूल्य है जो इन सारी चीजों से बच निकलेगी जो अंत के दिन में सामने आ रही है। यह परमेश्वर की दृष्टि में महिमामय होगा," जैसा कि भविष्यव्यक्ता ने इसे पहले से बताया है। परमेश्वर, इसे प्रदान करें।

271 मैं अब और कुछ भी नहीं कर सकता। मैंने अपनी तेज आवाज से वर्ष दर वर्ष चिल्लाया है, प्रभु। और जब तक आप अब आगे नहीं बढ़ते हैं, मैं कुछ भी नहीं कर सकता हूं। मैं यह प्रार्थना करता हूं, कि आप बढ़ेंगे। और मैं जानता हूं कि आप बढ़ेंगे, क्योंकि आपने अपने वचन में इसकी प्रतिज्ञा की है। और यही है जहां मैं खड़ा हूं। मैं केवल एक गवाही को दे सकता हूं, प्रभु। और कोई भी मनुष्य नहीं आ सकता है, जब तक आप उसे ना खींचे; और वह सब जिसे पिता ने दिया है वह आयेगा। मेरे पास यह आश्वासन है, कि आपके वचन का ख्याल रखा जाएगा। हमें आशीष दे, प्रभु।

272 और यदि यहां वे लोग है जो केवल एक सनसनी पर निर्भर है, हो सकता है उन्होंने चिल्लाया हो, वे, हो सकता है उनके पास पवित्र आत्मा हो, या... हम ऐसा नहीं मानते है, प्रभु, क्योंकि हमने लोगों को गेंद के खेल में चिल्लाते हुए देखा है। हमने लोगों को सांसारिक मनोरंजन करते देखा है, वे चिल्लाते है। हमने उन लोगों को इतना खुश देखा है इतना तक वे बाहर फर्श पर, रोने लगते है, नाचते है, और वे सारी चीजें करते है। यह आप नहीं है, परमेश्वर।

273 लेकिन आपसे भेंट करना और आपके साथ बात करना, और आप वापस हमसे बात करे, यही है जो हम चाहते हैं, प्रभु। ओह, मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, इसी मिनट पर, कि आप उस पवित्र आत्मा को कमरे में भेजें, इस छोटे से, नम्र स्थान में। उसके योग्य कोई भी स्थान नहीं है, कि वो आये। लेकिन मैं प्रार्थना करता हूं, परमेश्वर, कि, आप अपने तरीके से, कि आप उसे ठीक अभी कमरे में भेजे। प्राणों को भरोसा दिलाये।

274 जैसा कि मैंने कुछ समय पहले कहा था, प्रभु, हो सकता है आपने किसी के मार्ग में ठोकर का कारण रखा हो, इन वेदी की पुकार के विषय में,

वे विनंती करते है और लोगों को आगे जाने के लिए राजी करते है। और जब हम अगले वर्ष वापस आते हैं, तो हम उन्हें पहले की तुलना से भी अधिक दुगुने नरक की संतान पाते हैं। वे कैसे आ सकते हैं, महान पवित्र आत्मा, जब तक आप उन्हें भरोसा नहीं दिलाते है और उन्हें दोषी होने का एहसास नहीं दिलाये?

275 और मैं आपसे प्रार्थना करता हूं, प्रभु परमेश्वर, यदि वह पापी पुरुष या महिला, लड़का या लड़की, आज सुबह इस भवनं में है, कि पवित्र आत्मा ऐसी दोषी ठहराने वाली सामर्थ के साथ आए यहाँ तक कि आंसू उनके गालों पर से बहने लगे और उनके प्राण में टपकने लगें, प्रभु, कि वे उनके ह्रदय की गहराई से विश्वास करें और मसीह को स्वीकार करें। इसे प्रदान करें, प्रभु। उन्हें किसी वेदी की आवश्यकता नहीं होगी। उनका प्राण ही उनकी वेदी होगी। इसे प्रदान करें, प्रभु। तब वे पूरे ह्रदय से आपके पास आ जायेंगे, और कहेंगे, “मैं अब अपने पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लेना चाहता हूं जिसका मैंने पश्चाताप किया है।” इसे प्रदान करें, प्रभु। उन्हें पवित्र आत्मा से भर देना।

276 आज संसार में हमें सुसमाचार के प्रचारक को देना, ना कि ऐसे लोग जो राजी करते है और खींचते है, और सांप्रदायिक बच्चों को तैयार करते है। परमेश्वर, अपने लिए कुछ बच्चों को उठाकर खड़ा करे। ऐसे लोग हो, प्रभु, जो प्रार्थना करें। मैं कुरनेलियुस के घर के विषय में सोच रहा हूं। ऐसा पहले कभी किसी अन्यजाति के साथ नहीं हुआ, लेकिन वे उपवास कर रहे थे और प्रार्थना कर रहे थे। और जब वह परमेश्वर का जन, वह भविष्यव्यक्ता, वहां खड़ा हुआ, “और जब वो इन शब्दों को बोल ही रहा था, तो पवित्र आत्मा उन पर उतरा जिन्होंने वचन को सुना।” परमेश्वर, इस प्रकार की सभा को प्रदान करें। “जब पतरस इन शब्दों को बोल ही रहा था।” हे परमेश्वर, वे तैयार थे। वे उपवास कर रहे थे। वे रुके हुए थे। वे ईमानदार थे। वे बस “रुके,” हुए नहीं थे, वे “तब तक रुके हुए थे जब तक।”

277 वे प्रेरित तब तक रुके रहे जब तक परमेश्वर उनके बीच में नहीं आ गया, और वे उसे देख सकते थे और उससे बात कर सकते थे। वे ऐसे ह्रदय के साथ बाहर जाए जिसने संसार को जलाकर खाक कर दिया। वे निडर लोग थे, और ऐसे उन स्थानों के बीच में खड़े रहे जहां उनके लिए इसका परिणाम हो सकता था कि उनका अपना सिर भी कट जाए। उन्होंने

कहा, "क्या यह हमारे लिए सही है कि हम तुम्हारी बात सुने, या तुम्हारे संगठनों की, या तुम्हारे संप्रदायिक लोगों की? या, क्या हम परमेश्वर की सुनें? तुम इसे देखो।" और ठीक जैसे ही उन्हें जाने दिया गया, उन्होंने सीधे बाहर जाकर और फिर से यीशु मसीह के नाम का प्रचार किया। हे परमेश्वर, हमें—हमें ऐसे लोग देना, प्रभु।

278 इस एक को हमारे लिए उठा कर खड़ा करे, जिसके विषय में आप वचनों में बोल रहे हैं। उसका अभिषेक करे, प्रभु। मैं उसके लिए पुकारता हूं। उसे भेजें, प्रभु। हे परमेश्वर, हमारे भूखे ह्रदय रो रहे हैं। उसे भेजें, प्रभु, जो लोगों को फिर से पूर्व–पिताओं के विश्वास की ओर वापस फेरे, जो उन्हें इस सांप्रदायिक कठपुतलियों से दूर करेगा, परमेश्वर के साथ एक सच्चे अनुभव में, जैसे उन्होंने पेंटीकोस्ट पर किया था, फिर से एक सच्ची कलीसिया, जलती हुई, उसी संदेश के साथ, उसी विश्वास के साथ, वही शिक्षा, वही बाईबल, वही परमेश्वर उसी चिन्ह के साथ। हमारे लिए एक भविष्यव्यक्ता को उठा कर खड़ा करे, प्रभु।

279 आज हमारे बीच में बीमारों को चंगा करे, प्रभु। यहां वे लोग हैं जो जरूरतमंद हैं। मैं उनके लिए प्रार्थना करता हूं, पिता। मैं इतनी देर से आज सुबह से रुका हुआ हूं, और यहां पर वे लोग बैठे हुए हैं।

एक रात, जब प्रेरित पौलुस सारी रात प्रचार कर रहा था, एक युवक इमारत से गिर गया और खुद को मार डाला। उसे नींद आ गयी थी। उसका ऐसा इरादा नही था, लेकिन उसे—उसे नींद आ गयी थी। और वह गिर गया, और उसका जीवन चला गया था। और प्रेरित ने प्रार्थना की, और फिर से उसमें जीवन वापस आ गया।

280 हे प्रभु परमेश्वर, यहां बहुत से हैं जो बीमारी में गिर गए हैं। और जब कि हम बहुत समय से रुके हुए है कलीसिया की सभा को समाप्त करने के समय से आगे निकल चुके हैं, वहां वे लोग हैं जो बीमार हैं। हे परमेश्वर, उस सामर्थ को, वो—वो पवित्र आत्मा जो व्यक्तिगत रूप से अग्नि के स्तंभ में आता है, जो स्वयं को घोषित करता है और स्वयं को ज्ञात करवाता है कि वो कौन है, और हम उस पर विश्वास करते हैं, वो आज यहां पर हर एक व्यक्ति को घेर ले। बीमारों को चंगा करें। आत्मा से भर दे। हर प्रकार से छुटकारे को दे, प्रभु, जिसकी हमें आवश्यकता है। हमारे ह्रदयो को विश्वास से भर देना, परमेश्वर, ना खत्म होने वाले विश्वास के साथ, ना समझौता

करने विश्वास के साथ कि हमारे पास **यहोवा यों कहता है** वाला वचन है। इसे प्रदान करें, प्रभु।

281 यह आपके लोग हैं, आपका संदेश, आपका वचन, आपके सेवक है। और शैतान का हम पर कोई अधिकार नहीं है। वो यहाँ तक हमें नष्ट भी नहीं कर सकता जबकि यह भवन नष्ट भी हो जाये। "क्योंकि यदि यह धरती पर का भवन नष्ट भी हो जाए, तो हमारे पास पहले से ही एक प्रतीक्षा कर रहा है।" वह हमें कोई हानि नहीं पहुंचा सकता, क्योंकि हर एक चीज जो हमारी शत्रु है, ये आपकी शत्रु है, क्योंकि हम आपके हैं। हमें यीशु के बहुमूल्य लहू की कीमत के साथ खरीदा गया है।

इसलिए, तुम शैतानों जिसने इन लोगों को बीमारी से बांध कर रखा है, मैं तुम्हें आज्ञा देता हूं, यीशु मसीह के नाम में, कि उन हर एक में से बाहर आ जा। परमेश्वर के एक सेवक के रूप में, इस वचन के सत्य होने का दावा करते हुए, तू उन्हें छोड़ दे। तेरे पास कोई अधिकार नहीं है। हर चीज जो तूने कभी होने का दावा किया है, उसे कलवरी पर रद्द कर दिया गया था। और तू उन्हें अब और अधिक पकड़ कर नहीं रख सकता।

282 अब, परमेश्वर, यहाँ पर हर एक पुरुष और स्त्री को, लड़का या लड़की को, भरोसा करने के लिए विश्वास दे। वचन को बोला गया है। "यदि तुम इस पहाड़ से कहो, 'हट जा,' और अपने हृदय में संदेह ना करो।" "विश्वास की प्रार्थना बीमारों को बचाती है।" "तुम्हारे पास वो होगा जो तुम मांगते हो।" हम यह जानते हैं। हमें परमेश्वर में वो भरोसा है। यदि हमारे पास जरा भी विश्वास है, यदि परमेश्वर हम में रह रहा है, तो हम यह विश्वास करते हैं। और मैं जानता हूं कि ऐसा ही है, प्रभु। इसलिए, आज इसे बीमारी और उद्धार के लिए प्रदान करें। या, मैंने अवश्य ही कहा होगा, या कहना चाहिए था, पहले उद्धार और उसके बाद बीमारी। इसे प्रदान करें, प्रभु, क्योंकि प्राण शरीर से अधिक मूल्यवान है।

283 लेकिन वे लोग, कभी–कभी, उनके प्राण बच जाते हैं, और यह पुराना अब भी शैतान का बना रहता है, और वह जानता है कि वह इसे अंत समय में ले लेगा। वह इसे कुचल देगा और इसे वापस भेज देगा जब तक कि धरती के कीड़े इसमें रेंगकर और इसे खा ना ले। लेकिन वह उस प्राण को कभी नहीं छु पाएगा, क्योंकि यह परमेश्वर का बहुमूल्य खजाना है। और उस जीवन में से होते हुए, जैसे एक पत्ती में से, यह परमेश्वर की ओर वापस

लौटता है जो इसका देने वाला है; अगले ऋतु में सामने आयेगा, एक नये शरीर के साथ जिसे शैतान कभी भी छू नहीं सकता है। ना ही बुढ़ापा या कोई और चीज इसे कभी छू सकती है। यह एक महिमावंत देह होगी। हम इसके लिए देख रहे हैं, प्रभु। अब अपने लोगों को आशीषित करें। वे आपके हैं। और मैं उन्हें आपके हाथ में सौंपता हूं। मैं इसे यीशु के नाम में मांगता हूं।

[भाई नेविल कुछ प्रोत्साहन के शब्दों को देते हैं—सम्पा।] महिमा हो! स्तुति हो... [दूसरा भाई कुछ प्रोत्साहन के शब्दों को देता है।]

284 यह मेरे शब्द नहीं है। यह उसका वचन है। ओह, हमें इस घड़ी—इस घड़ी में इसी की आवश्यकता है, जिसमें हम रह रहे हैं! क्या आप नहीं समझ रहे है, मित्रों, कि परमेश्वर बड़े–बड़े हस्तियों के पास नहीं आता है? वह नम्र, छोटी, नम्र चीजों के बीच में वास करता है। आप शायद इस बात को महसूस नहीं कर सकते कि ठीक अभी क्या हो रहा है, इस इमारत के बीच में क्या चल रहा है, इन लोगों के बीच ठीक अभी क्या चल रहा है।

285 आत्मा ने क्यों पहले कहा, "इससे पहले कि मैंने उन्हें जो कुछ भी बनाया," भाई हिगिनबोथम के जरिये से कहा, "इस संदेश पर ध्यान दो, क्योंकि मैंने इसे लाया है," इसी तरह से *कुछ तो और*, "ताकि तुम्हें इस बात की चेतावनी दूं जो आगे आ रहा है"? देखो क्या हुआ।

286 कुछ बातें, वे वचन जो मैंने यहां लिखे हुए थे, मैंने यहाँ तक उन्हें छुआ भी नहीं, और ये बातें उन लोगों में से बाहर आयी। मेरी वहां पवित्र आत्मा के द्वारा अगुवाई की गई थी। देखा? कुछ वचनों के विषय में, जिसे मैंने कभी छुआ भी नहीं। मैं बस पूर्ण रूप से किसी और बात पर चला गया। कभी–कभार, कुछ तो आते हुए सुनते हैं, पलट कर और देखते हैं कि यह कहां पर था। आत्मा अब हर दिशा से बोल रहा है।

287 ओह, लोगों, ईमानदार बने, सच्चे बने। इस पर विश्राम करने का यत्न ना करें... देखिए, आप—आप कुछ तो बड़ी और चमक–दमक वाली चीज के लिए देखते हैं।

जब, सारे भविष्यव्यक्ता, यहां तक कि दाऊद ने कहा, "प्रभु के आगमन पर, कि, हर एक पहाड़ को नीचे लाया जाएगा, और—और निचले स्थानों को ऊंचा किया जाएगा।" कहा, "पहाड़ छोटे मेढो की तरह उछलेंगे, और

सारे पत्ते अपने हाथों से ताली बजाएंगे।" तो, लोगों ने क्या सोचा होगा कि ऐसा होगा, जब... यीशु आयेगा?

यह क्या निकला? एक पुराना नम्र प्रचारक, जिसके पास कोई शिक्षा नहीं थी। नौ वर्ष की उम्र में, वो जंगल में चला गया, ना ही मनुष्य के द्वारा प्रशिक्षित होने के लिए, लेकिन परमेश्वर से प्रशिक्षित होने—होने के लिए। जंगल से बाहर आया, और अपने चारों ओर भेड़ की खाल के टुकड़े को लपेटे हुए खड़ा था, उसके पूरे चेहरे पर ऊन लगी हुई थी, पूरा शरीर रोएँदार था, और उसके गर्दन के नीचे बाल लटक रहे थे। वह जंगल में रहता था, टिड्डियाँ अर्थात जंगली टिड्डे और शहद खाकर जीवन बिताता था, जब वह जंगल में रहता था। और आकर, किनारे पर कीचड़ में खड़ा हो गया, और मसीहा के आगमन की घोषणा की। और मसीहा सीधे वहां नीचे चलकर गया, लोगों के बीच में एक साधारण सा मनुष्य, और उसने बपतिस्मा लिया था। और सारे भविष्यवक्ताओं ने सबसे महान चीजों में से एक चीज होने की घोषणा की जो कभी घटित हुई, और यह थी। देखा?

288 वे कुछ तो बड़े, चमक–दमक किसी चीज के लिए देख रहे हैं, कि जगह ले। देखा? पवित्र आत्मा जगमगाता नहीं है। यह चमकता है। जगमगाहट संसार की होती है। चमक परमेश्वर की होती है।

मुझ पर चमके, प्रभु, मेरी प्रार्थना है। मुझे नम्र करें। मुझे लेकर, मुझे ढाले और मुझे बनाये। जीवते परमेश्वर की आत्मा, मुझ पर ताजा हो जाये। मुझे ढाले, मुझे बनाये। मुझे अपना बना ले, प्रभु। बस मुझे ले ले।

289 मैं अब इस बात से अवगत हूं कि मसीह का आत्मा आज सुबह यहां इस भवन में से होते हुए मंडरा रहा है। परमेश्वर जो संसार का न्याय करेगा वो ठीक अभी यहां पर है, ये बिल्कुल उतना ही निश्चित है जितना कि मैं इस पुलपीट में खड़ा हूं। इस वचन की एक, दो, तीन बार पुष्टि हो चुकी है, बिल्कुल ठीक वही जो बाईबल ने कहा। उसके बाद, क्या आपने सुना उस समय पर ये बात वहीं पर रुक गयी? एक, दो, तीन, हर एक चीज आत्मिक क्रम में है, हर एक वचन के क्रम के अनुसार है। ओह, अपने हृदय को खोले और समझे। ओह, ऐसा समय, इस समय पर क्या हो सकता है!

290 वे ऊपरी कोठरी में थे, सभी एक चित्त होकर रुके हुए थे। "क्योंकि वे जो प्रभु पर रुके रहते हैं, वे उनके नये बल को प्राप्त करेंगे। वे उकाब की नाई पंखों के साथ ऊपर उड़ेंगे।"

291 बस वहां ऐसे ही जाकर और यह ना कहे, “प्रभु, मैं अपने पापों के लिए शर्मिन्दा हूं। अब मैं विश्वास के द्वारा स्वीकार करता हूं कि मैंने पवित्र आत्मा को पाया है,” और चले जाये।

“वे जो प्रभु पर रुके रहते हैं,” सप्ताह, दिन, यह जो भी है, “वे उनके नये बल को प्राप्त करेंगे। वे उकाब के पंखों के साथ ऊपर उड़ेंगे। वे दौड़ेंगे और थकेंगे नहीं। यदि वे चलेंगे, वे मूर्छित नहीं होंगे। मुझे सिखाये, प्रभु, मुझे सिखाये, प्रभु, रुके रहना सिखाये।” प्रभु पर रुके रहे।

292 दिन और रात, निरंतर, हन्नाह मंदिर में थी, निरंतर प्रार्थना कर रही थी, दिन और रात। जब वे यीशु को अंदर लेकर आए, तो वह अंदर आई, अंधी, इमारत में से होते हुए, उसके पास आई। एक अंधी स्त्री ने उस पर हाथ रखा और परमेश्वर को धन्य कहा। क्योंकि, उसके शारीरिक अंधेपन में, उसकी आत्मा में, वह आत्मा के द्वारा चलाये चली, जहां पर वो खड़ा हुआ था।

293 वहां, शिमोन, उसकी प्रतीक्षा कर रहा था, वहां पीछे प्रार्थना कक्ष में, जानता था कि उसके पास पवित्र आत्मा के द्वारा एक प्रतिज्ञा थी, कि वह नहीं मरेगा; एक बूढ़ा व्यक्ति, अस्सी, लगभग नब्बे वर्ष का था। और उसने… लोगों को खुले तौर पर बताया, “मैं मृत्यु को नहीं देखूंगा जब तक मैं मसीह को नहीं देख लेता।” और उसी मिनट पर, एक छोटा सा बालक…

वो कौन था? ना ही एक प्रसिद्ध व्यक्ति, कि सारे पहरेदार सावधानी पूर्वक खड़े हुए हो जब वे मसीहा को अंदर लाए, छोटे बच्चों की तरह जो समर्पण के लिए लाए जाते हैं, वैसे ही बहुत मधुर और अच्छे ढंग से लपेटे हुए, सजे–संवरे, मसालेदार और इत्र से महकाए हुए हो। लेकिन एक छोटी सी माँ जिसके बारे में बुरा कहा गया था, कहा गया, “उसके पवित्र विवाह से पहले उसे एक बालक हुआ था।” चिथड़े हुए कपड़े में लिपटा हुआ, जूए का, बैल के जूए का कपड़ा उसके चारों ओर लिपटा हुआ, इमारत में से होते हुए चलकर जा रही थी, और हर कोई उससे अपनी दूरी बनाए हुए था।

लेकिन यहाँ वो छोटा झुण्ड आता है, वो छोटा सा समूह। हन्नाह, उस एक के लिए। शिमोन, एक और, पंक्ति में से होते हुए चलकर जा रहा था, नहीं जानते हुए कि कब इस पर उसकी आंखें पड़ने जा रही है। और अपने हाथों को उठाकर और कहा, “प्रभु, अब अपने सेवक को अपने वचन के

अनुसार शांति से विदा होने दीजिए, क्योंकि मेरी आंखे तेरे उद्धार को देख रही हैं।" हुंह। देखा? ना ही कुछ भी बड़ा, जगमगाता हुआ। एक चमक; और भले ही इसके विषय में बुरा बोला गया, यह एक चिन्ह था।

294 और, आज, उस चिन्ह के विषय में बुरा बोला गया है। इसका कोई समर्थन नहीं है। यह—यह... इसके विषय में बुरा कहा गया है, और हर एक चीज बोली गयी है। लेकिन यह एक चिन्ह है जिसे अनदेखा किया गया है, एक चिन्ह जिसके विषय में बुरा बोला गया है। बाईबल इस विषय में बोलती है, "एक चिन्ह, जिसके विषय में बुरा कहा गया है।"

295 आइए हम इसे याद रखें जब हम अपने घरों की ओर यात्रा करते हैं। आप इस संदेश को कभी भी अपने ह्रदय से मिटने ना देंना। आप जो कुछ भी करते हैं, आप इसे ना करें। आप दिन और रात इस पर मनन करे। और प्रार्थना करें, दिन और रात, परमेश्वर से कि अब उसकी गवाही को ऊपर उठाये। हम तैयार हैं, क्योंकि मैं विश्वास करता हूं, जल्द ही, समय और नहीं रहेगा। हम आ रहे हैं...

296 "कैसे, यह कब होगा, भाई ब्रंहम?" मैं नहीं जानता। हो सकता है आज। हो सकता है यह कल हो। यदि यह आज नहीं होता है, तो मैं कल इसके लिए देखूंगा। और यह हो सकता है इस वर्ष हो, अगले वर्ष, दस वर्ष में हो। हो सकता है तीस वर्ष, मैं नहीं जानता कि यह कब होगा। लेकिन मैं कहता हूं, अब से आगे, आप हर मिनट तैयार रहें।

297 और किसी भी चीज़ को बस सामान्य रूप से ना ले। ऐसा ना करे। आप विश्राम ना करें, दिन और रात, जब तक आप परमेश्वर से बात नही कर लेते है। अपने आप को कट्टरता से दूर रखे। भावनाओं में बहकर उत्तेजित ना हो जाये। ऐसा ना करे। यही है जो बहुत अधिक उग्र चीजों लाती है और लोगों को इससे डराती है, देखो, यह उग्र कट्टरता के कारण होता है। आप इसे स्वीकार ना करे; बिल्कुल नहीं। आप ठीक वहीं पर बने रहे जब तक आप परमेश्वर से बात नहीं करते। आखिरकार, यह आपका प्राण है, और आप ही एक है जो वहां उस ओर अनंतता को बिताने जा रहे हैं। और आप सुनिश्चित करे कि आप बस हाथ मिलाकर और एक मत–सिद्धांत को ना कहे, या—या विश्वास के द्वारा कुछ स्वीकार ना करे। आप ऐसा ना करें। आप परमेश्वर से बात करें। परमेश्वर को आपसे बात करने दो, और देखो आपके साथ क्या होता है। अपनी इच्छाओं पर ध्यान दें और क्या होता है,

तब आप जान जायेंगे कि आपने परमेश्वर से बात की है या नहीं।

298 आप लोगों के लिए जिन्होंने आज सुबह उस पर विश्वास किया है। आपके लिए, और मैंने—मैंने वेदी की पुकार के विषय में कहा। क्या आप जानते हैं कि उन्होंने इसे बाईबल में कैसे किया? "जितनो ने प्रभु पर विश्वास किया, जितनो ने प्रभु पर विश्वास किया, उन्होंने उनके पापों की क्षमा के लिए यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा लिया था।" यदि आपने कभी भी... हमारे पास कभी भी वेदी की पुकार नहीं हुई थी। उन्होंने कभी भी लोगों को आगे नहीं बुलाया था। जब आप ऐसा करते हैं, तो हर प्रकार के लोग आ जाते हैं। यहाँ एक व्यक्ति वेदी पर आता है, घमंडी सा दिखने वाला, और घुटने टेकता है, क्योंकि किसी ने उसे आगे लाने की कोशिश की। आपको—आपको—आपको दो गुना मुश्किल होती है कि उसे फिर से कभी ला सके। देखा? और आप क्या करते है? आपको इसमें हर एक चीज मिलती है। और यीशु ने कहा, "वो सब जिसे पिता ने मुझे दिया है, मेरे पास आयेगा।" उस वचन के साथ बने रहे। बाकी परमेश्वर करेगा। यह सही है। यह सही है। इसका बाकी का परमेश्वर करेगा।

299 परमेश्वर आपको आशीष दे। मैं आशा करता हूं कि आज रात आपसे फिर से मिलूंगा, आशा करता हूं, आप में से हर एक जन से जो आ सकते है। मैं जानता हूं कि आप में से बहुतों को बाहर रहना होगा, दूर जाना है। मैं आज रात यदि यह परमेश्वर की इच्छा होगी, तो अपने भाई को सुनने के लिए आऊंगा। मैं उसके दोनों संदेशों को नहीं लेना चाहता हूं।

300 और—और भाई नेविल परमेश्वर का एक प्यारा व्यक्ति है। और मैं जानता हूं, मैं जानता हूं कि कौन... जब मैं उसे प्रचार करते सुनता हूं, मैं जानता हूं कि यह सीधे उसके ह्रदय से आता है। मैं यह जानता हूं। और भाई नेविल, जैसा कि उन्होंने उस रात को कहा, इस समालोचना को, कहा मैंने एक टिप्पणी की, "किसी दिन मैं उसे यीशु के नाम में बपतिस्मा दूंगा।" मैंने दिया। क्यों? मैंने उसमें ईमानदारी और सच्चाई को देखा। मैं जानता था कि यदि वह... उसे कभी भी दिया जा सकता है, और उसे देखा... और वह—वह वास्तव में इसे देख सकता है, उसकी आंखें खुल जायेंगी, वह इसे ग्रहण करेगा। मैं रुका रहा, और कलीसिया को बता रहा था, "आप चिंता ना करे, वो मेथोडिस्ट प्रचारक अवश्य ही आ जाएगा।" और आज वो यहां पर है, आराधनालय का एक पास्टर, काम में उतना ही मजबूत

है जितना वह संदेश में हो सकता है। वह परमेश्वर पर विश्वास करता है। और मैं जानता हूं, जब मैं सुनता हूं कि भाई नेविल से कुछ तो आता है, तो मैं जानता हूं कि यह वास्तव में, परमेश्वर की ओर से आ रहा है, क्योंकि वह उस प्रकार का एक मनुष्य है।

301 मैंने अपने हाथों को यहां आपके रूमालों पर रखा है, जिस पर प्रार्थना की गई है। भरोसा करते हुए, आप में से हर एक ने परमेश्वर से आशीष को पाया है। भरोसा है कि परमेश्वर आपके हृदय में है।

302 हम—हम यहाँ केवल आशीष को पाने के लिए—के लिए नहीं आते है, उतना अधिक, जब हम यहाँ आते हैं। हर एक दिन हम एक सांस को लेते हैं, हमें परमेश्वर से आशीष मिलती है। हम यहां जो करने के लिए आए हैं, ये एक सुधार है, ताकि काटे, ताकि हमारे हृदय का खतना करे, और परमेश्वर के सामने आकर, और अपने पूरे हृदय से परमेश्वर पर विश्वास करें।

303 प्रभु के वचन को याद रखें। और भूले नहीं, और चूके नहीं, कि परमेश्वर की ओर से भेजे गए सच्चे चिन्ह की ओर देखें।

और फिर मैं सभा को भाई नेविल की ओर सौंपने जा रहा हूं, उन्हें वो कहने दो जो भी वे कहना चाहते हैं।

[भाई नेविल कहते हैं, "मैं निश्चय ही, ओह, मैं आपको बता रहा हूं, मैं जानता हूं कि परमेश्वर ने पुष्टि की है जिसकी हमने पहली सभा में अपेक्षा की थी। जैसा कि मैं इस सुबह इन बहुत सारे चेहरों को देखता हूं, मैं जानता हूं कि यह अच्छा रहा है कि आप यहां पर रहे हैं, और यह अच्छा रहा है कि मैं यहां पर रहा हूं, और मुझे यहां होना चाहिए था, और आपको यहां होना चाहिए था। आपका मिशन सही तरह से पूरा हुआ है यदि आप इसे ऐसा होने के लिए मानते हैं। जो आज सुबह आपके पास है, जो आपके पास हो सकता था क्योंकि आपने इसे परमेश्वर से पाया है।]

["और तुरंत ही हम बपतिस्मे की सभा को करने जा रहे हैं, इसके बाद। और भाई विलार्ड कोलिन्स बपतिस्मे की सभा में संचालन करेंगे, और हमारे पास दो या उससे अधिक उम्मीदवार हैं। और हम आज सुबह यीशु मसीह के नाम में बपतिस्मा के लिए सौ उम्मीदवारों को देखना चाहेंगे।"]

आमीन!

[“अपने विश्वास को स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करने का दृढ़ निश्चय करें। विश्वास कभी भी कार्य नहीं करता है। केवल बोला हुआ विश्वास कुछ लाभ नहीं करता है। लेकिन प्रदर्शित किया हुआ विश्वास ही बाईबल की व्यवस्था है।”]

आमीन! यह सही है।

[“आज्ञा मानने के द्वारा, विश्वास को प्रदर्शित किया जा सकता है। होने पाए परमेश्वर किसी को प्रदान करे, आज सुबह, जो यहां पर है, जो ऐसा करने के लिए इच्छा को महसूस करता है, होने पाए आप आ जाए। यदि यह ऐसा है, यदि यह आपके क्रम से थोड़ा बाहर हो जो आपने योजना बनाई है, या हो सकता है है कि आपको तुरंत कहीं पर जाना हो, या कोई और काम हो, यदि आप उसे कुछ समय के लिए टाल सकते हैं और आज्ञाकारिता के इस कार्य में आगे बढ़ सकते हैं, तो मैं मसीह में आपके नम्र भाई के रूप में विश्वास करता हूं, और परमेश्वर के भविष्यव्यक्ता के साथ एक सहकर्मी के रूप में, मैं विश्वास करता हूं कि यह—यह आपका सबसे अच्छा चुनाव होगा, कि अभी इस निर्णय को ले।”]

परमेश्वर इसे प्रदान करे!

[“और प्रदान करे कि आप आकर, और दूसरों के बीच में अपने स्थान को ले, जिनका बपतिस्मा होना है, जिसे कि आप इस गिनती में हो सके, उस छोटे झुंड को बनाते हुए। ओह, यह अद्भुत है, क्या ये नहीं है? उसकी गिनती में एक होना, और उसके वचन के अनुसार होना। क्या हम सब एक साथ खड़े होंगे, जैसा कि हम समाप्त करने के लिए तैयार होते हैं।]

[“अगले रविवार, भाई ब्रन्हम वापस फिर से हमारे साथ होंगे। आइए उस घोषणा को याद रखें। उन्होंने कहा कि वह आज रात को यहां पर होंगे, लेकिन उन्होंने यह नहीं कहा कि वो सेवकाई करेंगे। हालांकि, मेरी इच्छा हमेशा ही होती है, कि वो सेवकाई करे। और उन्हें इस बात से डरने की आवश्यकता नहीं है कि मैं उस पर क्या सोचता हूं। मेरी इच्छा सबसे निश्चित रूप से यह है, जानते हुए कि संदेश और वो—वो बुलाहट, वह कार्यभार या ऑफिस जो उनके पास है, ये इस अंतिम दिन की एक बड़ी आवश्यकता है। मैं इसके लिए किसी भी समय स्थान को देता हूं।]

[“मैं इस बात को लोगों की उपस्थिति में और उनके सामने कहूँगा: मैं खुशी–खुशी स्थान को देता हूं, किसी भी समय, किसी भी सभा में, इस

महत्वपूर्ण संदेश के लिए जिसका मैं विश्वास करता हूं, क्योंकि परमेश्वर ने आज सुबह हम में से दो लोगों के जरिये से बात की, इसके चिन्ह की ओर संकेत करते हुए। और मुझे इस बात की खुशी है कि मुझे यह सौभाग्य मिला है कि मैं उनमें से एक बन सका, जो उन्हें स्थान दे सके।]

["और मैं आज रात, जो कि मुझे खुशी होगी, यदि हमारे भाई, और परमेश्वर के सेवक और भविष्यव्यक्ता, ऐसा करने के लिए अधिक इच्छुक है, तो मैं बहुत ही खुशी से उन्हें स्थान को दूंगा। केवल उनके बोलने पर, जो कुछ भी वह महसूस करते है। लेकिन, उन्होंने बोला है, और हम पूरी बात के निष्कर्ष को सर्वशक्तिमान परमेश्वर के हाथों में सौंप देंगे।"—सम्पा।]

304 आप एक सच्चे भाई से इससे अधिक मीठा कुछ भी नहीं मांग सकते, क्या आप मांग सकते है? कारण कि मैं... देखो, मित्रों, मैं—मैं जानता हूं कि आप मुझसे प्रेम करते हैं। आप भाई नेविल से प्रेम करते हैं। आप परमेश्वर के सारे लोगों से प्रेम करते हैं। हम एक दूसरे से प्रेम करते हैं। यदि कोई समय रहा है कि हमें एक दूसरे से अधिक प्रेम करना चाहिए, तो ये आज है। हमें एक साथ इतने नजदीक होना चाहिए, भाई, कि हम बस... हम सच्चे लहू के भाइयों और बहनों से बढ़कर होते है। यही वो प्रेम है जो हमारे हृदय में एक दूसरे के प्रति होना चाहिए, आदर और सम्मान, सर्वोच्च। और मैं इसे पसंद करता हूं। मैं इस वास्तविक चीज को पसंद करता हूं।

305 और यहां, भाई नेविल, और भाई हिगिनबोथम, भाई... मैं विश्वास करता हूं कि वे भाई फंक थे, ये यहाँ तक ऐसा नही लगा कि यह वो थे जिसने वहां पहले उस संदेश को दिया। जो आकर... वे संदेश परमेश्वर की ओर से आये थे, मित्रों, उन्होंने वास्तव में प्रचार किया। जिस किसी के पास आत्मिक परख है, वो इसे समझते है।

306 लेकिन असल बात यह है। यहाँ आने का कारण, मैं—मैं भाई नेविल को बहुत पसंद करता हूं जो कि मैं ऐसा सोचता हूं, आप जानते है। मैं—मैं कुछ भी कहना पसंद नहीं करता, जब तक कि मेरे पास वास्तव में आपको बताने के लिए परमेश्वर की ओर से कुछ नहीं होता है। समझे? और यह—यह मेरे हृदय में, लगभग दो या तीन दिन पहले आया था, और पिछली रात तक मैंने इसकी ओर अधिक नहीं देखा, कुछ वचनों में से होकर गया। यही कारण है कि मैं इसे प्रचार करने आया। यह अब मेरे हाथ से बाहर है। आप समझे? आप इसके साथ जो कुछ भी करते हैं, यह आप पर है, आप

देखिये। लेकिन यह मेरे हाथ से बाहर है।

307 लेकिन, भाई नेविल और मैं, हम बस इसी तरह से हैं। यदि मैं यहां पर आता हूं, बस—बस कभी कभार बोलने के लिए, और ऐसा ही कुछ, और भाई नेविल के पास परमेश्वर की ओर से एक संदेश होता है, तो मैं सीधे बैठ जाता हूं। जी हां, बिल्कुल। मैं हमेशा ही परमेश्वर के संदेश को स्थान देता हूं। देखा? इसी तरह से हम एक दूसरे के लिए करते हैं। और यही कारण है कि मैं कहता हूं कि मैं... यदि—यदि परमेश्वर मुझे कुछ भी नहीं देता है, तो, हो सकता है, बस ऐसे बोलने के लिए, और यदि परमेश्वर भाई नेविल को कुछ भी देता है, और मैं यहां रविवार सुबह पुलपीट पर होता हूं, रविवार की रात, जब भी ऐसा अवसर होता है, भाई नेविल बस, वे एक भाई के तरह ही रहेंगे, वह मेरे पास आकर, कहते है, “भाई ब्रन्हम, मैं विश्वास करता हूं कि आप परमेश्वर के सेवक है, लेकिन प्रभु ने मुझे अभी एक संदेश दिया है।” आप ऐसा करेंगे, क्या आप नहीं करेंगे? [भाई नेविल कहते हैं, “आमीन।”—सम्पा।] जी हां, श्रीमान।

308 मैं उसके साथ भी ऐसा ही करूंगा, यदि वो बोलने जा रहे है। मैं कहूंगा, “भाई नेविल, क्या आप मुझे क्षमा करेंगे? परमेश्वर ने मुझे एक संदेश दिया है। मुझे इसे ठीक अभी लोगों को देना है।” और वह, भाई नेविल, सीधे रास्ते से हट जाते है; या तो हम में से एक, एक दूसरे के लिए ऐसा ही करेंगे। देखा? इसी तरह से हम करते हैं। और फिर यदि हम, यदि मेरे पास कोई विशेष चीज नहीं है, तो मैं...

309 मैं उसे प्रचार करते हुए सुनना पसंद करता हूं। मैंने उसे सुना है। कितने लोगों ने उन्हें सुना, पिछले रविवार की रात को? मैं आपको बताता हूं क्या ही अद्भुत संदेश था। यह ठीक इसमें जुड़ता है, जो सुबह को कहा गया था।

और, लोगों, मैं आपको बता रहा हूं, आपके पास परमेश्वर का पर्याप्त वचन है कि आपको निश्चित रूप से सही जीना चाहिए और सही होना चाहिए।

परमेश्वर अब आपको आशीष दे, भाई नेविल।

61-1112 एक सच्चा चिन्ह जिसे अनदेखा किया गया
ब्रंहम टेबरनेकल
जेफ्फ़रसनविल, इंडिआना यू.एस.ए

HINDI

©2026 VGR, ALL RIGHTS RESERVED

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org

सर्वाधिकार सूचना

सर्वाधिकार सुरक्षित। इस पुस्तक को व्यक्तिगत उपयोग के लिए घर के प्रिंटर पर छापा जा सकता है या यीशु मसीह के सुसमाचार को फैलाने के लिए एक साधन के रूप में निःशुल्क दिया जा सकता है। वॉयस ऑफ गॉड रिकॉर्डिंग्स® की स्पष्ट लिखित अनुमति के बिना इस पुस्तक को बेचा नहीं जा सकता, बड़े पैमाने पर प्रतिलिपि तैयार नहीं किया जा सकता, वेबसाइट पर पोस्ट नहीं किया जा सकता, पुनर्प्राप्ति प्रणाली में संग्रहीत नहीं किया जा सकता, अन्य भाषाओं में अनुवाद नहीं किया जा सकता, या धन मांगने के लिए उपयोग नहीं किया जा सकता।

अधिक जानकारी या अन्य उपलब्ध सामग्री के लिए कृपया संपर्क करें:

VOICE OF GOD RECORDINGS, INDIA OFFICE
19 (NEW NO: 28) SHENOY ROAD, NUNGAMBAKKAM
CHENNAI 600 034, INDIA
044 28274560 • 044 28251791
india@vgroffice.org

VOICE OF GOD RECORDINGS
P.O. BOX 950, JEFFERSONVILLE, INDIANA 47131 U.S.A.
www.branham.org